■ क्रिसिल की रिपोर्ट : एफडीआई में 2 प्रतिशत से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी-10

■ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध : आईईए-10

■ गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं-11

■ अक्षर पटेल ने कहा- मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं-12

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.13 सूर्यास्त 06.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी 04:08 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 24 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 118, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

रामनवमी मेले को लेकर 80 घंटे बंद रहेगा अयोध्या हाईवे

अयोध्या। रामनवमी मेले को लेकर 24 मार्च की दोपहर दो बजे से 27 मार्च की रात 12 बजे तक जिले की सीमाओं से जुड़े राष्ट्रीय व प्रादेशिक राजमार्ग पर यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। एसपी यातायात ने सोमवार देर शाम बताया कि यह प्रतिबंध आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होगा। लखनऊ में सीतापुर, शाहजहांपुर, से आने वाले वाहनों को आईआईएम रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।

इंडिगो ने आलोक सिंह को मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली। इंडिगो ने सोमवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रबंध निदेशक अलोक सिंह को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे को दो सप्ताह भी नहीं हुए हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि सिंह में रणनीतिक दृष्टि और परिचालन क्षमता का उत्कृष्ट मिश्रण है।

रामविलास पासवान के पूर्व निजी सचिव पर रिश्वत लेने की रिपोर्ट दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के तत्कालीन निजी सचिव संजीव हंस के खिलाफ 2019 में मुंबई स्थित एक रियल एस्टेट कारोबारी से एनसीडीआरसी से रियायतें दिलाने के बदले एक करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के संदेह में मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने प्राथमिकी में रियल एस्टेट कंपनी आरएनए कॉर्पोरेशन में काम करने वाले हंस के दोस्त विपुल बंसल का भी नाम शामिल किया है, कंपनी के प्रमोटरों में से एक अनुभव अग्रवाल व इसकी सहयोगी कंपनी ईस्ट एंड वेस्ट बिल्डर्स सहित अन्य लोगों को भी कथित रिश्वतखोरी के मामले में नामजद किया है।

दोगुनी होगी गेहूं की खरीद, नक्शा पास होते ही बदल जाएगा भूमि उपयोग

कैबिनेट बैठक में 35 प्रस्ताव मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने दोगुना किया लक्ष्य, 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर होगी सरकारी खरीद
- ऊर्जा, निवेश, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार देने वाले कई अहम निर्णय

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों पर विचार के बाद चीनी उद्योग और लखीमपुर खीरी पुल विस्तार योजना को स्थगित करते हुए 35 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में सबसे अधिक फोकस किसानों पर रहा, जबकि ऊर्जा, निवेश, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

कैबिनेट ने राजस्व संहिता की धारा 80(8) में बदलाव करते हुए बड़ा निर्णय लिया है। अब किसी भी भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका भूमि उपयोग स्वतः बदल जाएगा। अलग से लैंड यूज परिवर्तन की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे निर्माण और निवेश प्रक्रिया आसान होगी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार ने गेहूं खरीद नीति को मंजूरी देते हुए एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले वर्ष से 160 रुपये अधिक है। इसके साथ ही किसानों को उतराई, सफाई और छनाई के लिए 20 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त देने का निर्णय लिया गया है, जिसका करीब 60 करोड़ रुपये का व्यय मंडी परिषद वहन करेगा। इस बार खरीद अवधि 30 मार्च से 15 जून तक तय की गई है। सभी किसानों से गेहूं की खरीद सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेश के 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्रों के माध्यम से आठ एजेंसियां खरीद करेंगी। सबसे अहम फैसला खरीद लक्ष्य को लेकर हुआ, जहां पहले 25 लाख मीट्रिक टन का प्रस्ताव था, जिसे मुख्यमंत्री ने बढ़ाकर 50 लाख मीट्रिक टन कर दिया। इससे अधिक किसानों को सरकारी खरीद का लाभ मिल सकेगा। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कैबिनेट ने निजी बिजनेस पार्क योजना-2025 को मंजूरी दी है। इसके तहत प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है, जो प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जोड़ेगा। औद्योगिक कॉरिडोर को मजबूत करने के को गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे 29 स्थानों पर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। इसके लिए 24,542 करोड़ की लागत स्वीकृत की गई है। इन क्लस्टरों में सड़क, बिजली, जल आपूर्ति समेत सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ऊर्जा व नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाते हुए गोरखपुर में 20 मेगावाट सोलर प्लांट स्थापित करने को मंजूरी दी गई है, जिससे हरित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। घाटमपुर पावर प्लांट की 660 मेगावाट की तीन इकाई के लिए झारखंड में 2242.90 करोड़ में एक कोल ब्लाक लेने के लिए मंजूर किया गया है। इससे बिजली लागत 3.78 रुपये प्रति यूनिट से घटकर 2.72 प्रति यूनिट होने की उम्मीद है।

संभल में 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संभल में 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इस परियोजना से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए बनेगा कन्वेंशन सेंटर

वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राजधानी लखनऊ में 1435 करोड़ रुपये की लागत से इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस सेंटर में 10 हजार क्षमता का मुख्य हॉल और 2500 क्षमता का ऑडिटोरियम होगा। जिससे लखनऊ अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर, सरकार हर अप्रत्याशित संकट से निपटेगी : मोदी

प. एशिया पर बोले- युद्ध का प्रभाव लंबा रह सकता है, इसलिए तैयार और एकजुट रहना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

● लोकसभा में मोदी ने दिया वक्तव्य, कहा- कूटनीति से ही युद्ध का समाधान संभव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए यह भी कहा कि इस संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है और इसका सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा।

उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट और व्यावसायिक जहाजों पर हमलों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इस समस्या का समाधान कूटनीति और बातचीत से ही संभव है तथा भारत तनाव को कम करने व संघर्ष समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र में सरकार की तैयारियों के कारण आज हालात से निपटने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, सरकार संवेदनशील है, सतर्क है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व ऐसे संकट में गलत फायदा उठाने का प्रयास करते हैं, इसलिए कानून व्यवस्था से जुड़ी सभी एजेंसियों को सतर्क रखा गया है। इस युद्ध के कारण दुनिया में बने हालात का प्रभाव लंबे समय तक रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा, हमें एकजुट रहना होगा।

बढ़ेगी बिजली की मांग पर्याप्त संसाधन मौजूद

प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश में किसानों ने अन्न भंडार भर रखे हैं। प्रयास है कि खरीफ मौसम की सही से बुवाई हो। उन्होंने कहा, मैं देश के किसानों को विश्वास दिलाता हूं कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करती रहेगी। कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली की मांग बढ़ने की चुनौती रहेगी, लेकिन सभी संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार पर्याप्त हैं।

आर्थिक, राष्ट्रीय व मानवीय सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती

पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के हालात ने भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं जो आर्थिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय सुरक्षा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज में संदेश दुनिया में जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति बनने के बाद उन्होंने स्वयं पश्चिम एशिया के अधिकतर राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है और उन सभी ने वहां भारतीयों की सुरक्षा का पूरा आश्वासन दिया है। मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में भारत के जितने भी मिशन हैं वे निरंतर भारतीयों की मदद में जुटे हैं, वहां काम करने वाले भारतीयों, पर्यटकों को हर संभव मदद दी जा रही है। मोदी ने कहा, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही अभी तक लगभग एक हजार भारतीय सुरक्षित वापस आए हैं।

प्रधानमंत्री के वक्तव्य की प्रमुख बातें

- पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव चिंता का विषय है। वहां की स्थिति बिगड़ने से भारत पर भी असर पड़ सकता है, खासकर व्यापार और तेल सप्लाई पर।
- विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें सुरक्षित निकालने को विशेष अभियान सरकार चला सकती है।
- सरकार किसानों की मदद के लिए कई कदम उठा रही है। एमएसपी बढ़ाने, सिंचाई की सुविधा सुधारने और नई तकनीक पर जोर दे रही है।
- होर्मुज का जिक्र करते हुए कहा कि यह अहम रास्ता है, अगर यहां रुकावट आती है तो भारत में तेल की कीमतों और सप्लाई पर असर पड़ सकता है।
- दुनिया में चल रही अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है। सरकार का फोकस निवेश बढ़ाने, रोजगार के मौके पैदा करने और विकास को आगे बढ़ाने पर है।

ट्रंप ने ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला टाला, बोले- जंग खत्म करने पर वार्ता जारी

दुबई, एजेंसी

- ट्रंप बोले- 5 दिन अटैक नहीं करेंगे पहले दिया था 48 घंटे का अल्टीमेटम
- समझौता होने पर संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की बात कही
- ईरान ने कहा- कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा सोमवार को बढ़ा दी और कहा कि अमेरिका पांच दिन के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल साइट पर युद्ध के समाधान की संभावना भी जताई। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने बातचीत होने से इनकार किया है। कहा कि तेल कीमत घटाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप गुमराह कर रहे हैं।

ट्रंप के रुख में आए बदलाव से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का कुछ समाधान निकलने की उम्मीद जगी है। बाद में, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी दूत एक सम्मानित ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके (ट्रंप के) दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार शाम तक बातचीत की तथा वार्ता जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से बात नहीं की है।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान के साथ कोई समझौता हो जाता है, तो अमेरिका ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप की घोषणा के ठीक बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा, ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे।

हर घटनाक्रम पर भारत की है बारीक नजर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले को पांच दिन के लिए स्थगित करने की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद भारत ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। ट्रंप की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इन घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। जायसवाल ने पश्चिम एशिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के लगातार संपर्क में रहने और नई दिल्ली द्वारा इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

दो और एलपीजी टैंकर होर्मुज पार कर भारत के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज को पार कर गए हैं और दो से ढाई दिन में भारतीय बंदरगाह पर पहुचेंगे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत जलडमरूमध्य को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों जहाज पर लगभग 92,000 टन एलपीजी है।

- विस्तृत कारोबार पर

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज ढहा, 4 की मौत

प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज की गिरी छत।

प्रयागराज, एजेंसी

● अमोनिया गैस का रिसाव होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मची, एक किमी तक फैली गैस, 14 घायल

यहां के गंगा नगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोल्ड स्टोरेज के अचानक ढह जाने से चार श्रमिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 14 श्रमिक घायल हो गए। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया, घायलों का इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल से मलबा हटाकर लोगों की तलाश रही है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि फाफामऊ थाना क्षेत्र में एक कोल्ड स्टोरेज अचानक भर भराकर ढह गया और उससे अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है तथा अग्निशमन विभाग की टीम भी सक्रिय है जो गैस रिसाव रोकने की दिशा में काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में इस घटना पर दुख व्यक्ति करते हुए कहा है, इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ मेरी सहानुभूति है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

शेयर बाजार क्रैश, सेंसेक्स 1,836 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

● युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों के 48.29 लाख करोड़ डूबे

शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट आई और सेंसेक्स 1,837 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी में भी 602 की गिरावट रही।

इसके कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी व रुपये की विनिमय दर में गिरावट को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। सेंसेक्स 1,836.57 अंक यानी 2.46 प्रतिशत टूटकर 72,696.39 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 601.85 अंक यानी 2.60% लुढ़ककर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ। युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों के अब तक 48.29 लाख करोड़ डूब गए।

रुपए ने छुआ 94 का सर्वोच्च स्तर, बाद में स्थिर

मुंबई। पहली बार सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 94 के स्तर को लांघ गया। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आये सुधार के बीच कारोबार के अंत में रुपया 93 .53 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93 .84 पर खुला और पूरे दिन गिरावट में रहा। अंतत : यह पहली बार 94 के स्तर को पार कर गया। बाद में रुपया अपनी गिरावट रोकने में कामयाब रहा और डॉलर के मुकाबले रुपया 93 .53 प्रति डॉलर पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

अधिकारी आत्महत्या मामलाः आप के पूर्व मंत्री भुल्लर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि भुल्लर को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अमृतसर स्थित पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार तड़के जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। वीडियो सामने आया है, जिसमें वह (रंधावा) भुल्लर पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाते दिख रहे हैं। मामले में उनके पिता समेत तीन पर मामला दर्ज है।

आदेश | सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर जताई नाराजगी

अनिल अंबानी बैंक फ्रॉड केस की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच हो

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) व उसकी कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर सोमवार को नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने उन्हें इस मामले में निष्पक्ष, तटस्थ, पारदर्शी और समयबद्ध जांच करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सीबीआई और ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया और सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों को ईडी को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। अंबानी के नेतृत्व वाले एडीएजी की कंपनियों द्वारा कथित तौर पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण धोखाधड़ी मामले की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध करते हुए पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा ने जनहित याचिका दायर की है।

इस पर सुनवाई करते हुए, पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को यह अनुमति दी कि यदि अन्य सरकारी निकाय उन्हें सहयोग देने में अनिच्छा दिखाते हैं तो वे उससे संपर्क कर सकते हैं। सुनवाई की शुरुआत में मेहता ने पीठ को सूचित किया कि एक एसआईटी का गठन किया गया है। जांच एजेंसियों ने अब तक 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

73,000 करोड़ रुपये है धोखाधड़ी की कुल राशि

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम उन्हें यह निर्देश नहीं दे सकते कि किसे गिरफ्तार करना है, लेकिन जांच एजेंसियों की ओर से दिखाई गई अनिच्छा स्वीकार्य नहीं है। उन्हें समयबद्ध तरीके से बताना चाहिए कि क्या पाया गया है। आपकी जांच से पता चलना चाहिए कि क्या किया गया है और इससे न केवल हमें, बल्कि सभी को विश्वास होना चाहिए। पीठ ने जांच एजेंसियों की नयी वस्तु स्थिति रिपोर्ट में सामने आए कुछ तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी वर्तमान में क्रमश : सात और आठ प्राथमिकी की जांच कर रही हैं। पीठ ने यह भी कहा कि 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का निपटारा कथित तौर पर 26 करोड़ रुपये का भुगतान करके किया गया है। पीठ ने कहा कि अनुमान है कि धोखाधड़ी की कुल राशि लगभग 73,000 करोड़ रुपये है। न्यायालय ने कहा, जांच एजेंसियों को इस मामले की तह तक जाना चाहिए। हम सीबीआई और ईडी से आग्रह करते हैं कि जांच को पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से पूरा किया जाए ताकि इसे समयबद्ध तरीके से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सके।

तहसीलों का अधिकार छीनने से खत्म होगा भ्रष्टाचार का खेल

यूपी कैबिनेट के फैसले : भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया होगी सरल, भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका लैंड यूज स्वतः बदल जाएगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब किसी भी भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका लैंड यूज स्वतः बदल जाएगा और इसके लिए अलग से जिलाधिकारी या एसडीएम से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभाग के इस प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी से तहसीलों का जहां अधिकार छिन गया है, वहीं एसडीएम से लेकर लेखपाल स्तर तक होने वाले भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उप्र. राजस्व संहिता, 2006 की धारा-80 में संशोधन के लिए अध्यादेश 2026 को मंजूरी दे दी गई। इस अहम फैसले के तहत विकास प्राधिकरणों, औद्योगिक विकास प्राधिकरणों, विनियमित क्षेत्रों तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अधीन क्षेत्रों में गैर-कृषि उपयोग (लैंड यूज) परिवर्तन की प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया गया है। अब इन क्षेत्रों में अलग से लैंड यूज बदलवाने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि किसी भूखंड का नक्शा प्राधिकरण द्वारा पास हो जाता है, तो उसी को भूमि उपयोग परिवर्तन माना जाएगा। इससे पहले लोगों को दोहरी प्रक्रिया (पहले लैंड यूज परिवर्तन और फिर नक्शा पास कराने) से गुजरना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा। अमृत विचार

क्या बदला, क्या होगा फायदा

पहले क्या था
- लैंड यूज बदलने के लिए अलग से अनुमति जरूरी
- एसडीएम, तहसील और लेखपाल स्तर पर लंबी प्रक्रिया
- महीनों तक फाइल लंबित रहती थी
- दलालों के जरिए अवैध वसूली

अब क्या होगा
- नक्शा पास होते ही स्वतः लैंड यूज बदल जाएगा
- अलग से अनुमति लेने की जरूरत खत्म
- प्रक्रिया पूरी तरह सरल और तेज

सीधा फायदा
- तहसीलों में भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार
- आम लोगों और निवेशकों को राहत
- निर्माण और निवेश परियोजनाओं में तेजी
- पारदर्शिता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि नई व्यवस्था में नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में ही सभी औपचारिकताएं समाहित कर दी गई हैं। इससे न केवल आमजन को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि निवेशकों के लिए भी प्रक्रिया आसान और पारदर्शी बनेगी। इस सुधार से प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योग स्थापना में तेजी आएगी और उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

अब तक की व्यवस्था में किसी कृषि भूमि को आवासीय या व्यावसायिक उपयोग में बदलने के लिए एसडीएम, तहसीलदार और लेखपाल स्तर पर लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। प्राधिकरण क्षेत्र में भू-उपयोग परिवर्तन के लिए मुख्य नगर और ग्राम नियोजक के यहां प्रस्ताव भेजे जाते थे, लेकिन उन पर त्वरित फैसला नहीं हो पाता था। इस दौरान फाइलें महीनों तक लंबित रहती थीं और कई मामलों में बिचौलियों के माध्यम से लाखों रुपये की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आती थीं।

अन्य फैसले

लोक सेवा अधिकरण के पदाधिकारियों की आयु सीमा बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) अधिनियम, 1976 में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अधिनियम की धारा-3(8) के स्थान पर नई उपधारा 3(8)(क) जोड़ी गई है, जिससे अधिकरण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की आयु सीमा में दो साल की बढ़ोत्तरी हुई है। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से अधिकरण में अनुभवी अधिकारियों की सेवाएं अधिक समय तक मिल सकेंगी, जिससे मामलों के निस्तारण में गति आएगी और न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी। इस संशोधन का उद्देश्य प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों में निरंतरता बनाए रखना तथा लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना है।

बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण के क्षेत्र का विस्तार करते हुए 14 नए गांवों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार का मानना है कि इस फैसले से क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और तेजी से हो रहे विस्तार को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। नए गांवों के शामिल होने से इन क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी, बिजली, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ने से औद्योगिक और आवासीय परियोजनाओं को गति मिलेगी, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

ललितपुर मेडिकल कॉलेज को 3250 वर्ग मीटर भूमि मिलेगी मुफ्त

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में ललितपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 3250 वर्गमीटर भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार का मानना है कि इस फैसले से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। मेडिकल कॉलेज के विकास से न केवल क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

चिलुआताल में फ्लोटिंग सोलर प्लांट को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गोरखपुर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम फैसला लेते हुए चिलुआताल में 20 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मानकों के अनुरूप होगी, जिसके तहत शहर की ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा अक्षय स्रोतों से पूरा किया जाएगा। इसके लिए करीब 80 एकड़ जल क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा। परियोजना में पर्यटन विभाग की 28.20 एकड़ भूमि को कोल इंडिया लिमिटेड को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, जो अपने संसाधनों से प्लांट स्थापित करेगी।

सस्ती बिजली की दिशा में बढ़े कदम

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट ने 2242.90 करोड़ लागत से पछवारा साउथ कोल ब्लॉक विकास को भी मंजूरी दी है। इससे घाटमपुर तापीय परियोजना के लिए कोयला उपलब्ध होगा और बिजली उत्पादन लागत में करीब 1 रुपये प्रति यूनिट तक कमी आने की संभावना है, जिससे उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिल सकेगी।

नवयुग पालिका योजना को मंजूरी 58 शहरों का होगा स्मार्ट विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **2916 करोड़ से बदलेगी नगर पालिकाओं की तस्वीर, डिजिटल गवर्नेंस पर जोर**
- **जिला मुख्यालयों के संतुलित विकास से घटेगी क्षेत्रीय असमानता**

अमृत विचार: प्रदेश में संतुलित शहरी विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में "नवयुग पालिका योजना" को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों को स्मार्ट सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिससे नगर निगमों के बाहर के शहरों में भी आधुनिक विकास का लाभ पहुंच सके।

योजना के अंतर्गत 55 नगर पालिका परिषद, 3 नगर पंचायतों तथा दादरी नगर पालिका परिषद को शामिल किया गया है। पहली बार राज्य सरकार ने नगर निगमों से इतर नगरीय निकायों पर फोकस करते हुए उनके समग्र विकास के लिए अलग नीति लागू की है। इस योजना पर अगले 5 वर्षों (2025-26 से 2029-30) में कुल 2916 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। हर वर्ष करीब 583.20 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे, जिसे पूरी तरह राज्य सरकार वहन करेगी।

नवयुग पालिका योजना के तहत डिजिटल गवर्नेन्स, ई-सेवाएं और स्मार्ट तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नागरिक सेवाएं अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेंगी। साथ ही सड़कों, जल निकासी, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक उन्नयन किया जाएगा।

नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि योजना के तहत निकायों को उनकी जनसंख्या के आधार पर दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है, ताकि जरूरत के अनुसार विकास कार्य किए जा सकें। इसके अंतर्गत ऑडिटोरियम, उत्सव भवन, प्रदर्शनी केंद्र, पार्कों का विकास और विद्युत व्यवस्था का आधुनिकीकरण जैसे कार्य भी शामिल हैं। परियोजनाओं के चयन के लिए जनपद और राज्य स्तर पर समितियां गठित की जाएंगी, जो तकनीकी परीक्षण और अनुमोदन के बाद कार्यों को लागू करेंगी।

ग्रेटर नोएडा में 174 एकड़ में बनेगा मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क नीति-2024 के तहत ग्रेटर नोएडा में 174.12 एकड़ भूमि पर मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और 30% फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी उपलब्ध होगी। भूखंड का आवंटन ई-नीलामी मॉडल से किया जाएगा, जिसमें कंपनियां, एलएलपी और साझेदारी फर्म भाग ले सकेंगी। परियोजना के लिए भूमि का रिजर्व प्राइस 11,000 रुपये प्रति वर्गमीटर तय किया गया है। चयनित निवेशक को 7 वर्षों में परियोजना पूरी करनी होगी, जिसमें पहले 3 वर्षों में 40% कार्य अनिवार्य होगा। यह लॉजिस्टिक्स पार्क प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ने, माल ढुलाई लागत कम करने और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रदेश में 'री-यूज वाटर' नीति लागू पेयजल बचाने की बड़ी पहल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश सरकार ने सेफ री-यूज ट्रीटेड वाटर पॉलिसी को मंजूरी देते हुए जल प्रबंधन के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत अब घरों और उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को शोधन (ट्रीटमेंट) के बाद दोबारा उपयोग में लाया जाएगा, जिससे पेयजल संसाधनों पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सके।

प्रदेश में सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्रों में पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए सरकार ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) के माध्यम से शोधित जल के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। नीति के तहत पहले चरण में नगर निकायों के कार्य, निर्माण गतिविधियों, बागवानी और सिंचाई में इस पानी का उपयोग किया जाएगा। दूसरे चरण में इसे उद्योग, कृषि और रेलवे जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित किया जाएगा। वहीं तीसरे चरण में ड्यूल पाइप सिस्टम के जरिए घरों तक गैर-पीने योग्य पानी की अलग आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल स्वच्छ पेयजल की बचत होगी, बल्कि नदियों और जलाशयों में प्रदूषण भी कम होगा। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा की खपत में भी कमी आएगी।

'री-यूज वाटर' नीति की विशेषताएं

*अपशिष्ट जल को ट्रीट कर दोबारा उपयोग
*एसटीपी और एफएसटीपी के जरिए शोधन
*निर्माण, बागवानी और सिंचाई में उपयोग
*उद्योग और रेलवे तक विस्तार
*ड्यूल पाइप सिस्टम से घरों में अलग सप्लाई
*प्रदूषण में कमी
*जल संरक्षण और ऊर्जा बचत को बढ़ावा

अयोध्या, गोरखपुर, रायबरेली, फतेहपुर व मिर्जापुर में लगेंगी यूनिट, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

3540 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को कैबिनेट से मिली मंजूरी, जल्द जारी होगा लेटर ऑफ कंफर्ट

नंद गोपाल नंदी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 3540 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत प्रदेश के पांच जिलों अयोध्या, गोरखपुर, रायबरेली, फतेहपुर और मिर्जापुर में सुपर मेगा श्रेणी की औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के लिए संबंधित कंपनियों को जल्द ही लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जाएगा।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने बताया कि इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। स्वीकृत प्रस्तावों के तहत पक्का लिमिटेड अयोध्या में 676.26 करोड़, गैलेंट इस्पात लिमिटेड गोरखपुर में 765.11 करोड़, रिलायंस सीमेंट कंपनी प्रा. लि. रायबरेली में 550.31 करोड़, डालमिया भारत ग्रीन विजन लिमिटेड फतेहपुर में 776.35 करोड़ और मिर्जापुर में 772.26 करोड़ के निवेश से औद्योगिक इकाइयां स्थापित करेंगी। इसके अलावा कैबिनेट ने जनपद सीतापुर में स्थापित रेडिको खेतान लिमिटेड को 6.88 करोड़ की पूंजीगत सब्सिडी देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

मंत्री नंदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। सरकार हर निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है और एमओयू को अंतिम रूप तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

औद्योगिक इकाइयों को 566.77 करोड़ की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति को मंजूरी

मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देने के लिए 566.77 करोड़ की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति को भी मंजूरी दी है। इसके तहत गोरखपुर की गैलेंट इस्पात लिमिटेड को करीब 244.39 करोड़, जबकि अन्य कंपनियों अंकुर उद्योग, पसवारा पेपर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और अन्य को भी निर्धारित राशि दी जाएगी। इसके अलावा उन्नाव की इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड और गौतमबुद्धनगर की विजन सोर्स एलएलपी को फ्रंट एंड लैंड सब्सिडी के रूप में भी बड़ी राशि स्वीकृत की गई है।

प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर विकसित होंगे आधुनिक पार्क

- **निजी बिजनेस पार्क योजना से औद्योगिक निवेश को मिलेगी रफ्तार, 45 साल की लीज**

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025 को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत आधुनिक प्लग-एंड-प्ले और रेडी-टू-यूज बिजनेस पार्क विकसित किए जाएंगे, जहां वैश्विक कंपनियों के कार्यालय, आरएंडडी सेंटर और संचालन इकाइयां स्थापित की जा सकेंगी।

सरकार का मानना है कि तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में निवेश परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ती है। नई योजना इस समस्या को दूर कर विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण तैयार करेगी, जिससे बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई और स्टार्टअप को भी लाभ मिलेगा। योजना को डीबीएफओटी (डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट, ट्रांसफर) मॉडल पर लागू किया जाएगा, जिसमें निजी डेवलपर पार्क का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगा। प्रत्येक पार्क के लिए कम से कम 10 एकड़ भूमि चिन्हित होगी और इसे 45 वर्ष की लीज पर विकसित किया जाएगा। प्रस्तावों के चयन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी करें मेट्रो परियोजनाएं : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **लखनऊ, कानपुर और आगरा मेट्रो परियोजनाओं की समीक्षा**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश में संचालित मेट्रो परियोजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विश्वस्तरीय शहरी परिवहन व्यवस्था में अग्रणी बनाना सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए निर्माण से लेकर संचालन तक हर स्तर पर पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शहरों की अर्थव्यवस्था को गति देने और निवेश आकर्षित करने का माध्यम भी है। उन्होंने परियोजनाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए नए आय स्रोत विकसित करने पर जोर दिया। इसके तहत स्टेशनों पर रिटेल, फूड कोर्ट, मल्टीलेवल पार्किंग, ऑफिस स्पेस और विज्ञापन जैसे विकल्पों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने मेट्रो परियोजनाओं में मल्टी-मोडल और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देने को कहा, ताकि यात्रियों को निर्बाध यात्रा सुविधा मिल सके। बैठक में लखनऊ, कानपुर और आगरा मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। लखनऊ मेट्रो का 23 किमी कॉरिडोर संचालित है और विस्तार 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। कानपुर मेट्रो के दोनों कॉरिडोर पर तेजी से काम जारी है और शेष कार्य मार्च 2027 तक पूरा होगा। आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1 को जून 2026 और कॉरिडोर-2 को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

मेट्रो सेवाओं के बढ़ते उपयोग से यातायात दबाव कम हुआ है। नॉन-फेयर बॉक्स आय 2024-25 में करीब 222 करोड़ रुपये रही। सीएम ने नियमित मॉनिटरिंग और गुणवत्ता से समझौता न करने के निर्देश दिए।

तीन वर्ष में 57 हजार बीमा सखी तैयार करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **हर ग्राम पंचायत में एक बीमा सखी महिलाओं को मिलेगा रोजगार**

अमृत विचार: प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अगले तीन वर्षों में प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में 57 हजार 'बीमा सखी' तैयार करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी और गांव-गांव तक बीमा सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।

यह पहल भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से संचालित की जा रही है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर "बीमा सखी" बनाया जा रहा है, जो ग्राम स्तर पर बीमा उत्पादों का प्रचार-प्रसार और सेवाएं प्रदान करेंगी। प्रशिक्षण के लिए एलआईसी के ट्रेनिंग सेंटरों के सहयोग से जिला स्तर पर कैलेंडर तैयार किया जा रहा है और परीक्षा में असफल अभ्यर्थियों के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग की भी व्यवस्था की जा रही है।

जनता दर्शन | मुख्यमंत्री ने दिए अधिकारियों को निर्देश, कहा-जवानों व आमजन की शिकायतें समयसीमा में निपटाएं

सैनिकों के परिवार की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए, आपके परिवार की सुरक्षा, सम्मान और देखभाल सरकार की जिम्मेदारी है।

जनता दर्शन में विभिन्न जनपदों से आए सैनिकों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं, जिनमें कई मामले जमीनी विवाद से जुड़े थे। सीएम योगी ने संबंधित प्रार्थना पत्र लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमा और आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए और उनके परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए।

जनता दर्शन में आए सैनिकों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

इसके अलावा जनता दर्शन में पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता और स्थानांतरण से जुड़े कई मामले भी सामने आए। मुख्यमंत्री ने हर प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का निष्पक्ष और नियमानुसार निस्तारण किया जाए। आर्थिक सहायता से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि इलाज के लिए अस्पताल से अनुमान (एस्टिमेट) तैयार कर आवेदन करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी भी मरीज का इलाज नहीं रुकेगा, सरकार हर संभव मदद करेगी।

अखिलेश के हाथ नहीं आएगी सत्ता, सपा पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **केशव मौर्य बोले, अखिलेश यादव जहां जाते हैं, वहीं हार तय**

- **ब्रजेश पाठक का तंज, सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली**

अमृत विचार: कैबिनेट बैठक के बाद प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने साफ कहा कि अखिलेश यादव के हाथ प्रदेश की सत्ता कभी नहीं आएगी।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस तरह बिहार में उनके प्रचार के बावजूद तेजस्वी यादव चुनाव हार गए, उसी तरह पश्चिम बंगाल में भी अखिलेश के समर्थन से ममता बनर्जी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश जहां भी जाते हैं, वहां हार तय हो जाती है। मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा का मतलब ही कानून-व्यवस्था को कमजोर करना रहा है।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का हाल वही है, सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा था और जनता अब सब कुछ देख चुकी है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि मौजूदा सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। प्रदेश में आधारभूत संरचना मजबूत हुई है, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

षष्ठम कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती शक्तिद्ध के नौ रूपों में छठवां रूप हैं। कात्यायनी अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शाकुम्भरी व ईश्वरी इन्हीं के अन्य नाम हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी शामिल हैं में भी प्रचलित हैं। देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र...

माँ कात्यायनी: क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नम:

न्यूज ब्रीफ

मोहन भागवत आज जीवन दीप आश्रम का उद्घाटन करेंगे

मथुरा, एजेंसी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को वृंदावन में जीवन दीप आश्रम का उद्घाटन करेंगे। आश्रम के प्रमुख महामंडलेश्वर यतीन्द्रानंद गिरि ने कहा, "मैं आरएसएस के साथ जुड़ा रहा हूं। यह मेरा परिवार है। चूंकि वह (भागवत) इस परिवार के मुखिया हैं, इसलिए मैंने उनसे इस आश्रम का उद्घाटन करने का आग्रह किया।

स्लीपर बस डिवाइडर' से टकराई, महिला की मौत, 37 घायल

उन्नाव, एजेंसी : जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह एक स्लीपर' बस के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि लगभग 37 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा बांगरमऊ क्षेत्र में नसिरापुर गांव के पास उस समय हुआ जब लखनऊ की ओर जा रही यह बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग से टकरा गई। पुलिस का कहना है कि टक्कर इतनी तेज थी कि बस का इंजन अलग होकर एक्सप्रेस-वे के नीचे जा गिरा।

देश विरोधी पोस्ट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले में मीरापुर थानाक्षेत्र के संभलहेड़ा गांव में सोशल मीडिया पर राष्ट्रविरोधी सामग्री पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार युवक की पहचान शानू मलिक के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने आज यहां पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने शानू मलिक के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

दो गुटों में हिंसक झड़प में 10 घायल, 16 गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले में रतनपुरी क्षेत्र के रियावली नगला गांव में एक मामूली विवाद पर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प में 10 लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने बताया कि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। न्होंने बताया कि एक वाहन को लेकर दो व्यक्तियों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान दोनों पक्षों ने कथित तौर पर पत्थर फेंके और लाठियों से एक-दूसरे पर वार किया, जिससे कई लो

पुलिस के सामने दो भाइयों ने बहन के सिर में मारी गोली

सहारनपुर : 4 दिन पहले प्रेमी संग छोड़ा था घर, हालत गंभीर

सहारनपुर, एजेंसी

चार दिन पहले प्रेमी के साथ घर छोड़ने वाली युवती को उसके भाइयों ने पुलिस के सामने ही गोली मार दी। युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। दूसरी ओर बहन को गोली मारने के बाद दोनों भाई मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घायल युवती को फतेहपुर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने नाजुक हालत देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर का कर दिया।

पुलिस के अनुसार गांव रामखेड़ी निवासी राखी (25) गांव मौहम्मदपुर कंधेला निवासी लवकुश के साथ चली गई थी। पुलिस ने उसे बरामद कर लिया था। पुलिस अभिरक्षा में उसे मेडिकल के लिए ले जाया जा रहा था, तभी भाइयों ने फायरिंग कर दी। फतेहपुरी सीएचसी पर मेडिकल के लिए लायी गई गांव रामखेड़ी निवासी राखी (25) को पुलिस अभिरक्षा में उसके दो सगे भाइयों मोंटी और रवि ने गोली मार दी। उस समय कार में एक एसआई और एक महिला पुलिसकर्मी भी बैठे हुए थे।

> युवती को उसके सगे भाई मोंटी और रवि ने गोली मारी है। वहां पर मौजूद एसआई ने साहस का परिचय देते हुए उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन हमलावर भाग निकले। उनकी तलाश में पुलिस की चार टीमें गठित कर दी गई हैं।
> – **अभिनन्दन सिंह**, एसएसपी सहारनपुर

राखी 16 मार्च की सुबह लापता हो गई थी। भाई रवि ने फतेहपुर थाने पर 17 मार्च को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था कि उसकी बहन को पास के गांव मौहम्मदपुर कंधेला निवासी लवकुश अपने साथी गोविंद के साथ बहला-फुसला कर ले गया है। युवती राजपूत तथा युवक जाट बिरादरी से है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी। सोमवार सुबह राखी को कोई थाने के बाहर छोड़कर चला गया। बताया जाता है कि पुलिस ने उसके परिजनों को बुलाया, जिनके साथ जाने से युवती ने मना कर दिया था। पुलिस ने युवती के थाने में बयान लिए। इसके बाद दोपहर ढाई बजे राखी का मेडिकल कराने पहुंची। करीब साढ़े तीन बजे मेडिकल के बाद एसआई विजयपाल सिंह अपनी निजी कार से राखी को सहारनपुर लेकर जा रहे थे। वह कार की चालक सीट और पीछे राखी और महिला कांस्टेबल प्रीति बैठी ही थी तभी राखी के भाई रवि और मोंटी वहां पहुंचे। उन्होंने कार के शीशे पर सटाकर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चलाई। इसमें एक गोली राखी के सिर में जा लगी।

दरोगा विजयपाल सिंह ने भाग रहे दोनों हमलावरों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह हाथापाई करके भाग गए। एक हमलावर दीवार फांदकर तथा दूसरा मुख्य गेट के रास्ते भागा। इसके बाद थाने से फोर्स बुलाई गई और राखी को सहारनपुर के निजी अस्पताल भर्ती कराया गया। पुलिस को मौके से तीन खोखे मिले हैं। बताया जा रहा है कि युवती ने अपने प्रेमी से शादी भी कर ली है।

पीटीआर : वन वॉचरों को सात महीने से नहीं मिला मानदेय

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में लगे 240 वन वॉचरों एवं अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पिछले सात माह से मानदेय नहीं मिल सका है। इससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में टाइगर रिजर्व प्रशासन ने बजट मिलता न देख अब टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन से इन सभी दैनिक भोगी कर्मचारियों को मानदेय देने का निर्णय लिया है। डिप्टी डायेक्टर ने उच्चाधिकारियों से मिले दिशा निर्देश के बाद फाउंडेशन से इन सभी को मानदेय देने को हरी झंडी दे दी है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में करीब 240 वन वॉचर समेत अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी तैनात है। दिन-रात जंगलों के भीतर अपनी जान-जोखिम में डालकर ड्यूटी करने वाले इन वाचरों को मात्र 9,634 रुपये ही प्रति माह मानदेय दिया जाता है। इन वन वॉचरों को पूर्व में कई-कई माह बीत जाने के बाद भी मानदेय नहीं मिल रहा है। ऐसे में वन वॉचरों को मानदेय न मिल पाने के कारण तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में महिला समेत दो गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी

प्रदेश पुलिस ने कथित तौर पर दुबई के रास्ते पार्सल से और व्हाट्सएप नंबरों के जरिए इस देश की गोपनीय जानकारियां पड़ोसी देश पाकिस्तान को उपलब्ध कराने को लेकर एक महिला समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और एक किशोर को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां रविवार को की गईं। उसने बताया कि इससे पहले महिलाओं समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया और नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि आज गिरफ्तार किये गये लोगों की पहचान मथुरा की मीरा ठाकुर (28) और हरियाणा के फरीदाबाद के नौशाद अली (20) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार नौशाद मूल रूप से बिहार का है जबकि तीसरा संदिग्ध एक नाबालिग है। अपर पुलिस आयुक्त राजकरण नैयर ने सोमवार को बताया कि जासूसी में संलिप्त यह गिरोह सरदार उर्फ जोरावर सिंह नामक व्यक्ति को गोपनीय सूचना भेज रहा था, जोरावर सिंह पाकिस्तान से एक जासूसी रैकेट चलाता है।

पकड़े गए आरोपी।

इस जासूसी रैकेट का भंडाफोड़ 13 मार्च को किया गया था और मीरा एवं सुहैल पिछले कई वर्षों से साथ साथ काम कर रहे थे। पूछताछ के दौरान मीरा ने बताया कि वह फेसबुक के जरिए सुहैल से मिली जिसके बाद वह इस गिरोह में शामिल हुई। मीरा को दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा 2025 में हथियारों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार मीरा ने यह भी कहा कि वह मुंबई पुलिस की मुखबिर थी।

- **पुलिस इससे पहले 12 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है**

नौशाद ने पुलिस को बताया कि वह अन्य आरोपियों से विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिए जुड़ा और वह पाकिस्तान में सरदार के सीधे संपर्क में था। उसने कबूल किया कि उसने सुरक्षा, पुलिस प्रतिष्ठानों और दिल्ली और अन्य राज्यों में रेलवे स्टेशनों की रेकी की थी और वह फोटो एवं वीडियो आगे बढ़ा रहा था। पुलिस के अनुसार भारत में यह गिरोह बिजनौर निवासी सुहैल उर्फ रोमियो चला रहा था तथा उसने गिरोह के अन्य सदस्यों की भर्ती की थी। पुलिस का कहना है कि सुहैल हर सूचना के लिए 5,000 रुपये दे रहा था तथा वह पंजाब के जरिए पाकिस्तान से मनी ट्रांसफर सेंटरों एवं दुकानदारों के खातों में धन प्राप्त कर रहा था ताकि कोई उस पर संदेह ना कर सके। हिरासत में लिए गए नाबालिग लड़के ने बताया कि उसने दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए थे। इस गिरोह को कम पढ़े लिखे हिंदू नाबालिग लड़कों को भर्ती करने का निर्देश था।

डीआईजी पर हमले के 16 आरोपी दोषी करार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **27 मार्च को सुनाई जाएगी सजा मुरादाबाद में 2011 में सैकड़ों की भीड़ ने किया था पुलिस टीम पर हमला**

अमृत विचार : मैनाठेर क्षेत्र के गांव असालतनगर बघा में 15 वर्ष पूर्व हुए बहुचर्चित पुलिस हमले के मामले में एडीजे-2 न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश कृष्ण कुमार की अदालत ने 16 आरोपियों को दोषी करार दिया है। सभी दोषियों को 27 मार्च को सजा सुनाई जाएगी।

घटना छह जुलाई 2011 की है। पुलिस टीम एक युवती से छेड़खानी के आरोपी को गिरफ्तार करने गांव पहुंची थी। इस दौरान पुलिस पर कुरान की बेहुरमती का आरोप लगाकर भीड़ ने बवाल कर दिया। लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जिसमें तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार समेत करीब 18 लोग घायल हो गए थे। डीआईजी किसी तरह जान बचाकर पेट्रोल पंप की कोठरी में छिप गए थे। कोठरी को तोड़ने का भीड़ ने प्रयास किया था और दरवाजे पर गोलियां भी बरसाई थीं। पुलिस फोर्स उन्हें वहां से निकालकर लाई। हमलावरों ने डीआईजी को मृत समझकर उनकी पिस्टल तक लूट ली और मौके से फरार हो गए थे। गंभीर रूप से घायल डीआईजी का लंबे समय तक उपचार चला। 19 आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की गई। इनमें से दो आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि एक नाबालिग पाए जाने पर उसकी फाइल अलग कर दी गई। सोमवार को सुनवाई के दौरान 14 आरोपी पेश हुए, जिन्हें दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया गया। दो अन्य दोषी पेश नहीं हुए, जिनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

आयोजन

उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देहरादून में सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पारंपरिक परिधान पहने महिलाएं। • एजेंसी

चंदौली के एसडीएम, परिवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रतापगढ़/चंदौली, एजेंसी

चंदौली में तैनात एक उप जिलाधिकारी (एसडीएम) और उनके परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ दहेज के लिए पत्नी को कथित तौर पर परेशान करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि एसडीएम की पीड़िता पत्नी स्वयं भी उप जिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। सर्किल अधिकारी प्रशांत राज हुदा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रतापगढ़ के महिला पुलिस स्टेशन में एसडीएम अनुपम मिश्रा और अन्य के खिलाफ 17 मार्च को मामला दर्ज किया गया था, और यह मामला महिला अधिकारी के पिता निशाकांत ओझा की शिकायत पर आधारित है।

- **पीड़िता पत्नी स्वयं भी उप जिलाधिकारी के पद पर हैं तैनात**

मिश्रा की मां ने अलीनगर पुलिस स्टेशन में अपनी बहू पर मारपीट का आरोप लगाते हुए जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। स्टेशन हाउस ऑफिसर अनिल कुमार पांडे ने बताया कि शिकायत 21 मार्च को प्राप्त हुई थी और दावे की जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। निशिकांत ओझा ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी दिव्या ओझा का विवाह प्रयागराज के रहने वाले और एसडीएम अनुपम मिश्रा के साथ एक दिसंबर, 2020 को हुआ था। ओझा ने अपनी शिकायत में दावा किया कि मिश्रा के बैंक खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे, और शादी के समय 28 लाख रुपये नकद, 40 लाख रुपये के गहने और सात लाख रुपये का घरेलू सामान दिया गया था।

फारसी में लिखे रामायण की पांडुलिपि उपलब्ध होगी

अयोध्या, एजेंसी: रामपुर रजा पुस्तकालय 17वीं शताब्दी में फारसी में लिखे गये रामायण की पांडुलिपियां अयोध्या के अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय को उपलब्ध कराएगा। ये दुर्लभ पांडुलिपियां जहांगीर के शासनकाल में मुल्ला मसीह पानीपती द्वारा फारसी में अनुवादित हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण कृति- किस्सा-ए-राम सीता है जिसे 1825 में अहमद खान गफलत द्वारा रची गई थी।

रजा पुस्तकालय में विभिन्न भाषाओं में 17,000 दुर्लभ पांडुलिपियां और 83,000 छपी हुई पुस्तकें मौजूद हैं । इसके अलावा, यहां रामायण की 13 पांडुलिपियां और आठ पुस्तकें उपलब्ध हैं जो सैकड़ों वर्षों पहले की हैं।

दातागंज तहसील में अधिवक्ता ने किया आत्मदाह का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : तहसीलदार के व्यवहार से परेशान होकर एक अधिवक्ता ने दातागंज तहसील में आत्महाद का प्रयास किया। आसपास मौजूद अधिवक्ताओं ने उनके हाथ से पेट्रोल भरी बोतल छीन ली। बार वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

अधिवक्ता आशा दीक्षित ने बताया कि वह और उनके जूनियर व अन्य अधिवक्ता तहसीलदार के चैंबर में काम से गए थे। आरोप है कि वहां तहसीलदार ने उनके साथ अभद्रता की। उनके ऊपर हाथ भी चलाया। जिसको लेकर उन्होंने 28 फरवरी को प्रार्थना पत्र दिया था।

महिला अधिवक्ता से पेट्रोल भरी बोतल छीनते साथी वकील।

इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते अधिवक्ता लगातार बहिष्कार कर रहे हैं। किसी भी अधिकारी ने उनसे बात तक नहीं की जिसके चलते वह आत्मदाह करने की चेतावनी भी दी थी। वह सोमवार को आत्मदाह करने तहसील पहुंची थीं। तहसीलदार का स्थानांतरण नहीं हुआ तो जान दे देंगी।

मत्स्य निरीक्षक 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बरेली यूनिट ने शाहजहांपुर तहसील सदर में छापेमारी कर वरिष्ठ मत्स्य निरीक्षक को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। बरेली का रहने वाले आरोपी निरीक्षक पूरनलाल ने विभाग में रजिस्ट्रेशन के नाम पर वसूली की थी। एंटी करप्शन यूनिट की कार्रवाई के समय शाहजहांपुर में तहसील दिवस का आयोजन हो रहा था। डीएम और एसपी समेत कई अधिकारी तहसील सभागार में जनसमस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने रिश्वत लेते दबोच लिया।

तेंदुआ पिंजरे में कैद, दो शावक भी मिले

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: जिले में लंबे समय से तेंदुए की दहशत के बीच वन विभाग को सफलता हाथ लगी है। क्षेत्र के नयागांव में मादा तेंदुआ भी पिंजरे में कैद कर लिया गया है । दो शावक भी मिले हैं। हालांकि, तेंदुआ पकड़े जाने के बाद भी ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि इलाके में अभी और तेंदुए भी हो सकते हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से लगातार कॉबिंग और तेंदुओं को पकड़ने की मांग की है।

यह घटना थाना नौगावां सादात क्षेत्र के गांव नयागांव की है। दरअसल पिछले कई महीनों से नौगावां क्षेत्र में तेंदुए की दहशत बरकरार है। कभी नहर किनारे तो कभी सड़क पर तेंदुआ दिखने से ग्रामीण खौफ के साए में जी रहे हैं।

पिंजरे में कैद तेंदुआ।

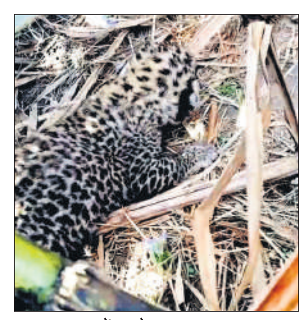

तेंदुए के शावक।

वहीं रविवार शाम को नयागांव में किसान खेत पर काम कर रहे थे इसी दौरान किसान गौरव चौधरी के खेत में काम कर रहे लोगों ने खेत में तेंदुए के दो शावक देखे। शावकों को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया। टीम ने शावकों को पिंजरे के पास ही सुरक्षित छोड़ दिया, ताकि उनकी मां को आकर्षित किया जा सके।

सोमवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि पिंजरे में एक तेंदुआ कैद है। इसके बाद तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने पिंजरे में कैद तेंदुआ को अपने कब्जे में ले लिया।

पूरा हो रहा देवभूमि का गौरव पुनर्स्थापित करने का संकल्प

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- **सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम में बोले पुष्कर सिंह धामी**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित जन-जन की सरकार चार साल बेमिसाल, उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर उत्तराखंड समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने 401.86 करोड़ रुपए की लागत से 74 विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया जिसमें 99.44 करोड़ रुपए की 33 योजनाओं का शिलान्यास और 302.42 करोड़ की 41 विकास योजनाओं के लोकार्पण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथक तोड़कर उन्हें पुनः राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया था। इसके बाद इसी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वे गर्व से कह सकते हैं कि वे संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। सीएम ने कहा कि, प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया है।

पत्नी को ठगकर एक साल से फरार पति हुआ गिरफ्तार

हल्द्वानी, अमृत विचार : पत्नी को ठग कर एक साल से फरार चल रहे पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने बिना पत्नी की जानकारी के उसके नाम पर 10 लाख रुपये का लोन ले लिया था। मामला खुला तो, पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया और पति तभी से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे उसकी बहन और जीजा के घर से गिरफ्तार किया है।

मंडी पुलिस चौकी क्षेत्र में रहने वाली यशा तेजवानी से संदीप गोयल नाम के व्यक्ति ने लव मैरिज की थी। यशा का कहना है कि वर्ष 2023 में संदीप ने उसके नाम से आगरा के कमला नगर से 10 लाख रुपये का लोन लिया था और इस बात की जानकारी उसे थी ही नहीं। बैंक से रिकवरी के लिए फोन आने लगे तब पता कि संदीप ने धोखे से यशा से कई कागजों पर हस्ताक्षर कराए और लोन ले लिए।

श्री राम मंदिर

रामनवमी पर दोपहर 12 बजे चार मिनट तक सुशोभित होगा ललाट, होगा लाइव प्रसारण

सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का तिलक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में रामलला के जन्मोत्सव पर विधि-विधान पूर्वक वैदिक मंत्रों के साथ अभिषेक का आयोजन किया जाएगा। सुबह 9 बजे पुजारियों का दल षोडशोपचार पूजन के साथ अभिषेक संपन्न करेगा। जिसके बाद रामलला का दूध, दही, पंचामृत, सरयू का जल, गंधोधक और सुगन्ध द्रव्य से अभिषेक किया जाएगा। दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की किरणें रामलाला के ललाट (माथे) पर तिलक करेंगी। जिसका लाइव प्रसारण किया जाएगा।

राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को बताया कि रामनवमी पर 27 मार्च को दोपहर 12 बजे भगवान सूर्य अपने कुल में पैदा होने वाले बालक श्रीरामलला

को तिलक करेंगे। सूर्य की किरणें चार मिनट के लिए उनके ललाट पर आएंगी। कहा कि इसरो की संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स रुड़की ने आकाश की गतिविधियों का अध्ययन किया है कि सूर्य की किरणें कैसे आएंगी। इसके लिए संस्था ने सफल प्रयोग किया। जिसके आधार पर बेंगलुरु की संस्था ऑप्टिका ने यंत्र को तैयार किया। जिसे राम मंदिर पर लगाया गया हैं।

उन्होंने वैज्ञानिकों के प्रयोग की जानकारी देते हुए बताया कि पृथ्वी और सूर्य की अवस्था हर पल बदलती है। इस यंत्र को भी इसी तरह से लगाया गया है कि रामनवमी के दिन यह यंत्र अवस्था के अनुरूप काम करे। ऑप्टिका संस्था ने अपने यंत्रों का अध्ययन कर लिया है। कहा कि यंत्रों के माध्यम से सूर्य की किरणें प्रवर्तन होते हुए गर्भगृह में पहुंचेगी। कहा कि वैज्ञानिकों के द्वारा लगाया गया उपकरण आधुनिक तकनीक से लैस है। कहा कि 19 वर्षों बाद सूर्य और पृथ्वी फिर उस स्थिति में होंगे, जिस स्थिति में वर्ष 2024 की रामनवमी के अवसर पर थे।

मथुरा से श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रसाद भेजा गया

मथुरा, एजेंसी : मथुरा से सोमवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि द्वारा अयोध्या धाम स्थित श्रीराम जन्मभूमि के लिए भव्य प्रसाद रवाना किया गया। गाजे-बाजे और भक्ति संगीत के बीच निकली शोभायात्रा ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। सुबह करीब 10 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर से सुसज्जित वाहन में प्रसाद को विधिवत पूजन-अर्चन के बाद रवाना किया गया। इस अवसर पर 11 मन धनिया की पंजीरी, सवा मन लड्डू, पंचमेवा, फल, भगवान श्रीराम के लिए वस्त्र-श्रृंगार तथा अन्य सुगंधित सामग्री भेजी गई। प्रसाद यात्रा अन्न सेवा धाम से प्रारंभ होकर केशव देव मंदिर और भागवत भवन होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान राधा-कृष्ण के सजीव स्वरूपों के साथ श्रद्धालु भी शामिल हुए।

नाबालिग छात्र के साथ मदरसा शिक्षक ने किया कुकर्म, आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, एजेंसी: जिले के शाहपुर कस्बे में 11 साल के एक मदरसा छात्र के साथ 70 वर्षीय उसके शिक्षक ने कथित रूप से दुष्कर्म किया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने यहां पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने मदरसा शिक्षक इकबाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद की, जिसमें शिक्षक पीड़ित लड़के के साथ दुष्कर्म करते हुए नजर आ रहा है। पीड़ित छात्र के परिवार द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उनका लड़का मदरसा का छात्र है और उसके शिक्षक ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर से पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

फैक्ट्री जा रहे मजदूर पर डीसीएम पलटी, मौत

हाईवे पर तेज रफ्तार गाड़ी के डगमगाने से हुआ हादसा

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचारः सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में फैक्ट्री ड्यूटी पर जा रहे एक मजदूर की जान चली गई। तेज रफ्तार डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई, जिसकी चपेट में आने से युवक वाहन के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक किशनपाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तमगंज मोहल्ला निवासी किशनपाल (32) पुत्र रामदास सोमवार सुबह रोज की तरह हुलासनगरा स्थित एक निजी फैक्ट्री में ड्यूटी के लिए निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जैसे ही वह हाईवे पर गुप्ता होटल से आगे श्मशान मार्ग के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार डीसीएम अचानक डगमगाने लगी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और डीसीएम तेज धमाके के साथ सड़क किनारे पलट गई।इसी दौरान वहां से गुजर रहे किशनपाल वाहन की भारी बॉडी के नीचे दब गए। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और युवक को निकालने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद जब उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। जवान बेटे का शव देख परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि डीसीएम को कब्जे में ले लिया गया है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का असंतुलन माना जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक कांटे में करंट आने से महिला की मृत्यु

संवाददाता, राजपुर कलां :

अमृत विचार : थाना अलीगंज के गांव रोहतापुर की जसोदा देवी (65) सोमवार दोपहर पड़ोस की दुकान पर घरेलू सामान लेने गई थी। वहां रखे इलेक्ट्रानिक तराजू में उनका हाथ छू गया। तराजू में तेज करंट आने से वह उसकी चपेट में आ गई उन्हें बचाने के लिए दुकानदार की मां ने तराजू खींचा तो उन्हें भी जोर का करंट लगा। लेकिन इस दौरान जसोदा देवी की मौत हो गई।

जानकारों ने बताया कि जिस समय जसोदा देवी बंटी की दुकान पर पहुंची उस समय तराजू बिजली बोर्ड में लगे चार्जर से चार्ज हो रहा था। हाथ छूने से उन्हें करंट लगा उन्हें छुड़ाने के लिए बंटी की मां राम सनेही ने तराजू को हटाया तो वह भी झुलस गईं साथ ही बोर्डसे चार्जर भी हट गया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। कुछ देर में तमाम ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गये।

ग्रामीणों ने बताया कि पोल से 11 हजार की लाइन जा रही है। इसका एक तार पोल में छूने से कई घरों में हाई वोल्टेज से बिजली उपकरण फुंक गये हैं।

लाइन के करंट से युवक झुलसा

मऊचन्दपुर अमृत विचार : आंवला फीडर से पूननापुर फीडर जा रही लाइन 33 केवी लाइन की चपेट में आकर मऊचंदपुर निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए बरेली रेफर किया गया है। मऊचंदपुर निवासी नदीम (20) वेल्डिंग का काम करता है। सोमवार को ही कस्बे में ही हब्बू की टीन डालने का काम कर रहा था। दोपहर में 33 केवी लाइन के पास वेल्डिंग का काम करते समय युवक तार की चपेट में आ गया और झुलस गया।

एकजुटता, संगठन मजबूती पर जोर

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : कस्बा स्थित स्वर्ण पैलेस में पूर्व जिला अध्यक्ष इंजीनियर अगम मौर्य द्वारा होली एवं ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सपा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एकजुटता का संदेश दिया।

प्रदेश सचिव शुभलेश यादव ने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को चिन्हित कर उनका खुलकर विरोध किया जाए। विधायक अताउर रहमान ने पीडीए समाज से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व जिला अध्यक्ष अगम मौर्य ने कहा कि होली और ईद आपसी प्रेम और भाईचारे के पर्व हैं। घोषित प्रत्याशी को जी जान से लड़ाने की बात कही।

इस दौरान निवर्तमान जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप, डॉ. जीराज यादव, बी.डी. वर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. इंद्रपाल सिंह, नगर अध्यक्ष मशकूर खान, इरशाद अली, अमन मौर्य, हाजी शब्बीर, विकार अली गुड्डू, सत्येंद्र सिंह यादव, रईस अहमद, रामदीन सागर, विपिन यादव आदि रहे।

मंच पर बोलते विधायक अताउर रहमान व मंचासीन नेता। ● अमृत विचार

अशोक बने मीरगंज बार के अध्यक्ष

मीरगंज, अमृत विचारः तहसील बार एसोसिएशन की वार्षिक चुनाव प्रक्रिया सोमवार देर शाम संपन्न हो गई।

मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर अशोक उपाध्याय , महासचिव पद पर हरीश कुमार लाखा ने जीत दर्ज की। इसके अलावा ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मवीर , उपाध्यक्ष अरविंद कुमार प्रथम , कोषाध्यक्ष पद पर मोर सिंह कोरी जीते। आडिटर पद पर अरविंद कुमार द्वितीय, सह सचिव प्रेमपाल मौर्य व राजवीर सिंह को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सोमवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान प्रक्रिया चली। इस दौरान 86 में से 84 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। इसके बाद मतगणना कर चुनाव परिणाम घोषित किया। अध्यक्ष पद पर अशोक कुमार उपाध्याय को 43 , हबीबुल खान को 38 वोट मिले।

महासचिव हरीश कुमार लाखा को 40 ,अशोक कुमार को 37 वोट मिले। इसी तरह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर धर्मवीर को , उपाध्यक्ष पद पर अरविंद कुमार प्रथम को निर्वाचित किया गया। चुनाव परिणाम की घोषणा चुनाव अधिकारी देवेश कुमार शर्मा व सहायक चुनाव अधिकारी जयदीप ने संयुक्त रूप से की।

नवनिर्वाचित टीम को निवर्तमान टीम सहित पूर्व अध्यक्ष ओमपाल शर्मा, सुनील गंगवार , मुराद बेग ,नावेद खां ,देवेश शर्मा, अंकुर गंगवार,दिनेश चंद्र सक्सेना,राजपाल, प्रेमपाल मौर्य,रईस अंसारी, खलीक अहमद आदि अधिवक्ताओं ने निर्वाचित नवीन कमेटी को बधाई दी।

मीरगंज में बार एसोसएशिन के नवनिर्वाचित सदस्यों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया

प्रशिक्षण में लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

आंवला, अमृत विचारः डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, आंवला में रोवर्स-रेंजर्स कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष बौद्धिक सत्र का आयोजन किया । कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि हुई। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महाराणा प्रताप सिंह ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ऐसे आयोजनों की उपयोगिता पर बल दिया और उन्हें निरंतर आत्मविकास के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. विवेक कुमार ने किया। इस अवसर पर विनोद कुमार, सुनील कुमार सिंह, कमल एवं विशाल वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में करंट लगाने वाले किसान को भेजा जेल

भमोरा, अमृत विचार : शौच को गए युवक की खेत में लगाए गए करंट से हुई मौत के मामले में तीसरे दिन आरोपी किसान को गिरफ्तार कर भेजा जेल भेजा। शनिवार पत्नी के साथ शौच को गए रिंकू की फसल की रखवाली के लिए खेतों मे लगे प्रतिबंध तार के करंट की चपेट मे आने मौत हो गई थी। पत्नी शीला ने किसान चंद्रपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था सोमवार सुबह चंद्रपाल को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बाइक-टैंकर भिड़ंत में युवक घायल

आंवला, अमृत विचार। सोमवार को बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव निवासी हफीज अहमद अपनी मामी यासीन के साथ आंवला जांच कराने आए थे। लौटते समय वजीरगंज अड्डा के पास बाइक अनियंत्रित हो कर टैंकर से टकरा गई। इससे वह घायल हो गईं।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाह्जहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
NABH PRE ACCREDITED
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम आधार कार्ड व पैन कार्ड में अंग्रेजी के अक्षरों में Mohammad Kashan था। मेरे पासपोर्ट में भी अग्रेजी अक्षरों में Mohammad Kashan हो गया है। जो कि गलत है। अब मैंने अपने आधार कार्ड व पेन कार्ड में अपने नाम के अंग्रेजी अक्षरों में Mohmmad Kashan संशोधन/स्पेलिंग ठीक करा ली है। मोहम्मद काशान Mohmmad Kashan पुत्र श्री शकील अहमद Shakeel Ahmad निवासी मो. अगबाड़ा कस्बा शीशगढ़ तहसील मीरगंज जिला बरेली (उ.प्र.)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2021 अनुक्रमांक 210914019 एवं इंटरमीडिएट वर्ष 2023 अनुक्रमांक 2235785794 के अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। काफी तलाशने के बााद अभी तक नहीं मिले। दिपांशु मिश्रा पुत्र श्री रमेश चन्द्र निवासी बरखेड़ा कला पीलीभीत

NOTICE
This is to inform the general public that I, Amit kumar Gupta, Resident of mohalla Laxmi Nagar, Khudaganj, Tilhar shahjahanpur, uttar pradesh, have change the name of my son from Pratush Gupta to Pratyush Gupta.

सूचना
मेरा नाम सैयद अब्दुस सुबहान अली पुत्र फजले हक ग्राम कल्लिया तह आंवला जिला बरेली हैं। मेरे हाईस्कूल अंक तालिका में मेरा नाम सैयद अब्दुस सुबहान अली (SYEDABDUS SUBHAN ALI) है। अंग्रेजी में स्पेश नहीं है। जो गलती से दर्ज हो गया है। भविष्य में मुझे मेरे आधार कार्ड के अनुसार सैयद अब्दुस सुबहान अली (SYED ABDUS SUBHAN ALI) नाम से जाना जाए।

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5,6,7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

RAM MURARI PUBLIC SCHOOL (SEN. SEC.)
Meeranpur Katra, Shahjahanpur
We are hiring
- *PGT Physics*
- *PGT English*
- *Primary Teacher's*

Interested candidates may send their resume on
rammuraripublicschool@gmail.com or 6398020476

सूचना आम
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मूल बैनामा आराजी क्षेत्रफल 86.12 वर्गमीटर जो खसरा नं0 423 का भाग वाके सुर्खा छावनी बाहर चुंगी बरेली जिसका पंजीकरण दिनांक 19/05/1999 को फोटो स्टेट प्रति पुस्तक सं0 1, खण्ड 712 पृष्ठ 173 से 190 पर क्रमांक 1499 पर उपनिबन्धक कार्यालय बरेली में श्रीमती नत्थो देवी पत्नी हीरालाल (मुख्त्यारेआम छेदा लाल पुत्र तोताराम) द्वारा यशपाल सिंह पुत्र इन्द्रपाल सिंह के हक में हुआ था। जिसे बाद में उपरोक्त यशपाल सिंह ने उक्त सम्पत्ति को अनीता पत्नी अजय कुमार को विक्रय कर दिया वास्तव में कही खो गया हैं। जिसे अब श्रीमती कंचन पत्नी राहुल मौर्य व राहुल मौर्य पुत्र बांके लाल उक्त अनीता पत्नी अजय कुमार से खरीद रहे है और एल0आई0सी0 एच0एफ0एल0 बरेली से ऋण ले रहे है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिवस में निम्न को दर्ज कराये । रमेश चन्द्र पाठक सूचीबद्ध अधिवक्ता एल0 आई0सी0एच0एफ0एल0 बरेली 9219511984, 9412677072

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

मीरगंज से पांच ड्रम डीजल बरामद

मीरगंज, अमृत विचार : सोमवार को डीजल का अवैध भंडारण करने की सूचना पर एसडीएम ने आपूर्ति विभाग एवं पुलिस की टीम के साथ गांव नगरिया कल्यानपुर में एक ग्रामीण के घर छापा मारा। टीम ने ग्रामीण के घर से डीजल जैसे तरल पदार्थ के पांच ड्रम बरामद किए। एसडीएम अलोक कुमार ने बताया आपूर्ति विभाग मामले की जांच कर रहा है। जांच रिपोर्ट मिलने पर उचित कार्रवाई की जायेगी। टीम को मौके पर एक हजार लीटर ड्रमों में भरा मिला। जिसमें काश्तकार कृषि वाहन में इस्तेमाल होने के लिए 800 लीटर के चार वाहनों के पेपर दिखा सका। 200 लीटर डीजल के पेपर नहीं दिखा सका।

ब्लॉक में खुली प्रेरणा कैंटीन

बहेड़ी, अमृत विचार : ब्लॉक बहेड़ी में सोमवार को प्रेरणा कैंटीन का शुभारम्भ हुआ। प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख अमरिंदर सिंह गोल्डी ने किया। खंड विकास अधिकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत चुपकिया से एकता महिला स्वयं सहायता समूह की दीदी कैंटीन का संचालन करेंगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुटे भाजपाई

बिशारतगंज अमृत विचार । सरस्वती शिशु मंदिर में भाजपा द्वारा प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने सरकार की योजनाओं के बारे में जनता को बताया साथ ही पदाधिकारियों को काम करने के तौर तरीके भी बताए गए। मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद कश्यप ने बताया कि सभी कार्यक्रम सूचीबद्ध तरीके से किए जाएंगे इसमें कुल 7 सत्र लगाए जाएंगे ।

मासूम को अगवा करने की 48 घंटे में सुलझाई गुत्थी

बस में भरोसा दिलाकर नौ वर्षीय बालक को किया था अगवा

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: रोडवेज बस के सफर में नजदीकी बढ़ाकर 9 माह के मासूम अरुण को लेकर फरार हुई आरोपी बिंदा उर्फ रजनी को फरीदपुर पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने पितांबरपुर रेलवे स्टेशन के पास से आरोपी महिला को दबोचते हुए उसके कब्जे से अपहृत बच्चा अरुण तथा एक अन्य बच्चा लवियांश (करीब साढ़े तीन वर्ष) को सकुशल बरामद कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बताया गया कि हरदोई जनपद के मिरगवां निवासी सोनहूला पत्नी अमित कुमार ने अपने 9 माह के बच्चे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्विलांस टीम की मदद से घटना का खुलासा किया। पूछताछ में आरोपी बिंदा उर्फ रजनी, निवासी हसनपुर रजापुर (मेरठ) ने बताया कि वह 17 मार्च को अपने तीसरे पति सुरेंद्र के बेटे लवियांश के साथ बस से सफर कर रही थी। हरदोई बस अड्डे पर उसे पीड़िता महिला मिली, जो आर्थिक तंगी से परेशान थी। आरोपी ने भरोसा जीतकर उसे अपने साथ फरीदपुर ले आई। बीसलपुर रोड तिराहे पर बस रुकने पर आरोपी ने मीठी बातों में उलझाकर बच्चे को गोद में ले लिया और मोबाइल ठीक कराने का बहाना कर चली गई। बाद में पैसे दिलाने का झांसा देकर बैंक जाने की बात कहकर महिला को बहलाया और दोनों बच्चों को लेकर फरार हो गई।

बच्चों को परिजन को सौंप दिया गया। ● अमृत विचार

पति को ऐसा हुआ था शक

बिंदा ने बताया कि दोनों बच्चों को लेकर बैंक न जाकर पहले पति गुड्डू पुत्र जगदीश निवासी खनी नवादा, नगरिया कला थाना फतेहगंज पूर्वी के पास पहुंची और बताया कि यह उसके दोनों बच्चे हैं जिस पर गुड्डू ने उन बच्चों को अपना मानने से इंकार कर दिया। महिला ने बताया पति को उस पर शक हो गया। महिला को डर था कि गुड्डू उसकी कहानी की पोल न खोल दे इसलिए सोमवार को दोनों बच्चों को लेकर भागने की फिराक में पितांबरपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची जहां से पुलिस स्टेशन गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम, उपनिरीक्षक सतेंद्र मौतेला सर्विलांस टीम उप निरीक्षक जसवीर सिंह, सौरभ शिवाच, कांस्टेबल अजय, राहुल, राजकुमार, प्रज्ज्वल पावर महिला कांस्टेबल रीतू मोनिका मालिक, पुलिस के अनुसार महिला के साथ और भी लोग जुड़े हैं जिनका नाम मुकदमे में बढ़ाया जाएगा।

अब पालिका के सभासदों को मनाने का डाला जाल

संवाददाता, बहेड़ी

- बहेड़ी के धोबी तालाब को हथियाने का मामला
- नगर पालिका के 15 सभासदों ने मुख्यमंत्री से की है शिकायत
- बड़ा सवाल : क्या सभासदों के बैकफुट पर आने के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा

अमृत विचार : धोबी तालाब को हथियाने के लिए बिछाए गए जाल के खिलाफ आवाज़ उठाने वाले सभासदों पर ही जाल डाल दिया गया। मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र लिखे जाने की जानकारी मिलते ही तालाब हथियाने वाले सक्रिय हुए, और सभासदों को मनाने के लिए जाल बिछा दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या सभासद बैकफुट पर चले गए, तो नगर पालिका की ज़मीन चली जाएगी, या फिर शासन -प्रशासन इस मामले में जांच कर नगर पालिका की ज़मीन को उनके चंगुल से छुड़ा देगा।

नगर पालिका के धोबी तालाब की ज़मीन को हथियाने के लिए जाल बनाने का पर्दाफाश होने पर नगर पालिका के 15 सभासदों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा था। नगर पालिका के धोबी तालाब का 960 हेक्टेयर रकबा जिस खाते में है, उसी खाते के 4 छोटे -छोटे सह खातेदारों के नाम मात्र 114 हेक्टेयर क्षेत्र फल है, लेकिन कुरा बंदी में खेल कर चारों छोटे छोटे सह खातेदारों को सड़क किनारे की कीमती ज़मीन का मालिक बना दिया गया, और धोबी तालाब को पीछे कर दिया गया। नगर पालिका ने इस कुराबंदी का कोई विरोध नहीं किया, और न ही अब भी नगर पालिका इस मामले में कोई कदम उठा रही है।सभासदों ने अपने शिकायती पत्र में तो सीधा आरोप नगर पालिका पर मिलीभगत करने का लगाया था।

नगर पालिका के सभासदों ने यह शिकायत सोमवार को तहसील में आयोजित होने वाले समाधान दिवस में करने का भी प्लान बनाया था, लेकिन इसकी भनक तालाब हथियाने वालों को लग गई, और उन्होंने सभासदों को समाधान दिवस तक न पहुंचने देने के लिए जाल बिछा दिया।

सूत्रों के मुताबिक रविवार की देर तक इन लोगों ने कुछ सभासदों को घेर कर काफी मान मुनव्वल की। बताते हैं कि कुछ ''बातचीत'' (निगोसीएशन) के बाद सभासद इस बात पर राज़ी हो गए कि सोमवार को समाधान दिवस में शिकायत नहीं करेंगे, और यहां सभासदों ने शिकायती पत्र तो दिया, लेकिन उसमें से धोबी तालाब वाला मुद्दा गायब था।

अब सवाल यह खड़ा होता है कि सभासदों को शिकायत न करने के लिए राज़ी कर लेने के बाद यह मुद्दा दफन हो जाएगा, और बिछाए गए जाल के हिसाब से नगर पालिका की ज़मीन उससे चली जाएगी, या फिर प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर जांच कराने की पहल करेगा। सवाल यह भी है कि इस मुद्दे को राजनीतिज्ञ या समाजसेवी भी नज़रअंदाज़ कर देंगे।

कूड़े से पाटा जा रहा है धोबी तालाब। ● अमृत विचार

.. और फिर अस्पताल व सड़क का मुद्दा उठाया

सभासदों ने समाधान दिवस में सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के चलते मरीज़ों को सही इलाज न मिलने, केसर मिल को बनवाए जाने और नैनीताल रोड़ पर हुए गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग रखी।

कालेज परिसर से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई गई। ● अमृत विचार

शहीद दिवस पर निकाली पदयात्रा

रिठौरा, अमृत विचार : शहीद दिवस पर सोमवार को खंडेलवाल कालेज से पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के अमर शहीदों , भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करना ।कार्यक्रम में माय भारत की उपनिदेशक पुष्पा सिंह एवं भूपेंद्र सिंह , महाविद्यालय के महानिदेशक डॉ. विनय खंडेलवाल, महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार एवं प्राचार्य डॉ. आर .के. सिंह ने वीर शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान शहीदों की याद में एक जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। प्रतिभागियों ने तिरंगा झंडा, पोस्टर एवं जागरूकता संदेशों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

बच्चों ने किया आईवीआरआई का भ्रमण

शेरगढ़, अमृत विचार : राष्ट्रीय अविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिए सोमवार को राष्ट्रीय पशु चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर के लिए रवाना किया गया। एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत बच्चों के शैक्षिक विकास के तहत भ्रमण कराया गया। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जत नगर पहुंचे बच्चों ने पशुओं से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल की ।कृषि और पशु पालन संबंधी तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया। यहां बच्चों ने लाइब्रेरी, संग्रहालय, पशु पक्षियों का रिजोर्ट आदि समेत कई महत्वपूर्ण स्थल देखें। शैक्षिक भ्रमण में ब्लाक के कंपोजिट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 100 छात्र-छात्राएं शामिल रहे। इस अवसर पर बीईओ मुकेश कुमार भारती, कांता प्रसाद गंगवार, यशवंत कुमार, एआरपी शिखा भारतीय, महिमा दीक्षित, उपासना मालिक, किशोर सिंह चौहान, जयपाल श्रीवास्तव, जगमोहन सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, मोहम्मद मोहसिन खान, गजेंद्र सिंह, निहाल खान, राम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार, लक्ष्मी माहेश्वरी, अमर बाबू, आकांक्षा दिवाकर, उवैस रज़ा खां आदि रहे।

आईवीआरआई संग्रहालय के भ्रमण के बाद स्कूलों के बच्चे शिक्षकों के साथ रहे

न्यूज डायरी

मिर्जापुर में संतोष का हुआ स्वागत

बहेड़ी, अमृत विचार : झारखण्ड के राज्यपाल संतोष गंगवार मिर्ज़ापुर के चौधरी फार्म पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। श्री गंगवार के साथ उनकी बेटी और अर्बन कोआपरेटिव बैंक की चेयरमैन श्रुति गंगवार भी थीं। राज्यपाल ने बहेड़ी से अपना पुराना और खास रिश्ता बताते हुए कहा कि यहाँ के लोगों से मिला प्यार वह कभी भुला नहीं सकते। श्री गंगवार का यहाँ पहुँचने पर चौधरी आज़ाद सिंह और चौधरी आराम सिंह ने बुके देकर स्वागत किया। पूर्व प्रमुख कनक चौधरी ने कोआपरेटिव बैंक की चेयरमैन श्रुति गंगवार का स्वागत किया ।इस मौके पर भजन लाल गंगवार, जयेंन्द्र सिंह, अजय जायसवाल बॉबी, सुनील गंगवार और नवाब राशिद खां भी मौजूद रहे।

पोस्टर-मेकिंग में काजल रहीं प्रथम

रिठौरा, अमृत विचार : विश्व जल दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राजश्री महाविद्यालय के छात्र– छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए जल की सुरक्षा विषय पर आकर्षक और संदेशप्रद पोस्टर बनाए। विश्व जल दिवस की थीम वॉटर एण्ड जेन्डर व्हेयर वॉटर फ्लोस इक्युलिटी ग्रोज की थीम पर आधारित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त काजल कश्यप ने सेव वॉटर, सेव लाइफ पर जल संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त ज्योति, कशिश गंगवार, रोशनी का प्रदर्शन सराहनीय रहा ।संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने पानी को जीवन का आधार बताया कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ और यह सभी के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। संस्थान के प्रबन्ध निदेशक रोहन बंसल ने संस्थान में आयोजित वैश्विक महत्व के मुद्दों पर जनजागरण हेतु इस तरह के कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर राजश्री ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन के स्टाफ मेम्बर्स को बधाई दी।

वृद्धाश्रम समेत विभिन्न स्थानों पर किया जागरूक

कैंट अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में सोमवार को एक्साइड फाउंडेशन के द्वारा विभिन्न सामाजिक कार्यों का आयोजन किया गया। वृद्धाश्रम की प्रबंधक कांता गंगवार ने बताया, कि वृद्धाश्रम में शिविर लगाकर संस्था द्वारा कला एवं संगीत, साइबर जागरूकता कार्यक्रम, मानसिक कौशल सुधार कार्यक्रम, समग्र कल्याण शिविर, स्वास्थ्य जांच एवं आहार परामर्श, डिजिटल एवं वित्तीय सहायता, स्मार्टफोन का उपयोग, साइबर सुरक्षा, बैंकिंग और पेंशन कार्यक्रम प्रस्तुत कर संवासियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सचिव गौरव मिश्रा, ग्राम प्रधान करेली अक्शा परवीन, जाकिर अंसारी, ज्ञान प्रकाश, अजीम अंसारी, पप्पू अंसारी आदि रहे।

युवा वाहिनी ने शहीद दिवस पर अर्पित की पुष्पाजंलि

फरीदपुर, अमृत विचार : नगर स्टेशन रोड चौराहे पर हिंदू जागरण मंच युवा वाहिनी कार्यकर्ता, एवं गौ रक्षक विकास ठाकुर ने शहीद भगत सिंह राजगुरु सुखदेव को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की ।उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह की बहादुरी और निडरता से युवकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। बिना डरे अपने मकसद को पूरा करने वाले भगतसिंह युवाओं के हीरों हैं। इस मौके पर हिंदू जागरण मंच की भवानी नगर अध्यक्ष रघु प्रताप सिंह नगर महामंत्री गौरव श्रीवास्तव, गौ रक्षक विकास ठाकुर, विक्की गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव, सनी गुप्ता, गौरव गौतम, एडवोकेट शिवदेव सिंह, सुमित ठाकुर, मोहित पंडितअजय राठौर आकाश राठौर रामवीर सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

आज छह घंटे बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

कैंट, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र कांधरपुर के सभी पोषकों की बिजली आपूर्ति मंगलवार को 6 घंटे बाधित रहेगी। उपकेंद्र से संबंधित 33 केवी लाइन पर आ रही पेड़ों की टहनियों की छटाई की जानी सुनिश्चित की गई है इससे विद्युत उपकेंद्र से पोषित सभी पोषकों की विद्युत आपूर्ति मंगलवार को पूर्वाह्न 10 बजे से सायं 4 बजे तक पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। एसडीओ अमित गंगवार ने यह जानकारी दी।

कथा में सीताहरण का प्रसंग सुनाया

शेरगढ़, अमृत विचार : नगरिया कलां स्थित मंदिर पर आयोजित श्रीराम कथा में सोमवार को कथावाचक विशेष पाठक ने केवट-भरत संवाद, जयंता मोक्ष, सीता हरण कथा का मार्मिक प्रसंग सुनाया। इस दौरान कथा का प्रसंग सुनकर श्रोता मंत्र-मुग्ध हो गए। नन्हें कलाकारों द्वारा मनमोहक एवं आकर्षित करने वाली झांकियां प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में पहुंचे ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रमुख शिव मंगल सिंह राठौर ने मातृशक्ति को माता सीता के आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पूजा अर्चना करने के साथ ही कथावाचक जगदीश चंद्र पाठक, विशेष पाठक, विकांश पाठक को सम्मानित किया।

बरेली की ज्योति व मोहिनी समाज से मिटा रहीं अशिक्षा का अंधकार, तिनका-तिनका जोड़कर अभावों से जूझते परिवारों के बच्चों को दे रहीं शिक्षा

नवरात्र विशेष : पीपल पेड़ के तले, गरीबों के आंगन में शिक्षा की 'ज्योति' जले

संजय शर्मा, बरेली

निशुल्क शिक्षा केन्द्र में पढ़ाती ज्योति और मोहिनी। ● अमृत विचार

मोहिनी मौर्या। ● अमृत विचार

ज्योति ठाकुर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गरीबी की मार से पढ़ने-लिखने की उम्र में दुश्वारियों का बोझा उठाते और पेट भरने को भीख मांगते मासूम! तस्वीरें ऐसी कहीं भी दिखें लेकिन दिल सबका दुखाती हैं और समाज के अंधेरे कोने की कड़वी सच बयां कर जाती हैं। बरेली की ज्योति और मोहिनी ने गरीबों के आंगन से अशिक्षा का अंधकार मिटाने का बीड़ा उठाया है। अभावों से जूझते परिवारों के आंगन में शिक्षा का उजियारा लाने की पहल अकेली ज्योति ने शुरू की थी, लेकिन सहेली मोहिनी का साथ मिलने के बाद उनकी ताकत कई गुना बढ़ गई है। दोनों तिनका-तिनका जोड़कर बच्चों की पढ़ाई पर होने वाला खर्च उठा रही हैं और समाज को 'चार कदम सूरज की ओर' चलने का संदेश दे रही हैं।

सरोकार की नींव मजबूत कर रहीं ज्योति ठाकुर बरेली शहर से सटे गांव करेली की रहने वाली हैं, तो उनकी मोहिनी इटौवा सुखदेव निवास करती हैं। ज्योति-मोहिनी की समाज में चर्चा का कारण गांव में पीपल के पेड़ के नीचे चलने वाला उनका निशुल्क शिक्षा केन्द्र है, जहां बेहद तंगहाल परिवारों के बच्चे पढ़ाई करते नजर आते हैं। आठ भाई बहन में छठे नंबर की ज्योति इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही थीं, तो शिक्षा से दूर गरीब बच्चों को देखकर उनके लिए कुछ करने की ठान ली थी। खुद पढ़ते-पढ़ते उन्होंने गांव में बच्चों की क्लास लेना शुरू कर दी।

ज्योति को जब भी ऐसा कोई मासूम नजर आता तो उसके घर जातीं और परिवार को समझाकर उसे अपने केंद्र में पढ़ने भेजने का माहौल बनातीं। उनका छोटा सा प्रयास रंग लाता गया। क्लास में एक-एक कर बच्चे जुड़ते गए और आज संख्या 150 पार पहुंच चुकी है। इनमें कई मासूम तो ऐसे हैं, जिनके सिर से मां-बाप का साया उठ चुका है। सामाजिक हित में किए जा रहे इस पुनीत प्रयास में ज्योति का साथ उनकी सहेली मोहिनी मौर्या भी निभा रही हैं। बच्चों का खर्च उठाने को ज्योति प्राइवेट स्कूल में टीचिंग भी करती हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया की मदद से लोगों को गरीबों की सहायता के लिए भी प्रेरित करती हैं। इससे शिक्षा केन्द्र में कॉपी, किताब, पेन, पेंसिल, कपड़े, जूते, राशन और सर्दियों में कंबल जैसी जरूरी चीजें पहुंचाने को लोग आगे आते हैं। कई ऐसे मददगार भी मिल चुके हैं, जो स्वेच्छा से गरीब बच्चों की पढ़ाई में अपना योगदान देते रहते हैं।

सोशल मीडिया के जरिए हुआ था संपर्क

दोनों बीएड कर चुकी हैं। पेड़ तले पाठशाला में वे बच्चों को हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी भी सिखाती हैं। होली, दीपावली, ईद हो या 26 जनवरी-15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व, कार्यक्रम कराकर बच्चों में संस्कार भी मजबूत करती हैं और उनका उत्साह बढ़ाती हैं। ज्योति ने पिछले साल अपनी मां और पिता दोनों को खो दिया था। दिक्कतें आती रहती हैं, लेकिन सेवा के संकल्प के साथ ज्योति- मोहिनी की सरोकारी यात्रा जारी है। वैसे तो शिक्षा से वंचित गरीब बच्चों को स्कूल पहुंचाने में सरकार में भी समग्र प्रयास कर रही है, लेकिन इन दो सहेलियों कोशिश समाज में खूब सराहना पा रही है।

शिक्षा से समझदार बनाने का संकल्प

ज्योति ठाकुर और मोहिनी मोर्या की कोशिश पढ़ाई से छूटे बच्चों को अपने केंद्र के जरिए समझदार व शिक्षित बनाने की रहती है, ताकि उनके अंदर चीजों को समझने की क्षमता विकसित हो सके। उन्हें कहीं भी बोलने समझने में परेशानी न हो। दोनों कहती हैं, इस प्रयास को लगातार जारी रखने का उन्होंने संकल्प लिया है। ज्योति एनसीसी से भी जुड़ी रही हैं। रास्ते में कई मुश्किलें आईं लेकिन हौसले के साथ लोगों की मदद से हर बाधा पार कर रही हैं।

पत्नी को बीच सड़क पर पीटा और मोबाइल छीना

बरेली, अमृत विचार : एक महिला ने पति पर सड़क पर मारपीट करने और मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। शिकायत पर कैंट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सुभाष नगर निवासी पूनम देवी उर्फ रजनी ने कैंट थाने में दी तहरीर में बताया कि 2 मार्च की शाम जब वह ऑफिस से घर लौट रही थीं, तभी विजय द्वार के पास पति शिवम शाक्य ने रोककर गाली-गलौज की। विरोध करने पर पति ने मोबाइल छीनकर सड़क पर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। मोबाइल में महत्वपूर्ण ऑफिस के कागजात थे।

चारा ले कर आ रहे किसान की सड़क हादसे मौत

बहेड़ी, अमृत विचारः सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई।किसान खेत से जानवरों का चारा लेकर आ रहा था, तभी पीछे से एक तेज़ रफ्तार टैम्पो ने उसकी साइकिल पर टककर मार दी।मृतक के घर पर उसकी भतीजी की लगन की तैयारियां चल रही थीं। मौत की खबर ने खुशियाँ मातम में बदल दीं।जानकारी के मुताबिक गांव उनई मकरुका के 48वर्षीय किसान वीर पाल शर्मा देर शाम जानवरों का चारा साइकिल से लेकर आ रहे थे। बताते हैं कि नारायण नगला की तरफ से तेज़ रफ्तार से आ रहे एक टैम्पो ने उनकी साइकिल पर पीछे से टककर मार दी। टककर काफी ज़बरदस्त थी, जिसके चलते वीरपाल दूर जाकर गिरे। टककर होने पर आसपास के लोग वहाँ पहुंच गए। सूचना पर नारायण नगला चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने वीरपाल को तुरंत सरकारी अस्पताल भेजा, लेकिन उनकी पहले ही मौत चुकी थी।

शिकायतें 138, हल सिर्फ 18

ईद के बाद समाधान दिवस में अफसरों ने सुनीं जन समस्याएं

सवांददाता, बरेली

अमृत विचारः ईदुलफितर के अवकाश के बाद सोमवार को नवाबगंज, मीरगंज और बहेड़ी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपेक्षित रौनक देखने को नहीं मिली। नवाबगंज में कुल 27 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से केवल 3 का मौके पर निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सिथरा निवासी तेजपाल ने पुत्री हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने की शिकायत की, जबकि हरहरपुर मटकली के मोहम्मद यूसुफ कुरैशी ने ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया। अन्य मामलों में भी जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मीरगंज तहसील में भी समाधान दिवस आयोजित हुआ, जहां 26 शिकायतें आईं और 4 का निस्तारण किया गया। एसडीएम आलोक कुमार और अन्य अधिकारियों ने समस्याओं की समीक्षा कर संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए।

बहेड़ी में सबसे अधिक 85 शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन मात्र 11 का ही समाधान हो सका। यहां जर्जर सड़कों, पाइपलाइन खराबी और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। ट्रक यूनियन रोड की बदहाल स्थिति और जलभराव से लोगों की परेशानी बढ़ी हुई है। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एडीएम (न्यायिक) देश दीपक और सीओ अरुण कुमार ने शिकायतें सुनीं। कुल मिलाकर, शिकायतों की संख्या अधिक रही, लेकिन निस्तारण की रफ्तार धीमी दिखी, जिससे फरियादियों में निराशा देखने को मिली।

योजनाओं के आंकड़ों में उलझी नदियों की स्वच्छता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आंवला सांसद नीरज मौर्य ने इंटर्नशिप योजना पर उठाए सवाल
- केंद्र सरकार से आए सवालों के जवाब से खुली दावों की पोल

अमृत विचार : आंवला सांसद नीरज मौर्य ने सदन में प्रदूषण, शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर सरकार को घेरा है। रामगंगा और गोमती जैसी प्रमुख नदियों में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण को लेकर बरेली, बदायूं और जौनपुर क्षेत्रों में प्रदूषण के प्रभाव और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों पर पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने केवल 'नमामि गंगे' और 'अमृत' जैसी भारी-भरकम बजट वाली योजनाओं का हवाला दिया। सांसद का कहना है कि सरकार ने स्थानीय स्तर पर प्रदूषण के वास्तविक प्रभाव और त्वरित राहत उपायों पर कोई स्पष्ट डेटा नहीं दिया है। जब तक केवल बजट और निगरानी केंद्रों की संख्या गिनाई जाएगी और जवाबदेही तय कर कठोर जमीनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक नदियों की स्थिति में सुधार केवल कागजों तक ही सीमित रहेगा। इसके अलावा प्रदेश के कृषि प्रधान और पिछड़े जिलों में नए केंद्रीय संस्थानों की स्थापना को लेकर भी स्थिति निराशाजनक है। सांसद मौर्य का कहना है कि जब शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में नए केंद्रीय संस्थान और कौशल आधारित कॉलेजों की मांग की, तो शिक्षा मंत्रालय ने केवल मौजूदा 15 संस्थानों और 'पीएम-उषा' अभियान के तहत दी जा रही धनराशि का विवरण देकर पल्ला झाड़ लिया। सांसद ने कहा कि यदि ग्रामीण और कृषि आधारित क्षेत्रों में प्रयोगशालाओं, डिजिटल अवसंरचना और कृषि-उद्यमिता पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए नए संस्थान नहीं खोले गए, तो क्षेत्रीय असमानता की खाई और गहरी होती जाएगी।

वहीं, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में सरकार को सांसद नीरज मौर्य के हस्तक्षेप के बाद आर्थिक सहायता राशि में संशोधन करना पड़ा है। पूर्व में महज पांच हजार रुपये की अपर्याप्त राशि को बढ़ाकर अब मार्च 2026 से नौ हजार रुपये 8100 रुपये सरकार और 900 रुपये कंपनी की ओर से कर दिया गया है। हालांकि, राशि बढ़ने के बावजूद योजना का क्रियान्वयन सुस्त बना हुआ है। सांसद का कहना है कि लाखों आवेदनों के सापेक्ष महज 1.5 प्रतिशत युवाओं का ही चयन हो पाना और 10,831 करोड़ के बजट में से एक प्रतिशत से भी कम राशि का खर्च होना इसकी विफलता को दर्शाता है।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यशी प्रिया होटल एण्ड रेस्टोरेन्ट द्वारा पार्टनर स्नेहलता सागर पुत्री श्री नरेन्द्र कुमार सागर निवासी- राजीव नगर गुलाब बाड़ी रोड आर.के. यूनिवर्सिटी, बरेली व मंजू पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र सागर पता- आर.ओ.-17, आकाश गंगा कॉलोनी आर.के. यूनिवर्सिटी जिला बरेली द्वारा निर्माण स्थल- गाटा नम्बर-1338 ग्राम उड़ला जागीर तहसील सदर, बरेली क्षेत्रफल-1155 वर्गमी. पर होटल निर्माण की अनुज्ञा हेतु ऑनलाइन मानचित्र संख्या- बी.डी.ए./बी.पी./25-26/0343 प्रस्तुत किया गया है। स्थल का भू-उपयोग बरेली महायोजना- 2031 में 80 मी. बाईपास व 30 मी. चौड़ा ग्रीनवैल्ट एवं उसके उपरान्त सामुदायिक सुविधाएं/उपयोगिताएं में दर्शित है। उत्तर प्रदेश के विकास के प्रस्तर 15.3.2 के उप प्रस्तर के बिन्दु संख्या- 2.5 के अन्तर्गत "होटल क्रिया " भू-उपयोग में सामुदायिक सुविधाएं/उपयोगिताएं भू-उपयोग में अनुमन्य है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन- 2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु संख्या- (iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित ले-आउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण मानचित्र लिपिक को प्राप्त करा सकते हैं। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत चांदपुर निठाया विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक -मिमो/निविदा विज्ञाप्ति/2025-26 **अल्पकालीन निविदा** दिनांक: 19-03-2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बजरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना,केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत चांदपुर निठाया विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 26-03-2026को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें।व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.स.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
01.	महेश के प्लॉट से दीनानाथ के घर तक इंटरलॉकिंग सीसी नाली नि. कार्य	प्रा के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: 144/न.पं.ब./2025-26 दिनांक: 23.03.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा संचालित कान्हा गौशाला में निराश्रित गौवंशीय पशुओं को खिलाने हेतु निम्नलिखित चारा आदि की सप्लाई प्राप्त करने हेतु स्वीकृत निविदा की तिथि दिनांक 31.03.2027 तक किया जाना है।

1. हरा चारा 2. भूसा 3. चोकर 4. खल 5. नमक 6. गुड़

प्रति पशु की अनुमानित खुराक की लागत रू. 50/- प्रति दिन है। निविदाएं दिनांक 24.03.2026 से दिनांक 31.03.2026 तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक ठेकेदार/आपूर्ति कर्ता फर्मे अपनी अपनी दरें दिनांक 31.03.2026 समय 12:00 बजे तक उ. प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http/etender.up.nic.in पर डाल सकते हैं।

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी/बीसलपुर
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा, पीलीभीत

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा
जनपद-पीलीभीत

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर-खीरी (उ०प्र०)

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 28.03.2026 तक तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	Repair of Renovation of G.M. Office toilet	रू० 2100/-	रू० 118/-
2	Repair of Floor and drain of at mud pump and old Quad set.	रू० 4000/-	रू० 118/-
3	Repair of Renovation of Comnunity Hall	रू० 2600/-	रू० 118/-

उक्त कार्यो की नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र पर अंकित है निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा। प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति, बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक: कृ.उ.म.स./2026-666 दिनांक: 23.03.2026

सफाई निविदा आमंत्रण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल, बहेड़ी की वित्तीय वर्ष 2026-27 की दैनिक सफाई कार्य हेतु निविदायें Germ Bid Number:Gem/2026/B/7380358 दिनांक 21.03.2026 के माध्यम से दिनांक 31.03.2026 के प्रातः 11:00 बजे तक एवं उपमण्डी स्थल, रिछा, बहेड़ी (बरेली) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की दैनिक सफाई कार्य हेतु निविदायें Germ Bid Number:Gem/2026/B/7380382 दिनांक 21.03.2026 के माध्यम से दिनांक 31.03.2026 के प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था किसी भी कार्य दिवस में नियम/शर्तो एवं उपरोक्त के सम्बन्धी में पूर्ण जानकारी कार्यालय मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली) से प्राप्त कर सकते हैं।

नरेन्द्र कुमार गंगवार
सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समित,
बहेड़ी (बरेली)

इशिता किशोर
उपजिलाधिकारी/सभापति
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय ग्राम पंचायत पदारथपुर वि.खं. भुता बरेली

पत्रांक: 135/लेखा/निविदा/वर्ष 2025-26 दिनांक 22.03.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पदारथपुर में मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में सद्दाम के खेत से नाले तक पक्का नाला निर्माण कार्य होना है। जिसकी अनुमानित लागत 3.85 लाख रूपये है। इच्छुक फर्म सीमेंट, बजरफुट, बजरी, रेता, प्रथम ईट, रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त निविदा दिनांक 28.03.2026 तक कार्यालय ग्राम पंचायत में सीधे अथवा डाक द्वारा जमा कर सकते हैं, जिन्हें उसी दिन शाम 4 बजे खोला जायेगी जिस फर्म का टेंडर सबसे कम दर का होगा ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा।

अनिल कुमार
सचिव

श्रीमती हसीना
प्रधान

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

पत्रांक/के0जी0बी0वी0/9105-09/2025-26 दिनांक: 23.03.2026

विज्ञप्ति

शासनादेश संख्या-1553/68-5/2020 दिनाँक 11 दिसम्बर 2020 एवं निदेशक राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक- के0जी0बी0वी0/शिक्षक/1837/2024-25 दिनाँक 30.05.2024 द्वारा दिए गए निर्देशों के कम में जनपद रायबरेली के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में अस्थाई रूप से सृजित संविदा आधारित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इच्छुक, अर्ह, योग्य महिला अभ्यर्थियों से पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में निर्धारित प्रारूप पर निर्धारित शर्तो के अधीन आवदेन पत्र आमंत्रित किये गये थे। आवदेन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 22.12.2025 की सायं 05:00 बजे तक थी। प्राप्त आवेदन पत्रों से पात्र अभ्यर्थियों (पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षिका एवं लेखाकार) की काउंसलिंग दिनांक 23.01.2026 व साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों (सहायक रसोइया, चौकीदार व चपरासी) को 28.01.2026 को साक्षात्कार पूर्ण किया गया। शासनादेश देश में निहित प्राविधानों के अनुसार काउंसलिंग एवं साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों से विकल्प लिए जाने के निर्देश है। तत्क्रम में काउंसलिंग एवं साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में दिनाँक 25.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे विकल्प हेतु अपने समस्त मूल अभिलेखों सहित उपस्थित होंगे।

विकल्प हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 की वेबसाइड- http://raebareli.nic.in व कार्यालय के सूचना तट पर उपलब्ध है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
रायबरेली

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: /न.पं.ब./2025-26 दिनांक: 23.03.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वर्ष 2025-26 में पं. दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचाायत योजना के अन्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में सी.सी. रोड आदि के निर्माण कार्यो को कराने हेतु निर्माण कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	24.03.2026	प्रात: 8:00 बजे
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	24.03.2026	प्रात: 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	06.04.2026	प्रात: 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	06.04.2026	अपरान्ह 02 बजे

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी/बीसलपुर
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा, पीलीभीत

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा
जनपद-पीलीभीत

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना संख्या 54/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने हेतु निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों का संचलन निम्नवत् किया जाएगा।

05045/05046 लाल कुआँ-राजकोट-लाल कुआँ विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 05045 लाल कुआँ से दिनांक 05.04.2026 से 26.04.2026 तक (रविवार) को (4 फेरे) और गाड़ी सं. 05046 राजकोट से दिनांक 06.04.2026 से 27.04.2026 तक (सोमवार) को (4 फेरे)

गाड़ी सं. 05045 लाल कुआँ-राजकोट आगमन	प्रस्थान	स्टेशन ↓ ↑	गाड़ी सं. 05046 राजकोट-लाल कुआँ आगमन	प्रस्थान
---	12:35	लालकुआं	05:15	---
12:58	13:00	किच्छा	04:35	04:37
13:16	13:18	बहेड़ी	04:15	04:17
14:10	14:15	इज्जतनगर	03:33	03:35
14:30	14:35	बरेली जं.	03:13	03:18
15:33	15:35	बदायूं	01:53	01:55
15:46	15:48	उझानी	01:37	01:39
16:18	16:20	सोरों शूकर	01:13	01:15
17:05	17:15	कासगंज	00:40	00:50
18:12	18:15	हाथरस शहर	23:30	23:33
19:03	19:05	मथुरा कैंट	22:58	23:00
19:20	19:25	मथुरा जं.	22:40	22:45
21:00	21:05	भरतपुर	20:30	20:35
23:38	23:40	दौसा	17:20	17:22
00:35	00:45	जयपुर जं.	16:25	16:35
01:50	01:52	फुलेरा	15:00	15:02
02:22	02:24	नावा शहर	13:03	13:05
02:38	02:40	कुचामन सिटी	12:48	12:50
02:53	02:56	मकराना जं.	12:30	12:33
03:27	03:30	डेगाना जं.	11:57	12:00
04:02	04:07	मेड़ता रोड जं.	11:10	11:15
04:25	04:27	गोटन	10:50	10:52
05:40	05:50	जोधपुर जं.	09:40	09:50
06:22	06:25	लूनी जं.	08:57	09:00
07:25	07:30	समदड़ी जं.	08:12	08:17
07:54	07:56	मोकलसर	07:48	07:50
08:20	08:23	जालोर	07:02	07:05
08:52	08:54	मोदरान	06:31	06:33
09:17	09:20	मारवाड़ भीनमाल	06:06	06:09
09:48	09:51	रानीवाड़ा	05:35	05:38
10:40	10:42	धनेरा	05:04	05:06
11:55	12:00	भीलड़ी जं.	04:30	04:35
12:41	12:43	पाटन	03:25	03:27
13:28	13:30	महेसाणा जं.	02:30	02:35
14:31	14:33	वीरमगम जं.	01:35	01:37
15:47	15:49	सुरेंद्रनगर	00:18	00:20
16:43	16:45	वांकानेर जं.	23:08	23:10
18:10	---	राजकोट	---	22:30

रेक संरचनाः शयनयान श्रेणी-11, तृतीय श्रेणी वातानुकूलित-02, द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित-01, साधारण द्वितीय श्रेणी-04, एसएलआरडी-02=(कुल 20 कोच)

05060/05059 लाल कुआँ-कोलकाता चितपुर-लाल कुआँ विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 05060 लाल कुआँ से दिनांक 02.04.2026 से 25.06.2026 तक (वीरवार) को (13 फेरे) और गाड़ी सं. 05059 कोलकाता चितपुर से दिनांक 04.04.2026 से 27.06.2026 तक (शनिवार) को (13 फेरे)

गाड़ी सं. 05060 लाल कुआँ-कोलकाता चितपुर आगमन	प्रस्थान	स्टेशन ↓ ↑	गाड़ी सं. 05059 कोलकाता चितपुर-लाल कुआँ आगमन	प्रस्थान
--	13:35	लालकुआं	15:45	--
13:55	13:57	किच्छा	14:33	14:35
14:40	15:10	भोजीपुरा जं.	13:15	13:45
15:55	16:00	पीलीभीत जं.	11:55	12:00
17:00	17:05	पूरनपुर	10:50	10:54
18:20	18:30	मैलानी जं.	10:00	10:10
18:50	18:55	गोला गोकरननाथ	09:10	09:12
19:40	19:42	लखीमपुर	08:38	08:40
21:30	21:35	सीतापुर	07:25	07:35
23:20	23:25	गोंडा जं.	05:00	05:10
00:52	00:55	बस्ती	03:48	03:50
02:05	02:15	गोरखपुर जं.	02:35	02:45
03:00	03:02	कप्तानगंज जं.	01:30	01:32
04:00	04:02	पडरौना	00:30	0:32
05:45	05:50	थावे जं.	23:15	23:20
06:50	06:55	सीवान जं.	22:30	22:35
07:55	08:05	छपरा	21:30	21:40
08:56	08:58	सोनपुर जं.	19:45	19:47
09:10	09:15	हाजीपुर जं.	19:30	19:35
10:00	10:05	मुजफ्फरपुर जं.	18:30	18:35
11:25	11:27	समस्तीपुर जं.	17:20	17:25
13:25	13:35	बरौनी जं.	16:20	16:30
15:05	15:07	किऊल जं.	14:18	14:20
16:40	16:45	झाझा	13:40	13:45
17:50	17:52	जसीडीह जं.	11:23	11:25
18:15	18:17	माधपुर जं.	10:35	10:37
19:08	19:10	चित्तरंजन	09:36	09:38
19:42	19:47	आसनसोल जं.	09:08	09:13
20:17	20:19	दुर्गापुर	08:36	08:38
21:31	21:33	बर्द्धमान जं.	07:33	07:35
22:23	22:25	बैण्डेल जं.	06:15	06:17
22:52	22:55	नैहाटी जं.	05:48	05:50
23:55	---	कोलकाता चितपुर	---	05:00

रेक संरचनाः साधारण द्वितीय श्रेणी-04, शयनयान श्रेणी-06, तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-04, द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित-01, प्रथम-सह-द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित-01, जनरेटर-सह-लगेज वैन-01 एलएसएलआरडी-01=(कुल 18 कोच)

मुजाधि/टी-128-ए मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थों को लेकर यात्रा न करें

सिटी डायरी

नारी सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता

रिठौरा,अमृत विचार : मातृशक्ति को सशक्त एवं आत्मनिर्भर तथा बनाने तथा समाज में सम्मान, सुरक्षा के उद्देश्य से पुलिस चौकी रिठौरा पर हुई विशेष बैठक में हाफिजगंज थानाध्यक्ष प्रवीण सोलंकी ने मातृशक्ति को सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न लाभकारी योजनाओं से अवगत कराया। कहा कि सरकारी, गैर-सरकारी, घरेलू स्तर पर किसी भी प्रकार हिंसा से सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव सेवा में तत्पर है। सभी निर्भीक होकर सुरक्षा के लिए पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान महिला कांस्टेबल रूदेई, प्रिया शर्मा,मीनू सिंह, समाजसेविका दिनेश कुमारी,ग्रेशा देवी,राधा कश्यप, दीपिका बनर्जी, सोनी शंखधार,रूबी , दुर्गा सिंह,दीक्षा सिंह, अल्पना सक्सेना,बंदना सक्सेना, प्रवेश पाठक,वीरवती, सहित तमाम महिलाएं मौजूद रहीं।

प्रशिक्षण महा अभियान में कवि सम्मेलन आयोजित

फरीदपुर अमृत विचार : भाजपा मंडल प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत फरीदपुर सद्भावना मंडप सभागार में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें ऋषि कुमार शर्मा च्यवन,कमलकांत तिवारी, मिलन कुमार मिलन, राजीव गोस्वामी एवं किरण प्रजापति आदि कवियों ने श्रृंगार ओज,हास्य एवं समसामयिक कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया गया। कार्यक्रम में वीर सिंह पाल , मुकेश शर्मा एवं गौरव मिश्रा आदि के अतिरिक्त अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ओज के सशक्त हस्ताक्षर कमल कांत तिवारी द्वारा किया गया।

आउट आफ स्कूल बच्चों के लिए प्रशिक्षण प्रारंभ

क्योलड़िया, अमृत विचार : बीआरसी क्योलड़िया पर आउट आफ स्कूल बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण का शुभारंभ बीईओ ने किया। एआरपी डॉ मधुरेश दीक्षित ने इस प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एआरपी डॉ विवेक सक्सेना ने प्रशिक्षण की रूपरेखा के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं समस्त प्रतिभागियों को इसके प्रत्येक चरण से अवगत कराया। प्रशिक्षक राम ब्रज मौर्य ने भाषा शिक्षण को आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए कैसे सुगम बनाया जाए इस पर चर्चा की। तथा प्रतिभागी शिक्षकों में श्री विपिन कुमार, श्री नरेंद्र राठौर, अक्षिता राठौर, राखी गंगवार, संतोष गंगवार, मिथिलेश गंगवार, विदुर कुमार, सुनीला यादव आदि मौजूद थे।

वन मंत्री ने सफल प्रतियोगियों को किया सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : पीलीभीत बाईपास रोड स्थित 'सेंचुरी कोचिंग एकेडमी' के मेधावी विद्यार्थियों ने वर्ष 2026 की सैनिक स्कूल और जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया है। समारोह में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और भारत तिब्बत सहयोग मंच के ब्रज प्रांत अध्यक्ष शैलेंद्र विक्रम सिंह पाल ने मुख्य सहभागिता की। मुख्य अतिथि ने सफल विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और स्मृति चिह्न प्रदान किए। संस्थान के निदेशक राकेश पाल ने बताया कि संस्थान के शुभ सिंह, अनुप्रयाग कश्यप, गरिमा सेन, ईशानी सिंह और नमन ने सफलता प्राप्त की।

वैश्य समाज की एकजुटता के लिए आयोजन 29 को

बरेली, अमृत विचार : जिले में वैश्य समाज को एकजुट करने के लिए 29 मार्च को एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पीलीभीत बायपास रोड स्थित गोल्डन फार्म में होने वाले इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, बदायूं के विधायक महेश गुप्ता, आगरा के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल और बरेली के कैंट विधायक संजीव अग्रवाल मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में वैश्य वर्ग के प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 :30 बजे से दोपहर 2 :30 बजे तक चलेगा।

ब्रीफ न्यूज

कल्पना सोरेन को ट्रेलब्लेज़र अवार्ड

नई दिल्ली/रांची। झारखंड के गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को प्रतिष्ठित ''वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेज़र्स अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में आयोजित ''ब्रिक्स सीसीआई वीई एनुअल वुमेन समिट एंड फेलिसिटेशन 2026'' के दौरान दिया गया। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महिला सशक्तिकरण वर्टिकल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया। इस मौके परसोरेन ने कहा यह पुरस्कार केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह झारखण्ड की हर मंईयाँ और देश-दुनिया की उन अनगिनत महिलाओं का है जो अपने परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहीं हैं।

दिल्ली में हार्ड रॉक कैफे के किचन में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित हार्ड रॉक कैफे के किचन में सोमवार दोपहर आग लग गई, जिससे उस भवन और आस-पास की दुकानों में अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस घटना के बारे में दोपहर करीब 12:31 बजे एक कॉल मिली, जिसके बाद चार दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। लगभग 12:50 बजे तक आग पर काबू पा लिया। शुरुआत में, कॉल करने वाले ने बताया था कि आग एलआईसी बिल्डिंग में लगी है। हालांकि, बाद में यह पुष्टि हुई कि आग बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित हार्ड रॉक कैफे के किचन में लगी थी। किसी के घायल या हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

लेनिनग्राद में 50 से अधिक ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को। रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर लेनिनग्राद (अब सेंट पीटर्सबर्ग) के आसमान में नष्ट किए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या 50 से अधिक हो गई है। गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज़डेन्को ने यह जानकारी दी। श्री ड्रोज़डेन्को ने मैक्स पर कहा, ड्रोन हमले को नाकाम करने की कार्रवाई जारी है। कुल मिलाकर, लेनिनग्राद क्षेत्र के ऊपर 50 से अधिक ड्रोन नष्ट किए जा चुके हैं।

क्यूनेट मार्केटिंग घोटाले में 30 गिरफ्तार

हैदराबाद। केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने सोमवार को क्यूनेट मल्टी-लेवल मार्केटिंग घोटाले के सिलसिले में 30 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां समन्वित कार्रवाई के तहत तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में एक साथ की गयी छापेमारी का नतीजा हैं। हैदराबाद और बेंगलुरु में कंपनी से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी लेने के लिए 25 विशेष टीमें तैनात की गयी थीं।

चलती स्कूटी पर आया जवान को हार्ट अटैक

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना में इंसानियत की मिसाल उस समय देखने को मिली, जब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान को चलती स्कूटी पर अचानक हार्ट अटैक आने से वह सड़क पर गिर पड़ा और अचेत हो गया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खड़िया हार निवासी सीआरपीएफ जवान कुलदीप तोमर किसी कार्य से स्कूटी से मुरैना आए थे।

भारत-रूस व्यापार 100 अरब डॉलर करने को बाधाएं हटाने की जरूरत

द्विपक्षीय एजेंडे पर आधारित ऑनलाइन सम्मेलन में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और रूस को 2030 तक दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं और विनियामक अड़चनों जैसे मुद्दों को दूर करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने रूस के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने भारत और रूसः एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर शीर्षक वाले एक ऑनलाइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में, हमारी भागीदारी और गहरी होती जा रही है।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की और कहा कि रूस इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। जयशंकर ने कहा कि विकसित हो रही बहुध्रुवीय व्यवस्था के लिए भारत और रूस के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है, जिसमें ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), जी20 और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से सहयोग शामिल है।

उन्होंने कहा कि भारत, रूस के साथ मिलकर साझा चुनौतियों का संतुलित और समावेशी तरीके से समाधान करने के लिए तत्पर है। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दशकों से, हमारे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग ने क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को आगे बढ़ाया है। विदेश मंत्री ने पिछले वर्ष दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से निकले परिणामों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, दोनों पक्ष वर्तमान वार्षिक व्यापार को 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक संतुलित और सतत तरीके से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संबंध में, उन्होंने कहा कि हमें भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और गैर-टैरिफ बाधाओं और विनियामक अड़चनों को दूर करने तथा कुशल भारतीय कार्यबल का उपयोग करने के प्रयासों को जारी रखना चाहिए। पश्चिम एशिया में जारी संकट के मद्देनजर विदेश मंत्री की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं। दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई वार्ता के बाद, भारत और रूस ने कई उपायों की घोषणा की, जिनमें एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने और 2030 तक वार्षिक व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए पांच वर्षीय खाका शामिल है।

अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से की बातचीत

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं की बातचीत पश्चिम एशिया संघर्ष के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले परिणामों पर केंद्रित रहा। जयशंकर और रुबियो की बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए दी गई सीमा को पांच दिनों के लिए बढ़ाए जाने के कुछ घंटों बाद हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने रुबियो से बातचीत के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी चर्चा पश्चिम एशिया संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर केंद्रित थी। हमने विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर बात की।

पश्चिम बंगाल की पूरक मतदाता सूची जारी की

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 'विचाराधीन' श्रेणी में रखे मतदाताओं के मामलों की सुनवाई के आधार पर सोमवार देर रात पहली पूरक मतदाता सूची जारी की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक बूथ की सूची निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देर रात करीब 11.55 बजे उपलब्ध कराई गई। निर्वाचन आयोग द्वारा 28 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में लगभग 60 लाख नामों को 'विचाराधीन' के रूप में चिह्नित किया गया था। इसके बाद, इन नामों को मतदाता सूची में रखा जाए या हटाया जाए, यह निर्धारित करने के लिए 705 न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया गया था। पूरक सूची में उन मतदाताओं के नाम शामिल हैं जिनके मामलों का निर्णय इन न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है। पश्चिम बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल ने शाम को कहा था कि लगभग 29 लाख नामों की जांच की जा चुकी है। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितने नाम पहली पूरक सूची में रखे गए और कितने हटाए गए हैं।

2027 तक 116 शहरों को देंगे 10 हजार एसी ई-बस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने राज्य सभा में दी योजना के बारे में जानकारी

सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 2027 तक 26 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के 116 शहरों में 10,000 वातानुकूलित ई-बस उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके बाद 35,000 और बसें प्रदान करने के लिए नई योजना शुरू की जाएगी।

आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 अगस्त 2023 को छोटे और मझोले शहरों में परिवहन सुविधा प्रदान करने और बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए पीएम ई-बस सेवा योजना की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि राज्यों के पास ई-बस के लिए पर्याप्त वित्त नहीं था, इसलिए तीन लाख से 40 लाख की आबादी वाले शहरों के लिए कुल 10,000 बसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया। राज्यों को अपनी मांगें देने को कहा गया और चयन मानदंड के आधार पर तथा समन्वय समितियों की सिफारिश पर बसें स्वीकृत की गईं।'' मंत्री ने कहा, "178 पात्र शहरों में से 116 शहरों ने भाग लिया और उन्हें बसें आवंटित की गईं। बिहार में केवल चार शहर योजना के अंतर्गत योग्य पाए गए, जहां 400 बसें स्वीकृत हुईं। पटना को 150 बसें, जबकि भागलपुर, दरभंगा, गया, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया को 50-50 बसें आवंटित की गईं।" उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में समन्वय समितियों के गठन न होने के कारण योजना में देरी हो रही है। मनोरलाल ने बताया कि अगले चरण में 35,000 और बसें दी जाएंगी।

दिग्विजय सिंह ने डेटा सुरक्षा पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भारत की, अमेरिका की अगुवाई वाले रणनीतिक गठबंधन पैक्स सिलिका की सदस्यता का जिक्र करते हुए राज्यसभा में सोमवार को देश की डेटा सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की। सिंह ने कहा कि भारत इस समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है लेकिन इससे न केवल भारतीय नागरिकों की डेटा निजता पर असर पड़ सकता है बल्कि इससे देश की स्वतंत्र नीति क्षमता को भी नुकसान हो सकता है।

शाहरुख के बेटे को छोड़ने के लिए रिश्वत नहीं मांगी

मुंबई, एजेंसी

- हाईकोर्ट में बोले एनसीबी मुंबई जोन के पूर्व निदेशक वानखेड़े

मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े ने सोमवार को मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान से उनके बेटे आर्यन खान को मादक पदार्थ मामले में राहत देने के लिए कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली। वानखेड़े के वकील आबाद पोंडा मई 2023 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर दलील दे रहे थे, जिसमें उन पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए हैं।

पोंडा ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ को बताया कि वानखेड़े ने शाहरुख खान से कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, वानखेड़े और अन्य आरोपियों ने अभिनेता से उनके बेटे को मादक पदार्थ मामले में क्लीन चिट देने के लिए कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। हालांकि, पोंडा ने अदालत को बताया कि सीबीआई के पास यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि वानखेड़े ने रिश्वत मांगी या ली।

वकील ने कहा कि एनसीबी को कॉर्डेलिया क्रूज जहाज पर कथित मादक पदार्थ की सूचना मिली थी, जिसके बाद कानूनी प्रक्रिया के अनुसार तलाशी ली गई और आर्यन खान समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रखने की बात कही है।

सीबीआई ने वानखेड़े और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी की धारा 120-बी), जबरन वसूली की धमकी (धारा 388) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आर्यन खान को दो अक्टूबर 2021 को कॉर्डेलिया क्रूज पर कथित मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एनसीबी ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, लेकिन आर्यन खान को ''क्लीन चिट'' दे दी थी।

इस मामले में वर्ष 2021 में एक नया मोड़ आया, जब एक ''स्वतंत्र गवाह'' ने दावा किया कि एनसीबी के एक अधिकारी और अन्य लोगों ने आर्यन खान को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। इसके बाद एनसीबी ने वानखेड़े और अन्य के खिलाफ आंतरिक जांच की और इसकी रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी, जिसके आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने भी वानखेड़े के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था।

बच्ची से बलात्कार में हरियाणा सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम में चार साल की बच्ची से बलात्कार मामले की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने के अनुरोध से संबंधित याचिका पर हरियाणा सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य से सोमवार को जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को 25 मार्च को सभी रिकॉर्ड के साथ अदालत में पेश होने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा पीठ ने गुरुग्राम के जिला न्यायाधीश से कहा कि वह मामले को असंवेदनशील तरीके से संभालने के आरोपों पर मजिस्ट्रेट से जवाब मांगें। इससे पहले 20 मार्च को उच्चतम न्यायालय ने इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी।

लाल किला धमाका : एनआईए का जम्मू कश्मीर में नौ स्थानों पर छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पिछले साल लाल किले के पास कार में हुए बम धमाके के मामले की जांच के तहत सोमवार को जम्मू कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए ने छह जिलों श्रीनगर, बारामूला, जम्मू, कुलगाम, गांदरबल और हंदवाड़ा में नौ स्थानों पर तलाशी ली।

एनआई के एक बयान में कहा गया कि छापेमारी के दौरान कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए और उन्हें फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा गया। पिछले साल 10 नवंबर को लाल किले के पास एक कार में बम विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह विस्फोट आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ने अंजाम दिया था। उसने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार में खुद को उड़ा लिया था। नबी हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में चिकित्सक और सहायक प्रोफेसर था। एनआईए ने जांच के दौरान पाया कि नबी ने गिरफ्तार सह-आरोपियों और अन्य के साथ समन्वय में विस्फोट की साजिश रची थी। एजेंसी ने कहा कि वह आतंकी हमले के पीछे की बड़ी साजिश का खुलासा करने और देश में अराजकता फैलाने की साजिश में शामिल लोगों की पहचान का प्रयास जारी रखे हुए है।

सांबा में विस्फोट, एनआईए-एनएसजी पहुंचीं

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में बीती रात एक पूर्व सरपंच के घर के बाहर संदिग्ध विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चला है। यह विस्फोट घगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर गावाला तालाब में जयराम शर्मा के आवास के बाहर हुआ। विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने लिए। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और एनएसजी की टीम भी कुत्तों के साथ मौके पर पहुंचीं।

आज भोजशाला का निरीक्षण करेंगे न्यायमूर्ति

धार। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला 24 मार्च मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर धार पहुंचकर ऐतिहासिक भोजशाला परिसर का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वे केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन स्थल का मुआयना कर उससे जुड़े तथ्यों की जानकारी लेंगे।

आधिकारिक सूचना के अनुसार न्यायमूर्ति शुक्ला दोपहर लगभग एक बजे धार पहुंचेंगे और सर्किट हाउस से सीधे भोजशाला के लिए रवाना होंगे। निरीक्षण के दौरान पुरातत्व विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल और अधिकारियों की तैनाती की गई है। नौगांव स्थित किले के संग्रहालय पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है।

48 साल बाद खुलेगा जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी, एजेंसी

- सरकार ने वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की व्यस्था की

ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने सोमवार को कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने के लिए वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और 3डी मैपिंग सहित विस्तृत व्यवस्थाएं की गई हैं।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने का कार्य 48 वर्षों के अंतराल के बाद 25 मार्च से शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल मंदिर के आभूषणों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की पारदर्शिता तथा उचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। हरिचंदन ने बताया कि पहली बार, विशेषज्ञ सुनारों के साथ-साथ रत्नविज्ञानी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारी भी इस कार्य में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वस्तुओं का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और यह प्रक्रिया केवल दस्तावेजीकरण तथा सत्यापन तक ही सीमित रहेगी। ओडिशा में 12वीं शताब्दी के मंदिर में होने वाली इस प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद, मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई कि रत्न भंडार की यह प्रक्रिया व्यवस्थित, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संचालित की जाए।

कोलंबिया में सैन्य विमान क्रैश, 125 लोग थे सवार

बोगोटा, एजेंसी। लातिन अमेरिकी देश कोलंबिया के दक्षिण पश्चिम हिस्से में 125 लोगों को ले जा रहा एक सैन्य मालवाहक विमान सोमवार को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि अबतक 48 लोगों को जिंदा बचाया गया है। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने एक्स पर बताया कि यह दुखद हादसा पुटुमायो प्रांत के एक दूरस्थ नगर पालिका पुएर्टो लेगुइज़ामो में हुई, जो पेरू और इक्वाडोर की सीमा से लगता है। तस्वीरों में विमान दुर्घटनास्थल से काले धुएं का बादल उठता हुआ और सैनिकों से भरा एक ट्रक घटनास्थल की ओर जाता दिख रहा है। कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर कार्लोस फर्नांडो सिल्वा ने बाद में एक वीडियो संदेश में बताया कि हरक्यूलिस सी-130 विमान में 114 यात्रियों और 11 चालक दल के सदस्यों सहित 125 लोग सवार थे।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

पश्चिम बंगाल: ओवैसी-हुमायूं के गठबंधन से मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्ष ने ओवैसी पर लगाया भाजपा की मदद करके धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का आरोप

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के गठबंधन की विपक्ष ने कड़ी आलोचना करते हुए इस गठबंधन से वोट बंटने और विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में धर्मनिरपेक्ष दलों के कमजोर होने की आशंका जताई है। विपक्ष के नेताओं ने ओवैसी को घेरते हुए कहा है कि उनकी पार्टी असल में भाजपा की मदद करना चाहती है।

एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन किया है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने इस गठबंधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे मुस्लिम समाज अलग-थलग पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ओवैसी की पार्टी वास्तव में भाजपा की मदद करना चाहती है, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके पास ताकत नहीं है और उन्हें वोट नहीं मिलेंगे। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका ले रखा है।

कांग्रेस के एक अन्य सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि गठबंधन करना राजनीतिक फैसला है, लेकिन ध्यान सांप्रदायिक ताकतों को हराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, कौन किससे गठबंधन करता है, यह उनका मामला है। लेकिन हमारा लक्ष्य सांप्रदायिक ताकतों को हराना है और इसके लिए कांग्रेस लगातार काम करती रहेगी। शिवसेना (उबाठा) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम अक्सर भाजपा की मदद करती है। जब भी भाजपा मुश्किल में होती है, वह एआईएमआईएम को बुलाती है, जो उसके ''स्पीड डायल'' पर रहती है। पार्टी उसे चुनाव में उतरने और जीत दिलाने के लिए आमंत्रित करती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने एआईएमआईएम को भाजपा की "बी-टीम" बताया और आरोप लगाया कि वह चुनाव में सिर्फ विपक्ष के वोट बांटने के लिए उतरती है, जिससे भाजपा को फायदा होता है। यह हर जगह हो रहा है।

आचार संहिता: 181 करोड़ कैश, शराब जब्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है और अब तक करीब 181 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, मादक पदार्थ और अन्य सामग्री जब्त की जा चुकी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

कोलकाता में चुनाव प्रचार करती तृणमूल प्रत्याशी श्रेया पांडेय।

असम : झामुमो की सूची में 21 प्रत्याशी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए अपने 21 उम्मीदवारों की सूची सोमवार को जारी की। झामुमो क्षेत्रीय पार्टी की छवि को मिटाकर एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभरना चाहता है। पार्टी का उद्देश्य चाय बागानों में काम करने वाली जनजाति के लगभग 70 लाख लोगों को अपने पक्ष में करना है, जिनमें से कई लोगों की जड़ें झारखंड से जुड़ी हुई हैं। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने बताया, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, पार्टी ने असम की 126-सदस्यीय विधानसभा के चुनावों के लिए 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

गोगोई ने जोरहाट सीट से भरा पर्चा

जोरहाट। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। गोगोई राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार किस्मत आजमा रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने जोरहाट स्टेडियम से रैली शुरू करने से पूर्व विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा किया। लगभग तीन घंटे बाद इस रैली का समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ। रैली में बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। गोगोई नजीर अली क्षेत्र स्थित अपने पैतृक आवास पर भी पहुंचे और अपने पिता एवं असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की तस्वीर के समक्ष खड़े होकर प्रार्थना की।

पुडुचेरी में रंगासामी कैबिनेट के दो मंत्रियों को नहीं मिला टिकट

पुडुचेरी। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने दो मौजूदा मंत्रियों को टिकट नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री के. लक्ष्मीनारायणन और कृषि मंत्री थेनी जयकुमार को इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतारा गया है। सूत्रों के अनुसार, लक्ष्मीनारायणन की राजभवन सीट एनडीए गठबंधन में भाजपा को दे दी गई है। जयकुमार की मंगालम सीट से रंगासामी चुनाव लड़ेंगे।

पुडुचेरी : नामांकन के आखिरी दिन तक द्रमुक-कांग्रेस में सीट बंटवारे पर गतिरोध

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और कांग्रेस के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत अब तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। चेन्नई में रविवार से शुरू हुई मैराथन बैठकें सोमवार तड़के तक चलीं लेकिन बिना किसी निष्कर्ष समाप्त हो गईं। हालांकि दोनों दलों ने गठबंधन जारी रखने पर सहमति जताई है। स्थिति को देखते हुए दोनों दलों के संभावित उम्मीदवार सोमवार दोपहर तीन बजे तक सभी 30 सीटों पर नामांकन दाखिल करेंगे। बाद में 26 मार्च तक, जो नामांकन वापसी की अंतिम तिथि है, आपसी सहमति बनने पर उम्मीदवार पर्चे वापस ले सकते हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 24 मार्च 2026

ज्ञान को केवल दिमाग से प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसे अनुभव से भी प्राप्त किया जाना चाहिए।

ओशो, दार्शनिक

संकट विकट निकट है

तेल, गैस आपूर्ति के सुचारु रहने के आश्वासनों तथा सामान्य पेट्रोल, डीजल के दामों में बढ़ोतरी को कुशलतापूर्वक थामे रहने के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विकट संकट निकट आता दिख रहा है। पश्चिमी एशिया में तनाव और युद्ध का चौथा सप्ताह शुरू हो चुका है और युद्ध की तीव्रता मंद पड़ने की बजाय और भी तीव्रतर होती जा रही है। चौथे हफ्ते की शुरुआत ईरान द्वारा इजराइल पर भीषण हमले के जवाब से हुई, जो इजराइल के उसके परमाणु संयंत्र पर आक्रमण का प्रत्युत्तर था। उधर अमेरिका ने धमकी दी है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो वह ईरान के तमाम ऊर्जा संयंत्रों, पावर प्लांट को तबाह कर देगा। जवाब में ईरान ने भी अमेरिका को खाड़ी के देशों में उनके खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। हजारों किलोमीटर दूर डियागो गार्सिया पर ईरानी मिसाइल हमले के बाद यूरोप भी खौफजदा है, उसे लगता है कि लंदन और बर्लिन भी उसके निशाने पर आ सकते हैं। ब्रिटेन की परमाणु संचालित पनडुब्बी के अरब सागर में उतरने के बाद अब ब्रिटेन भी युद्ध में शामिल हो चुका है। ये सभी ऐसे संकेत हैं, जिससे लगता है कि शायद जंग जल्द खत्म नहीं होगी।

इस बीच डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट की चेतावनी चिंता बढ़ाने वाली है कि खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और आशंकित व्यवधानों के चलते दुनिया के कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट खड़ा हो सकता है। यह संकट यदि दो महीने और चला तो भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापक मंदी की शिकार हो सकती है। रिपोर्ट में व्यक्त यह चिंता वाकई काबिले गौर है कि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तथा होर्मुज जलडमरूमध्य इसी तरह बाधित रहा, तो देश का राजकोषीय घाटा बुरी तरह बढ़ेगा और सल्फर, हिलियम, मेथेनॉल,एल्यूमीनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी। रसायन, सेमीकंडक्टर तथा उर्वरक निर्माण उद्योग को गहरा धक्का लगेगा। साथ ही कृषि एवं खाद्य सुरक्षा पर भी बहुत बुरा असर दिखेगा। आम उपभोक्ता वस्तुओं के दाम भी बढ़ेंगे। तेल कीमतों की उछाल को नियंत्रित करने के लिए ऑल इंडिया डिस्टलर्स एसोसिएशन द्वारा पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथेनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश और इसे तीस फीसदी तक पहुंचाने की बात हो अथवा एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना, इस आसन्न संकट से निपटने के बहुत ठोस उपाय नहीं हैं और न ही अमेरिका से एलपीजी तथा रूस से कच्चे तेल लिए भारत पहुंचने वाले कुछ जहाज। अच्छी बात यह है कि भारत सरकार इस संकट के पूर्वानुमानों को लेकर सतर्क है। मंत्रालय ने कच्चे तेल की आपूर्ति के विकल्पों की तरफ देखा है और प्रधानमंत्री ने इस बात की सख्त ताकीद की है कि कालाबाजारी और जमाखोरी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने के साथ ही उपभोक्ताओं और उद्योगों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने के संकेत दिए। उम्मीद है यह सतर्कता संकट समाधान का स्थायी कारक बनेगी।

प्रसंगवश

टीबी: 2026 में भी सिस्टम के लिए चुनौती

ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) आज भी समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। सरकार लगातार नए इनोवेशन, दवा रेजीमेन और प्रोटोकॉल के जरिए ज्यादा से ज्यादा संक्रमित लोगों तक बेहतर इलाज पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद, वर्ष 2030 के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को दोबारा शुरू किए जाने के बाद भी सिस्टमिक और सामाजिक बाधाएं बनी हुई हैं, खासकर 2025 के लक्ष्य से पीछे रह जाने के बाद। ज्यादा मरीजों वाले जिलों में व्यापक स्क्रीनिंग की आवश्यकता साफ दिखाई देती है। दूर-दराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच के कारण डायग्नोसिस में देरी होती है, जिससे संक्रमण का फैलाव बढ़ता है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में कम रिपोर्टिंग भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि कई मरीज सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के दायरे में आ ही नहीं पाते।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

वाइस चेयरमैन
नेशनल टीबी टास्क फोर्स

सामाजिक और आर्थिक कारक भी टीबी के प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। कुपोषण, गरीबी व भीड़भाड़ जैसी परिस्थितियां, खासकर प्रवासी मजदूरों और कमजोर वर्गों में इस बीमारी को बढ़ावा देती हैं। इन चुनौतियों के बीच, पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। यह बदलाव केवल नई योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि टीबी को समझने और उससे निपटने के तरीके में परिवर्तन को दर्शाता है। घर-घर जाकर जांच, कमजोर वर्गों की पहचान व फ्रंटलाइन वर्करों की सक्रिय भागीदारी से मरीजों की समय पर पहचान संभव हो रही है। इसका परिणाम यह रहा कि वर्ष 2025 में 6.90 लाख टीबी मरीजों की पहचान की गई, जो निर्धारित लक्ष्य 6.75 लाख से अधिक है। डायग्नोसिस और उपचार में तकनीकी प्रगति ने इस अभियान को और मजबूती दी है। एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें दूरस्थ क्षेत्रों में संदिग्ध मरीजों की तुरंत पहचान कर रही हैं। मॉलिक्यूलर टेस्टिंग से जांच की सटीकता बढ़ी है, जबकि ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए छोटे और पूरी तरह मौखिक इलाज ने उपचार अवधि को लगभग दो साल से घटाकर 6-9 महीने कर दिया है। इससे मरीजों में इलाज का पालन बेहतर हुआ है और मृत्यु दर में कमी आई है। प्रिवेंटिव थेरेपी का विस्तार भी खासकर उच्च जोखिम समूहों में संक्रमण को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 1.83 लाख से अधिक निक्षय मित्र पंजीकृत हो चुके हैं। बुलंदशहर जैसे जिलों में संस्थाओं द्वारा सभी टीबी मरीजों को गोद लेने जैसी पहलें भी सामने आई हैं। ग्राम स्तर पर भी व्यापक भागीदारी देखने को मिल रही है। 20,000 से अधिक ग्राम प्रधानों ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में योगदान दिया है और हजारों पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। मोबाइल डायग्नोस्टिक वैन, हैंडहेल्ड एक्स-रे और एआई तकनीक के उपयोग से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। साथ ही, नियमित वल्नरेबिलिटी मैपिंग और एक्टिव केस फाइंडिंग से जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2030 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब स्वास्थ्य शिक्षा पर और अधिक जोर देना आवश्यक है। लोगों में जागरूकता बढ़ाकर ही टीबी के प्रति भय और कलंक को खत्म किया जा सकता है। साथ ही, जांच के लिए आवश्यक रीएजेंट और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी नवाचार और मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के संयुक्त प्रयासों से ही भारत को टीबी मुक्त बनाने का सपना साकार हो सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

युद्ध की तपिश से भारत भी सशंकित

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

अमेरिका व इजराइल का ईरान के साथ युद्ध अब भयावह हो चला है। विगत 28 फरवरी से ही वे एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर बम बरसा रहे हैं। युद्ध से तीनों देशों के धन-जन को काफी क्षति भी पहुंच रही है। इसकी विभीषिका का प्रभाव विश्व की समेकित ऊर्जा पर पड़ता दिख रहा है। इसके प्रत्यक्ष असर से भारत भी अछूता नहीं है। कच्चे तेल व एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) का एक बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत के समुद्र तटीय क्षेत्रों में बड़े जहाजों से आता है। होर्मुज ईरान व ओमान के मध्य स्थित करीब 33 किमी का महत्वपूर्ण संकरा समुद्री गलियारा दुनिया के करीब 25 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस के निर्यात का प्रमुख मार्ग है। वर्तमान में भारत के करीब 24 जहाज वहां फंसे हुए हैं। एलपीजी व कच्चे तेल से लदे उक्त जहाज यदि जल्द नहीं आएं तो यहां के विनिर्माण, परिवहन, खाद्य उत्पादन के अलावा ऊर्जा क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय। यहां वस्तुओं की कीमतें तो प्रभावित होंगी ही, उत्पादन व रोजगार पर भी खासा प्रभाव पड़ेगा।

> अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है?

अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है? अमेरिका की दादागिरी ने समूचे विश्व के आर्थिक तंत्र को झकझोर कर रख दिया है। करीब साढ़े 11 हजार किमी दूर ईरान से भला अमेरिका को किस बात का खतरा है कि वह इजराइल के साथ मिलकर उसे नेस्तनाबूद करने को युद्ध कर रहा? इसे गहराई से जानने के लिए अमेरिका का वेनेजुएला के कच्चे तेल भंडारों पर कब्जा तथा ग्रीनलैंड को हथियाने की उसकी मंशा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अमेरिका द्वारा खेला जा रहा तेल का खेल वास्तव में वैश्विक बाजार पर आधिपत्य का ही है। ईरान पर उसका हमला मध्य-एशिया में अमेरिकी प्रभाव में वृद्धि का ही है। ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को इस युद्ध ने कमजोर करने का काम किया है। क्योंकि कच्चे तेल से निर्मित पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात में भारत का स्थान विश्व में चौथा है। यदि इसे सुचारु रूप से कच्चा तेल नहीं मिल पाएगा, तो हमारी रिफाइनरियों का क्या होगा? तेज रफ्तार से बढ़ती हमारी अर्थव्यवस्था क्या गतिमान रह पाएगी? यह आने वाला समय ही बता पाएगा।

हमारे देश के लोग बिना कुछ सोचे-समझे राशनिंग को ढाल बनाने लगते हैं। सामान्य दिनों में यहां एलपीजी की औसत बुकिंग करीब 55 लाख सिलेंडर प्रतिदिन है, लेकिन कुछ गत कुछ दिनों में बुकिंग बढ़कर करीब 76 लाख सिलेंडर प्रतिदिन हो गई। आपदा में अवसर ढूंढने वाले स्वार्थी किस्म के लोगों को क्या यह नहीं समझना चाहिए कि कच्चा तेल और एलपीजी भारत बड़े पैमाने पर आयात करता है? कालाबाजारी से तो उसके ही बंधु-बांधव प्रभावित होंगे। देश में करीब 25 हजार गैस वितरक हैं। जाहिर है, इसमें कुछ राशनिंग को बढ़ावा देने वालों को लाभ देते हों, लेकिन संकटकाल के इस दौर में उन्हें भी ईमानदारी और पारदर्शिता दिखानी होगी। उक्त ईंधनों के असमान वितरण तथा पैनिक पैटर्न से हमें बचना ही होगा।

आम भारतीयों की सुविधा के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गत दिनों नियमित आवंटन से इतर करीब 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसीन का आवंटन कर दिया है। अपनी भूमिका को और सक्रिय करते हुए भारत सरकार के वन मंत्रालय और कोयला मंत्रालय ने भी चुनौती से निपटने को कमर कस ली है। युद्ध की विभीषिका के मध्य सरकार व प्रत्येक भारतीय को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि कच्चे तेल व एलपीजी का हमारे यहां विकल्प क्या हो सकता है? क्योंकि भारत में दोनों ईंधन बहुतायत में आयात किया जाता है। आत्मनिर्भर होकर अपनी ऊर्जा संप्रभुता की सुलभ राह खोजनी होगी। उक्त राह हमारे खेतों, गोशालाओं व हमारी उस परंपरा में छिपी है, जिसे हमने आधुनिकता की आड़ में पीछे धकेल दिया है। हमें अपने उपलब्ध पशुधन का उपयोग कर प्रतिवर्ष 60 हजार करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन बचाना होगा। आंकडे बताते हैं कि देश के पशुधन में 21,924 अरब किलोवाट ऊर्जा प्रतिवर्ष उत्पन्न करने की क्षमता है। अफसोसजनक यह कि हम उसका केवल 25 प्रतिशत भाग ही उपयोग कर पा रहे हैं।

यह भी जान लें कि एक देसी बैल की जोड़ी प्रतिवर्ष 247 लीटर डीजल का स्थान लेती है। पशु अपशिष्ट व कृषि अवशेषों से बायोगैस के रूप में तीन हजार से अधिक टेराजूल प्रतिदिन ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है, जो देश के 55 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्षम है। भारत के करीब 65 प्रतिशत घरों में भोजन बनाने को लकड़ी व उपलों का प्रयोग आज भी किया जाता है। हमारे लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि ऊर्जा की असली सुरक्षा किसी आयात समझौते में नहीं, अपितु अपनी मिट्टी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु और अपने पशुधन में है। अपेक्षा यह है कि हम उस 75 प्रतिशत ऊर्जा क्षमता को पहचानें और तेल संपन्न देशों की निर्भरता से पार पाएं। हमें बायोगैस संयंत्रों का भी विस्तार करना होगा। हमें किसानों में भी विश्वास भरना होगा कि भारत की ऊर्जा संप्रभुता उसके अपने खेतों में ही है। युद्ध ने हमें सशंकित तो किया है, तो आ अब लौट चलें... की तर्ज पर हम अपनी परंपरागत ऊर्जा का पूर्व की भांति उत्पादन करें। इसका संरक्षण कर आत्मनिर्भर बनें। ऐसा कर लेने के पश्चात न तो हम अमेरिका, रूस, ईरान पर निर्भर रहेंगे न ही वैश्विक युद्ध से सशंकित।

आमने सामने

भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से कितनी भी बाधाएं लगाए, कुछ भी कर ले, लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को ही चुनेगी। पश्चिम बंगाल में हर स्तर पर ममता बनर्जी ने काम किया है। ऐसे में ममता की ही सरकार वहां फिर से बनेगी।

-अखिलेश यादव,
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

अखिलेश यादव तो बिहार में तेजस्वी यादव को भी जिता रहे थे और अब वैसे ही वे पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को जिता रहे हैं। जिस तरह अखिलेश यादव के प्रचार के कारण तेजस्वी यादव हारे थे, अब वैसे ही ममता बनर्जी भी चुनाव हारेंगी।

-केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

युद्ध के बीच भारत में ऊर्जा आपूर्ति पर्याप्त व सुरक्षित

राजीव जैन

पूर्व महानिदेशक
पीआईबी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधाओं ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गहरे संकट में डाल दिया है। यह वही समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। हालात इतने गंभीर हैं कि एशिया के कई देशों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और उसका एक बड़ा भाग इसी मार्ग से आता है। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता व्यापक स्तर पर सामान्य बनी हुई है। यह स्थिति किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, सक्रिय कूटनीति और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के कुशल प्रबंधन का परिणाम है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है।

कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में ऊर्जा आपूर्ति "पर्याप्त और सुरक्षित" है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। भारत की ऊर्जा नीति का सबसे मजबूत आधार है स्रोतों का विविधीकरण। आज हमारा देश केवल खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं है, बल्कि रूस, अमेरिका, ब्राजील और अफ्रीका के कई देशों से तेल आयात कर रहा है। हाल के घटनाक्रम में यह भी देखा गया कि रूस और अन्य वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाकर भारत ने आपूर्ति संतुलन बनाए रखा। सरकार के प्रयासों से अब लगभग 70 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर के मार्गों से किया जा रहा है, जिससे जोखिम काफी कम हुआ है। मजबूत भंडार और मजबूत रिफाइनिंग क्षमता के कारण भारत ने इस संकट से पहले ही अपनी रणनीतिक तैयारी मजबूत कर ली थी। देश के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं, जो अल्पकालिक झटकों को संभालने में सक्षम हैं। साथ ही, भारत की मजबूत रिफाइनिंग क्षमता जो दुनिया में अग्रणी है, घरेलू मांग को पूरा करने के साथ अतिरिक्त उत्पादन की भी क्षमता रखती है। संकट के दौरान सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें तेल कंपनियों को घरेलू मांग को प्राथमिकता देने के निर्देश, रिफाइनरियों को अधिकतम उत्पादन बढ़ाने के आदेश के अलावा एलपीजी आपूर्ति को घरेलू उपयोग के लिए प्राथमिकता देना तथा रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए डेटा साझा करने की व्यवस्था की गई है। इन कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि संकट का असर आम नागरिक तक न्यूनतम पहुंचे। रसोई गैस की कोई परेशानी आम आदमी को कतई न होने पाए इसका व्यापक प्रबंध किया गया है।

> कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया।

पीएम मोदी ने गत दिनों कहा भी था कि भारत में एलपीजी की स्थिति को लेकर दहशत फैलाने वालों से देशवासियों को सतर्क रहना चाहिए। झूठी सूचना फैलाने वाले न केवल जनता के सामने अपनी पोल खोल रहे हैं, बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे ऐसे समय में कालाबाजारियों और जमाखोरों को रोकने के लिए अपनी निगरानी सख्त कर दें। इसी बीच सरकार की ओर से घोषणा की गई है कि राज्यों को एलपीजी के विकल्प के रूप में 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसिन आवंटित कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों के लिए दो एलपीजी सिलेंडर बुक करने के बीच की अंतरिम अवधि 25 दिन ही रहेगी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इसे बढ़ाकर 45 दिन कर दिया गया है। एलपीजी के मोर्चे पर स्थिति सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि भारत अपनी बड़ी आवश्यकता आयात से पूरी करता है। फिर भी सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, औद्योगिक उपयोग में अस्थायी कटौती की और वैकल्पिक आयात बढ़ाकर आपूर्ति संतुलित रखी। मूल्य स्थिरता से आम उपभोक्ता को राहत दी गई है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद भारत में कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा। पीएम मोदी ने बार-बार स्पष्ट किया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है।

इसी दृष्टिकोण के तहत भारत ने तीन प्रमुख स्तंभों पर काम किया। पहला, आपूर्ति का विविधीकरण, दूसरा रणनीतिक भंडारण तथा तीसरा वैकल्पिक ऊर्जा इथेनॉल व गैस आधारित वैकल्पिक ऊर्जा की व्यवस्था। जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, भारत ने संतुलित नीति, समयबद्ध निर्णय और मजबूत प्रशासनिक समन्वय के जरिए स्थिति को संभाला है। उक्त उदाहरण दर्शाते हैं कि यदि नेतृत्व स्पष्ट हो, नीति दूरदर्शी हो और निर्णय समय पर लिए जाएं, तो सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों को भी प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह सिद्ध किया है कि संकट के समय भी आम नागरिक का हित सर्वोच्च प्राथमिकता रह सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

युद्ध का परिणाम

युद्ध जीवन और प्रकृति का विनाश कर रहा है, चारों ओर आग की लपटें और धुआं हैं, चारों ओर हाहाकार हो रहा है, लेकिन तृष्णा का अंत अभी भी नहीं दिख रहा है, संसार के नेता टुकुर-टुकुर देख रहे हैं, विश्वजनमत सो रहा है, संयुक्त राष्ट्र की भावना मूर्च्छित है। सभ्यता हार रही है और बर्बरता जीत रही है। विवेक सो रहा है और अविवेक का नशा सिर पर चढ़ गया है। महायुद्ध नहीं है, किंतु जो विध्वंस प्रतिदिन हो रहा है, वह कुछ कम नहीं है। यह कहीं पर से भी विश्व के कल्याण के लिए सही नहीं ठहराया जा सकता है।

डॉ. राजेन्द्र रंजन चतुर्वेदी

वरिष्ठ लेखक

यह सब जो हो रहा है, वह एकाएक नहीं हो रहा है, इसका कारण संसार की वह राजनीति है, जो अभी तक अंदर ही अंदर चल रही थी और अभी भी चल रही है, यह अंदर ही अंदर सुलगने वाली उस राजनीति का विस्फोट है। भले ही वह मजहबी उन्माद की राजनीति हो या आर्थिक साम्राज्यवाद की राजनीति हो। मजहबी आतंक कट्टरता और संकीर्णता की संतान है, तो बाजारवाद, आर्थिक साम्राज्यवाद का आतंक तृष्णा और प्रभुता का विस्फोट है, वह इंसान और प्रकृति दोनों एको कच्चा माल समझता है। अभिमान का कैसा मद है कि वह कह रहा है कि इस देश का नाम दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। पर्यावरण प्रदूषण का संकट इसी अविवेक और जड़ता का परिणाम है, जिसकी वजह से जलवायु परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राजनीति का पतन हुआ है कि वह दायरों को देख रही है, किंतु मनुष्य को नहीं देख पा रही है। दुष्ट प्रकृति के लोग युद्ध में भी व्यक्तिगत स्वार्थ या लाभ देख रहे हैं। वे लोग युद्ध से भी मुनाफा कमाएंगे। यदि ऐसा न होता, तो शायद युद्ध ही न होता और यदि युद्ध होता, तो अब तक युद्ध के विरुद्ध जनमत खड़ा हो जाता।

यह सही है कि तकनीकी और विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, मौसम की सटीक भविष्यवाणी प्रतिदिन आ जाती है, अब कोई तकनीकी और विज्ञान संसार के राजनेताओं को इस युद्ध का परिणाम समझा सके तो बहुत अच्छी बात होगी। युद्ध में हारने वाला तो हारेगा ही, जीतने वाला भी हारेगा, किंतु सबसे बड़ी हार तो मनुष्य और मनुष्यता की होगी। सामान्य जन की जिंदगी और अधिक कठिन हो जाएगी।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

वैश्विक शक्ति के रूप में उभरता ईरान

अमेरिका और इजराइल के ईरान के विरुद्ध जारी युद्ध को 24 दिन पूरे हो चुके हैं। जैसे-जैसे यह संघर्ष आगे बढ़ रहा है, ईरान की शक्ति के विविध आयाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। इस जंग में ईरान कूटनीतिक, सैनिक, भू-राजनीतिक तथा तकनीकी स्तर पर अमेरिका और इजराइल की अपेक्षाओं के विपरीत अधिक प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। अमेरिकी हवाई हमलों और बमबारी के जवाब में ईरान ने पूरे मध्य-पूर्व में अमेरिकी ठिकानों, तेल-गैस रिफाइनरियों और आधारभूत ढांचे को निशाना बनाया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ा है।

ईरान की आक्रामक सैन्य और मिसाइल क्षमता यह संकेत देती है कि उसके पास अत्याधुनिक हथियारों का भंडार और उन्नत तकनीक मौजूद है। उसकी मिसाइलों की मारक क्षमता लगातार बढ़ती दिख रही है। तेहरान से हजारों किलोमीटर दूर तक हमले की क्षमता प्रदर्शित कर उसने यह स्पष्ट किया है कि उसकी पहुंच यूरोप तक हो सकती है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती देने का संकेत भी है। रणनीतिक दृष्टि से होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान का सबसे बड़ा हथियार बनकर उभरा है। इस मार्ग पर उसकी पकड़ ने विश्व शक्तियों को यह अहसास कराया है कि ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों पर नियंत्रण कितना निर्णायक हो सकता है। तेल और गैस के परिवहन में बाधा आने से अनेक देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और इसका असर आम नागरिकों के दैनिक जीवन तक पहुंच रहा है।

बीना नयाल

शिक्षिका, हल्द्वानी

यह संघर्ष भले ही ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच है, लेकिन इसकी तपिश पूरी दुनिया महसूस कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विभिन्न देशों के रुख से भी यह स्पष्ट है कि वे प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होने से बचना चाहते हैं। कई राष्ट्र मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि उनका प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्ध के चलते ईरान अब एक मजबूत सौदेबाजी की स्थिति में पहुंचता दिखाई दे रहा है। उस पर लगे आर्थिक और सैन्य प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में परिस्थितियां उसके पक्ष में बन रही हैं। साथ ही, तेल व्यापार को वैकल्पिक मुद्राओं में करने की उसकी रणनीति वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, विशेषकर डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देती है। इससे अमेरिका की आर्थिक और कूटनीतिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। इस युद्ध ने यह भी दिखाया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक शक्ति का भी होता है। लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और कई देशों की विकास यात्रा को पीछे धकेल सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में दोनों पक्षों का कठोर रुख युद्धविराम की संभावनाओं को जटिल बना रहा है। स्थिति यदि और बिगड़ती है, तो यह संघर्ष व्यापक और विनाशकारी रूप ले सकता है। ऐसे में केवल वही देश प्रभावी मध्यस्थ बन सकते हैं, जिनकी विदेश नीति संतुलित, विश्वसनीय और शांति पर आधारित रही है। यह युद्ध केवल भू-राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, रणनीतिक हितों और वैश्विक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो इसके परिणाम दूरगामी और अत्यंत गंभीर हो सकते हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बरेली की आध्यात्मिक पहचान जिन कुछ प्राचीन तीर्थस्थलों से निर्मित होती है, उनमें धोपेश्वर नाथ मंदिर का स्थान अत्यंत विशिष्ट, प्राचीन और श्रद्धा से परिपूर्ण है। यह केवल एक शिव मंदिर नहीं, बल्कि समय, साधना, लोकआस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत केंद्र है। इस मंदिर के प्रांगण में प्रवेश करते ही एक ऐसा अनुभव होता है मानो अनेक शताब्दियों की आराधना आज भी वातावरण में स्पंदित हो रही हों। मंदिर की घंटियों की ध्वनि, शिवलिंग पर निरंतर चढ़ता जल, धूप की सुगंध, प्राचीन वृक्षों की छाया और भक्तों की मौन प्रार्थनाएं इस स्थल को एक अद्वितीय दिव्यता प्रदान करती हैं। धोपेश्वर नाथ केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि बरेली की आत्मा में बसने वाला वह आध्यात्मिक केंद्र है, जहां पीढ़ियां अपनी आशा, आस्था और भावनाएं समर्पित करती रही हैं।

डॉ. तनु जैन
सीईओ, बरेली छावनी

मंदिर से जुड़ी कथा

धोपेश्वर नाथ मंदिर से जुड़ी एक अत्यंत भावनात्मक कथा केदार नाथ टंडन की भी है, जो आज भी भक्तों में श्रद्धा से सुनाई जाती है। वे एक साधारण मुनीम थे, जो प्रतिदिन मंदिर आकर भगवान शिव के समक्ष अपनी जीवन की कठिनाइयां रखते थे। एक दिन एक संत ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनकी भक्ति शीघ्र ही उनको सामान्य जीवन से उठाकर समृद्धि के उच्च स्तर पर ले जाएगी। कुछ समय बाद उन्हें असम जाकर व्यापार प्रारंभ करने का अवसर मिला। वहां वे अत्यंत सफल हुए, किंतु समृद्धि के बीच भी उनका मन धोपेश्वर नाथ से जुड़ा रहा। वे प्रत्येक श्रावण मास में बरेली आकर दर्शन करते, दान देते, भंडारा कराते और अंततः असम में भी धोपेश्वर नाथ नाम से शिवलिंग स्थापित कर मंदिर बनवाया। यह कथा आज भी इस मंदिर को "जीवन बदलने वाली कृपा" के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

धोपेश्वर नाथ मंदिर

ऐतिहासिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगम

पांचाल भूभाग का हिस्सा

स्थानीय परंपराओं और जनश्रुतियों के अनुसार इस मंदिर की पौराणिक जड़ें प्राचीन पांचाल राज्य से जुड़ी मानी जाती हैं। यह संपूर्ण क्षेत्र महाभारत कालीन पांचाल भूभाग का हिस्सा माना जाता है, जहां राजा द्रुपद का राज्य था और जहां से उनकी पुत्री द्रौपदी का गौरवशाली इतिहास जुड़ता है। लोकमान्यता है कि अपने जीवन के संघर्षपूर्ण समय में द्रौपदी ने इस क्षेत्र में स्थित शिवस्थलों पर भगवान शिव की उपासना की थी और धोपेश्वर नाथ में जल, पुष्प और श्रद्धा अर्पित कर अपने जीवन के लिए शक्ति, संरक्षण और न्याय की प्रार्थना की थी। यह कथा केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, धैर्य और आंतरिक सामर्थ्य का प्रतीक बन चुकी है। आज भी अनेक महिलाएं यहां आकर यह अनुभव करती हैं कि द्रौपदी की भांति यहां की प्रार्थना जीवन को संबल देती है। धोपेश्वर नाथ इस दृष्टि से वह स्थल बन जाता है, जहां शिव केवल देवता नहीं, बल्कि पीड़ा को सुनने वाले करुणामय साक्षी बन जाते हैं।

नाथ परंपरा

मंदिर की प्राचीनता को स्थानीय स्तर पर प्राप्त कुछ पुरातात्विक संकेत भी पुष्ट करते हैं। मंदिर परिसर और उसके आसपास समय-समय पर प्राचीन शिलाखंड, पुरानी मूर्तियों के अवशेष तथा पत्थर पर उत्कीर्ण आकृतियां प्राप्त होने की बातें स्थानीय लोगों द्वारा कही जाती रही हैं। इन अवशेषों की शैली यह संकेत देती है कि यह क्षेत्र संभवतः किसी प्राचीन मंदिर समूह अथवा आध्यात्मिक संरचना का भाग रहा होगा। यद्यपि इस क्षेत्र में व्यापक वैज्ञानिक उत्खनन सीमित है तथापि स्थानीय स्मृतियों में सुरक्षित ये पुरातात्विक चिह्न यह बताते हैं कि धोपेश्वर नाथ की आराधना केवल कुछ पीढ़ियों पुरानी नहीं, बल्कि अनेक कालखंडों को पार करती हुई वर्तमान तक पहुंची है। धोपेश्वर नाथ का महत्व केवल पौराणिक नहीं, बल्कि नाथ परंपरा के कारण भी अत्यंत विशिष्ट है। बरेली क्षेत्र लंबे समय से साधना, योग और तपस्या की भूमि माना जाता रहा है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यहां धूम्र ऋषि जैसे महात्माओं ने तप किया और बाद में उनके शिष्यों ने इस क्षेत्र को साधना-केंद्र के रूप में विकसित किया। जहां आज आर. एन. टैगोर इंटर कॉलेज स्थित है, उस क्षेत्र को भी कभी ऋषियों की तपोभूमि माना जाता है। कहा जाता है कि यहां आश्रम थे, जहां दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा और अनुशासन ग्रहण करने आते थे। साधना और शिक्षा का यह अद्भुत संगम इस क्षेत्र को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है।

बाबा हरदेव तालाब

स्थानीय परंपरा में बाबा हरिहर देव का उल्लेख विशेष श्रद्धा से किया जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने अपने गुरु की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यहां एक विशाल आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। विद्यार्थियों के लिए तालाब बनवाया गया, जिसके चारों ओर 108 पीपल के वृक्ष लगाए गए। यह तालाब आज भी बाबा हरदेव तालाब के रूप में स्मृतियों में जीवित है। इसके आसपास आम, अमरूद, कटहल, जामुन, अंजीर, केला आदि के वृक्ष लगाए गए, जिससे यह क्षेत्र प्रकृति और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम बन गया। यह बताता है कि यहां केवल पूजा नहीं होती थी, बल्कि जीवन को संतुलित, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने की व्यवस्था भी थी।

नाथ नगरी कॉरिडोर

वर्तमान समय में धोपेश्वर नाथ मंदिर बरेली के सबसे सक्रिय आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां विशाल जनसमूह उमड़ता है। भक्त दूर-दूर से गंगाजल लेकर आते हैं। मंदिर परिसर में "हर हर महादेव" की गूंज, शिव स्तुति, रुद्राभिषेक और भक्ति का प्रवाह वातावरण को अत्यंत दिव्य बना देता है। अनेक परिवार पीढ़ियों से यहां आकर अपने बच्चों को भी इस परंपरा से जोड़ते हैं। हाल के वर्षों में मंदिर का महत्व और अधिक बढ़ा है, क्योंकि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अनेक प्राचीन धार्मिक स्थलों को समग्र विकास से जोड़ने का प्रयास हुआ है। इसी क्रम में बरेली के लिए नाथ नगरी कॉरिडोर की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य केवल मंदिर तक पहुंच बनाना नहीं, बल्कि नाथ परंपरा से जुड़े प्रमुख स्थलों, मंदिरों, प्राचीन तालाबों, मार्गों और सांस्कृतिक बिंदुओं को एक समग्र आध्यात्मिक मानचित्र में जोड़ना है। नाथ नगरी कॉरिडोर के अंतर्गत धोपेश्वर नाथ मंदिर का विशेष स्थान माना जा रहा है, क्योंकि यह बरेली की प्राचीन शिव परंपरा का केंद्रीय स्थल है। यदि यह परियोजना पूर्ण रूप से विकसित होती है, तो मंदिर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण, पारंपरिक शैली की प्रकाश व्यवस्था, तीर्थयात्री सुविधाएं, विरासत-उन्मुख मार्ग, सांस्कृतिक सूचना पट्ट और पर्यावरणीय संरक्षण जैसे अनेक कार्य संभव होंगे। इससे बरेली की आध्यात्मिक पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त होगी।

जीवित विश्वास का मंदिर

वर्तमान समय में स्थानीय प्रशासनिक दृष्टि से भी इस क्षेत्र के प्रति संवेदनशीलता बढ़ी है। डॉ. तनु जैन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बरेली छावनी, द्वारा आसपास के सांस्कृतिक और विरासत-संबद्ध स्थलों को गरिमा और स्वच्छता के साथ विकसित करने की दृष्टि इस व्यापक विरासत चेतना से जुड़ती है। यह समझ अत्यंत महत्वपूर्ण है कि किसी मंदिर की पवित्रता केवल उसके गर्भगृह तक सीमित नहीं होती, उसके आसपास का वातावरण, स्वच्छता, हरियाली और सार्वजनिक गरिमा भी उसकी आध्यात्मिक अनुभूति को गहरा करती है। धोपेश्वर नाथ मंदिर आज केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत आस्था और भविष्य की सांस्कृतिक दिशा है। यहां द्रौपदी की मौन प्रार्थना की कल्पना है, ऋषियों की तपस्या है, नाथ संतों की साधना है, साधारण भक्तों की बदली हुई नियति है, प्राचीन मूर्तियों की मौन गवाही है और आधुनिक समय की नई आध्यात्मिक पुनर्स्थापना की संभावना है। जब कोई भक्त शिवलिंग के सामने खड़ा होकर जल अर्पित करता है, तब वह केवल पूजा नहीं करता-वह स्वयं को शताब्दियों पुरानी उस आस्था से जोड़ देता है, जो पीढ़ियों से यहां प्रवाहित हो रही है। यही धोपेश्वर नाथ की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मंदिर केवल पत्थरों का नहीं, बल्कि जीवित विश्वास का मंदिर है।

पौराणिक कथा

श्रीकृष्ण के प्रेम में दीवानी मीराबाई

भारत का राजस्थान प्रांत वीरों की खान कहा जाता है, पर इस भूमि को श्रीकृष्ण के प्रेम में अपना तन-मन और राजमहलों के सुखों को ठोकर मारने वाली मीराबाई ने भी अपनी चरण रज से पवित्र किया है। हिन्दी साहित्य में रसपूर्ण भजनों को जन्म देने का श्रेय मीरा को ही है। साधुओं की संगत और एकतारा बजाते हुए भजन गाना ही उनकी साधना थी। मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई.. गाकर मीरा ने स्वयं को अमर कर लिया। मीरा का जन्म मेड़ता के राव रत्नसिंह के घर 23 मार्च, 1498 को हुआ था। जब मीरा तीन साल की थी, तब उनके पिता का और दस साल की होने पर माता का देहांत हो गया। जब मीरा बहुत छोटी थी, तो एक विवाह के अवसर पर उसने अपनी मां से पूछा कि मेरा पति कौन है? माता ने हंसी में श्रीकृष्ण की प्रतिमा की ओर इशारा कर कहा कि यही तेरे पति हैं। भोली मीरा ने इसे ही सच मानकर श्रीकृष्ण को अपने मन-मंदिर में बैठा लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्य भूषण, बरेली

माता और पिता की छत्रछाया सिर पर से उठ जाने के बाद मीरा अपने दादा राव दूदाजी के पास रहने लगीं। उनकी आयु की बालिकाएं जब खेलती थीं, तब मीरा श्रीकृष्ण की प्रतिमा के सम्मुख बैठी उनसे बात करती रहती थी। कुछ समय बाद उसके दादा जी भी स्वर्गवासी हो गए। अब राव वीरमदेव गद्दी पर बैठे। उन्होंने मीरा का विवाह चित्तौड़ के प्रतापी राजा राणा सांगा के बड़े पुत्र भोजराज से कर दिया। इस प्रकार मीरा ससुराल आ गई, पर अपने साथ वह अपने इष्टदेव श्रीकृष्ण की प्रतिमा लाना नहीं भूली। मीरा की श्रीकृष्ण भक्ति और वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक बीत रहा था। राजा भोज भी प्रसन्न थे, पर दुर्भाग्यवश विवाह के दस साल बाद राजा भोजराज का देहांत हो गया। अब तो मीरा पूरी तरह श्रीकृष्ण को समर्पित हो गईं। उनकी भक्ति की चर्चा सर्वत्र फैल गई। दूर-दूर से लोग उनके दर्शन को आने लगे। पैरों में घुंघरू बांध कर नाचते हुए मीरा प्रायः अपनी सुधबुध खो देती थीं। मीरा की सास, ननद और राणा विक्रमाजीत को यह पसंद नहीं था। राज-परिवार की पुत्रवधू इस प्रकार बेसुध होकर आम लोगों के बीच नाचे और गाए, यह उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध था। उन्होंने मीरा को समझाने का प्रयास किया, पर वह तो सांसारिक मान-सम्मान से ऊपर उठ चुकी थीं। उनकी गतिविधियों में कोई अंतर नहीं आया। अंततः राणा ने उनके लिए विष का प्याला श्रीकृष्ण का प्रसाद कहकर भेजा। मीरा ने उसे पी लिया, पर सब हैरान रह गए, जब उसका मीरा पर कुछ असर नहीं हुआ। राणा का क्रोध और बढ़ गया। उन्होंने एक काला नाग पिटारी में रखकर मीरा के पास भेजा, पर वह नाग भी फूलों की माला बन गया। अब मीरा समझ गई कि उन्हें मेवाड़ छोड़ देना चाहिए। अतः वह पहले मथुरा-वृंदावन और फिर द्वारका आ गईं। इसके बाद चित्तौड़ पर अनेक विपत्तियां आईं। राणा के हाथ से राजपाट निकल गया और युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई।

यह देखकर मेवाड़ के लोग उन्हें वापस लाने के लिए द्वारका गए। मीरा आना तो नहीं चाहती थी, पर जनता का आग्रह वे टाल नहीं सकीं। वे विदा लेने के लिए रणछोड़ मंदिर में गईं, पर पूजा में वे इतनी तल्लीन हो गईं कि वहीं उनका शरीर छूट गया। इस प्रकार 1573 ई. में द्वारका में ही श्रीकृष्ण की दीवानी मीरा ने अपनी देहलीला समाप्त की।

मां नंदादेवी भक्तों को सपने में देती हैं दर्शन

अल्मोड़ा में स्थित मां नंदा देवी का पावन मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। यहां स्थापित मां नंदा देवी को शैलपुत्री का रूप माना जाता है। अल्मोड़ा की नंदा देवी चंद वंश राजाओं की कुलदेवी हैं, जो आज भी अपने भक्तों को सपने में दर्शन देती हैं और उनकी मनोकामना पूरी करती हैं। पुजारी तारा दत्त जोशी बताते हैं कि यह मंदिर प्राचीन काल का है और माता की मूर्ति की स्थापना इस प्रांगण में करीब 200 साल पहले की गई थी। इससे पहले नंदा देवी को मल्ला महल में पूजा जाता था। उसके बाद इस प्रांगण में माता की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। तब से लेकर आज तक यहां माता की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में हर महीने हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के द्वारा यह भी कहा जाता है कि माता ने उन्हें सपने में आकर दर्शन दिए, जिसके बाद वह इस मंदिर तक पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि चंद वंशज राज परिवार मां नंदादेवी को अपनी कुल देवी के रूप में पूजन करते है।

-रमेश जड़ौत, अल्मोड़ा

200 अशर्फियों को गलाकर हुई मंदिर की स्थापना

नंदादेवी मंदिर समिति संयोजक अर्जुन बिष्ट ने बताया कि 1670 में बाज बहादुर चंद बधानगढ़ से नंदादेवी की स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए थे। 1699 में राजा ज्ञानचंद भी बधानकोट से एक स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए। 1710 में राजा जगत चंद को बधानकोट विजय के अवसर पर नंदादेवी की प्रतिमा प्राप्त नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने अपने खजाने से 200 अशर्फियों को गलाकर नंदादेवी की प्रतिमा का निर्माण कराया और इन्हें मल्ला महल स्थित नंदादेवी मंदिर में प्रतिष्ठित कराया। जिस परिसर में वर्तमान नंदादेवी मंदिर स्थित है, वहां पर 1690-91 में तत्कालीन नरेश उद्योत चंद ने दो शिव मंदिर उद्योत चंद्रेश्वर और पार्वती चंद्रेश्वर बनाए। अंग्रेजी शासनकाल में 1815 में तत्कालीन कमिश्नर ट्रेल ने उन्हें उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर में रखवा दिया। इसके बाद कमिश्नर ट्रेल उनकी आंखों की रोशनी अचानक काफी कम हो गई। कुछ लोगों की सलाह पर उन्होंने अल्मोड़ा आकर 1816 में नंदादेवी का मंदिर बनवाकर (वर्तमान मंदिर) वहां नंदादेवी की मूर्ति स्थापित कराई। उसके बाद उनके आंखों की रोशनी लौट आई।

मंदिरों में खजुराहो कलाकृति

नंदादेवी मंदिर अल्मोड़ा की मंदिर की निर्माण शैली भी काफी पुरानी है। यहां उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर की स्थापना 17 वीं शताब्दी के अंत में मानी जाती है। उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर के ऊपरी हिस्से में एक लकड़ी का छज्जा है। मंदिर में बनी कलाकृति खजुराहो मंदिरों की तर्ज पर है। ये मंदिर संरक्षित श्रेणी में शामिल हैं।

चंद वंशज करते हैं तांत्रिक पूजा

अल्मोड़ा में मां नंदा की पूजा-अर्चना तारा शक्ति के रूप में तांत्रिक विधि से करने की परंपरा है। पहले से ही विशेष तांत्रिक पूजा चंद शासक व उनके परिवार के सदस्य करते आए हैं। वर्तमान में चंद वंशज नैनीताल के पूर्व सांसद स्व. केसी सिंह बाबा का परिवार राजा के रूप में पूजा में बैठते हैं।

बोधकथा

लालच का अंत

एक समय की बात है, एक छोटे से गांव में रामू नाम का किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन उसकी एक बुरी आदत थी-उसे हमेशा और अधिक पाने की लालसा रहती थी, जो उसके पास था, उससे वह कभी संतुष्ट नहीं होता था। एक दिन खेत में काम करते हुए उसे जमीन के अंदर एक चमकती हुई सोने की मूर्ति मिली।

रामू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सोचा, "अब तो मेरी किस्मत बदल गई।" वह मूर्ति को घर ले आया और उसे बेचकर बहुत सारा धन कमा लिया। अब उसके पास अच्छे कपड़े, बड़ा घर और ढेर सारी सुविधाएं थीं, लेकिन कुछ ही दिनों में उसका मन फिर असंतुष्ट हो गया। उसने सोचा, "अगर मुझे एक मूर्ति मिल सकती है, तो और भी मिल सकती हैं।" लालच में आकर वह रोज अपने खेत की खुदाई करने लगा। वह खेती पर ध्यान देना भूल गया।

दिन बीतते गए, खेत बर्बाद हो गया, फसल नष्ट हो गई और घर का खर्च भी बढ़ता गया, जो पैसा उसने मूर्ति से कमाया था, वह धीरे-धीरे खत्म होने लगा। अब रामू के पास न खेत बचा, न पैसा। एक दिन वह थककर बैठ गया और सोचने लगा, "मैंने क्या खो दिया?" तभी उसके गांव का एक बुजुर्ग उसके पास आया और बोला, "रामू, प्रकृति ने तुम्हें मेहनत से कमाने का रास्ता दिया था, लेकिन तुमने लालच में आकर उसे छोड़ दिया।" रामू को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने फिर से अपने खेत को संवारना शुरू किया, मेहनत की और धीरे-धीरे उसकी हालत सुधरने लगी। अब उसने तय कर लिया कि वह जो मिलेगा, उसमें संतोष रखेगा और मेहनत से ही आगे बढ़ेगा। कथा से सीख मिलती है कि लालच इंसान को उसके मूल रास्ते से भटका देता है। सच्ची सफलता मेहनत और संतोष में ही छिपी होती है।

मर्यादा, करुणा और आदर्श के शाश्वत प्रतीक श्रीराम

गोस्वामी जी ने लिखा है- विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। उल्लेख मिलता है कि इक्ष्वाकु वंशीय, अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ ने चौथेपन में पुत्र-प्राप्ति के लिए पुत्रेष्ठि यज्ञ किया, जिसके फलस्वरूप श्रीहरि के सातवें अवतार के रूप में श्रीरामचंद्र उनको पुत्र-रूप में प्राप्त हुए। एक मां के ममत्व की दृष्टि से रानी कौशल्या ने प्रगट हुए श्रीहरि के विशायकाय रूप को देखकर अनुरोध किया कि आप मेरे गर्भ से जन्म लेकर शिशु-लीला कीजिए। मेरे वात्सल्य-स्नेह की पूर्णता तो आपके बालरूप में ही प्राप्त होगी। इस संदर्भ में कौशल्या सहित अन्य समस्त नारी समाज के लिए भी यह अवसर उसके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सार्थकता प्रदान करने वाला होता है, जब वह मां बनती हैं। तदनंतर श्रीहरि कौशल्या के गोद में नवजात शिशु की भांति चैत्र मास के शुक्ल पक्ष, तिथि नवमी, पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न की शुभ मुहूर्तबेला में जन्म लेते हैं। यही दिन चैत्र नवरात्रि के पवित्र दिवस (नवमी) शक्ति उपासना-आराधना के विराम का भी होता है।

रामकथा में वनवास- प्रसंग को मूलतः संसारी जीवों के अनेक उतार-चढ़ाव, उथल-पुथल और झंझावातों के बीच से संतुलन बनाकर निकलने के सांकेतिक निष्कर्ष के रूप में ही ग्रहण करना चाहिए, जिसे प्रभु राम भरपूर, सानंद जीते हैं तथा 14 वर्ष के दीर्घ अंतराल तक तापस-वेष में जंगल-जंगल घूमने वाले श्रीराम स्वयं में इस यथार्थ के प्रतीक हैं कि अपने-अपने हिस्से का वनवास तो सबको स्वयं ही काटना पड़ेगा। अपने हालात पर किसी को दोष न देना और सत्साहस से उसका मुकाबला करते हुए परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर लेने का सबक उन्हीं से सीखना चाहिए। कंटकाकीर्ण पथ पर आम और खास सब एक समान हैं। अपने कर्म व प्रारब्ध की गति पर पर सभी को तैयार रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

रामजी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण व ग्रहणीय पक्ष यही है कि आप जीवन को दीन-दुखियों, जरूरतमंदों और हाशिये पर जी रहे लाखों लोगों के लिए प्रेरक कैसे बन सकते हैं। उनको मुख्यधारा में लाकर सम्मानित जीवन का उजाला कैसे प्रदान कर सकते हैं। श्रीराम ने चौदह वर्ष के जंगल-प्रवास को इसी संकल्प के साथ जिया। चाहे वह केवटराज को अपने स्नेह से अत्यंत प्रिय बना लेना हो, चाहे जनम-जनम से हरिदर्शन की भूखी एकनिष्ठ स्नेही-शबरी की कुटिया में जाकर उनके जूठे बैर खाना हो या वानर जाति, जो एक से दूसरी शाखा पर उछलकूद करके जीवन गुजार देते हैं, उनसे मैत्री कर भार्या सीता की खोज व प्राप्ति का पूरा श्रेय उन्हें देने का हो। श्रीराम की यह भिन्न-भिन्न गुण, धर्म, जाति व संस्कृति के साथ सर्वग्राहकता अद्भुत और अनूठी है। राजा न होते हुए भी उन्होंने सबको एक मंच पर अन्याय के विरुद्ध एकत्र कर लिया। लंकाधिपति को अयोध्या या अन्य राजाओं की सैन्य मदद से भी परास्त किया जा सकता था, परंतु राम जी ने ऐसा नहीं किया। कारण स्पष्ट है उन्होंने बिखरी हुई जनशक्ति को सही दिशा दी। महाबली के घमंड को माटी में मिलाना गुणनिधान के उसी चिंतन का प्रतिफल है। राम रथविहीन हैं, वानरों की सेना के सहारे, तापस वेषधारी हैं, सैन्य साजोसामान से वंचित हैं, किंतु स्त्री-अस्मिता की लड़ाई के लिए जो साहस और इरादे की जरूरत होती है, उनमें भरी हुई है। संपूर्ण रामकथा को पढ़ाते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि वे अंतिम समय तक युद्ध को टालते के विकल्पों पर विचार विमर्श करते रहे। आज पूरी दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, चंद सिरफिरों के अहंकार और वर्चस्व की आग में खाड़ी के कई देश जल रहे हैं। ऐसे में राम का चरित्र, राम का आचरण और उनकी महानता से अहंकारी और लालची देशों को सबक लेना चाहिए कि उन्होंने जो अपनी ताकत इकट्ठा कर रखी है, वह दूसरे को भयभीत करने में नहीं, परस्पर सहयोग वह सामंजस्य में ही उसका सदुपयोग करें।

हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम राजाओं-महाराजाओं के ऐश्वर्यवादी जीवन से दूर केवल एक पत्नीव्रती हैं। पत्नी को सुरक्षित कैद से मुक्ति दिलाने हेतु रावण के एक लाख पूत सवा लाख नाती, ता रावन घर दिया न बाती की कहावत को उन्होंने चरितार्थ किया। सत्य की इसी स्थापना की पूर्ति के लिए ही तो उनका अवतार हुआ था। वे तभी तो जन-जन के प्रिय और आदर्श बन गए। जानकी के कंठाभूषण और प्रजापालक ऐसे कि प्रजा के सवाल खड़ा करने पर बिना देर किए उसी प्राणबल्लभा जानकी को त्यागने मे तत्पर हो गए। यह किसी और राजा-महाराजा के वश की बात नहीं, प्रजा को प्राणों की तरह मानने वाले प्रभु राम प्राण-प्यारी माता सीता को भी निर्वासन देने में नहीं हिचके। वस्तुतः आज के समय में जो अपनी प्रजा (जनमानस) की आर्त-पुकार अनसुना कर दे, उसे श्रीराम को हृदयंगम करना चाहिए।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	72,696.39	22,512.65
गिरावट	1,836.57	601.85
प्रतिशत में	2.46	2.60

सोना 1,43,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,30,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 24 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि. 2600, रविन्द्रा 2575, फॉर्चुन 13 किग्रा 2300, जय जवान 2155, सचिन 2300, सूरज 2155, अवसर 2080, उजाला 2190, गृहणी 13 किग्रा 2145, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2360, चक्र टिन 2535, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 12000-13000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, प्रति किलो : लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 900-1050

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 139500, गिन्नी 135500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 214500 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 7100-7700, परमल 1000-3400

दाल दलहन : काला चना 1700-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5200, राजमा 7200-11600, दाल उड़द 5500, साबुत मसूर दाल 2600, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10400, काबुली चना 5600-10400, अरहर दाल 10400 -12000, लोबिया/करमानी 1600-3200

आंध्र में स्टील के इस्पात संयंत्र का शिलान्यास

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को अनकापल्ली जिले के नक्कापल्ली मंडल में आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस) के 1.36 लाख करोड़ रुपये के इस्पात संयंत्र की आधारशिला रखी। सरकार ने कहा, 1.78 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला यह संयंत्र 5,465 एकड़ में दो चरणों में स्थापित किया जाएगा और इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष करीब एक लाख रोजगार पैदा होंगे। पहले चरण में संयंत्र की क्षमता 73 लाख टन सालाना होगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध: आईईए

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख बिरोल ने कहा- कोई देश इसके प्रभाव से नहीं बचेगा अछूता

वेलिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा कि ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बहुत बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में नेशनल प्रेस क्लब को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह संकट यूं ही आगे बढ़ता रहा तो कोई भी देश इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहेगा।

बिरोल ने कहा कि पश्चिम एशिया का यह संकट 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी अधिक गंभीर असर डाल रहा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब तेहरान पर सोमवार तड़के इजराइल ने हमलों की बौछार शुरू की। इस बीच, एक वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य कमांडर ने ईरान के लोगों से फिलहाल शरणस्थलों में रहने को कहा है जबकि ईरान ने अपने खाड़ी पड़ोसी देशों पर हमले तेज कर दिए हैं और उनके बिजली संयंत्रों को निशाना बनाने की धमकी दी है। बिरोल ने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोप और एशिया की सरकारों के साथ तेल भंडार को मुहैया करने की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बाजार की स्थिति पर नजर रखेंगे। अगर आवश्यकता पड़ी, तो हम निश्चित रूप से कदम उठाएंगे, लेकिन पहले हम हालात का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।

नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से हो चुके हैं क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र: रेस्तरांओं को पीएनजी आपूर्ति बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने रविवार को कहा कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ने के साथ यह आपूर्ति 50 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय ध्वज वाले दो और जहाज होर्मुज पार करके भारत हुए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर फारस की खाड़ी से निकलकर युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। जहाज निगरानी से जुड़े आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत सोमवार दोपहर को ईरान के लारक और क्वेशम द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र के पास थे। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाज में शामिल हैं जो पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से फारस की खाड़ी में फंस गए थे। जहाज ट्रैकिंग आंकड़ों से पता चला है कि ये दोनों जहाजों ने सोमवार को जलडमरूमध्य को पार कर लिया और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। इससे पहले, लगभग 92,712 टन एलपीजी ला रहे एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी सुरक्षित रूप से भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। यह देश की लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है।

युद्ध क्षेत्र में अब भारतीय ध्वज वाले 24 जहाज इन पर 611 नाविक

युद्ध क्षेत्र में बचे हुए 24 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से 22 जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में हैं, जिनमें 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो पूर्वी भाग में हैं। पश्चिमी भाग में बचे हुए 22 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से छह एलपीजी वाहक हैं। इनमें से दो भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। बाकी बचे जहाजों में से एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों का परिवहन कर रहा है, तीन कंटेनर जहाज हैं और दो बल्क यानी थोक सामान की ढुलाई करने वाले हैं। इसके अतिरिक्त, एक ड्रेजर है, एक खाली है और तीन नियमित रखरखाव के लिए बंदरगाह पर हैं।

14 की जगह 10 किलो गैस देने की रिपोर्ट कोरी अफवाह

नई दिल्ली। सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर में 14 किलो के बजाय 10 किलो गैसे देने की रिपोर्टों को कोरी अफवाह करार देते हुए कहा है कि ये केवल अटकलबाजियों पर आधारित हैं और सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर की कमी से परेशान प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कदम उठाते हुए कहा है कि उन्हें अब राज्यों के जरिये पांच किलो के सिलेंडर की आपूर्ति की जाएगी। पिछले तीन सप्ताह में करीब साढे तीन लाख नए वाणिज्यक और घरेलू पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। अब तक एलपीजी के एक लाख 90 हजार उपभोक्ताओं ने पीएनजी ली है। देश में एलपीजी की कुल मांग के 50 से 60 प्रतिशत की आपूर्ति घरेलू उत्पादन से की जा रही है। पिछले कुछ दिनों में 33 हजार जगहों पर छापे मारे गये हैं और करीब 150 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

खरीफ सत्र से पहले देश में बाधित हो सकती है उर्वरक की आपूर्ति

- गैस संकट से प्रभावित यूरिया उत्पादकों ने सरकार से मांगी वित्तीय राहत

नई दिल्ली। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) ने चेतावनी दी है कि उत्पादन में कमी और पैकेजिंग सामग्री की अलग से कमी के कारण महत्वपूर्ण खरीफ सत्र से पहले उर्वरक आपूर्ति बाधित हो सकती है। इसके साथ, एफएआई ने सरकार से गैस आपूर्ति में व्यवधान से प्रभावित यूरिया उत्पादकों को वित्तीय राहत प्रदान करने का आग्रह किया है। सरकार को लिखे पत्र में एफएआई ने मौजूदा भूराजनीतिक संकट से उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों का हवाला देते हुए सीमित गैस आपूर्ति के तहत संचालित संयंत्रों के लिए ऊर्जा लागत प्रतिपूर्ति और जुर्माने में छूट की मांग की है।

शेयर बाजार में निवेशकों के एक ही दिन डूबे 14.23 लाख करोड़

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट के कारण निवेशकों को एक ही दिन में 14.23 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा। बीएसई के अनुसार, सोमवार की गिरावट से कुल बाजार पूंजीकरण 14,23,396 करोड़ रुपये घटकर 4,14,52,902 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले साल 15 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है।

पिछले कारोबारी दिवस पर 20 मार्च को कुल बाजार पूंजीकरण 4,28,76,298 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों में सोमवार को प्रमुख सूचकांक निफ्टी-50 और सेंसेक्स ढाई प्रतिशत के करीब टूट गये। सेंसेक्स 21 महीने और निफ्टी-50 ग्यारह महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर बंद हुआ। खास बात यह रही कि बिकवाली का दबाव चौतरफा रहा जिससे 10 प्रतिशत कंपनियां ही गिरावट से अछूती रहीं। शेयर बाजार में शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,78,499 करोड़ रुपये घटकर 87,29,171 करोड़ रुपये रहा गया।

युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों की 48.29 लाख करोड़ रुपये घटी संपत्ति

पश्चिम एशिया युद्ध के 28 फरवरी को शुरू होने के बाद से बीएसई सेंसेक्स 8,590.8 अंक यानी 10.56 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई का निफ्टी 2,666 अंक या 10.58 प्रतिशत नीचे आया। युद्ध शुरू होने के बाद से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 48.29 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज हुई और यह 415 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है।

रिजर्व बैंक ने जनवरी में शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर खरीदे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर की खरीदारी की। केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर की यह खरीद लगातार सात महीनों की शुद्ध डॉलर बिक्री के बाद की है। रिजर्व बैंक के सोमवार को जारी मासिक बुलेटिन के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने ने पिछली बार मई 2025 में हाजिर मुद्रा बाजार से 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद की थी। इससे पहले दिसंबर में 10.02 अरब, नवंबर में 9.71 अरब, अक्टूबर में 11.88 अरब, सितंबर में 7.91 अरब, अगस्त में 7.69 अरब, जुलाई में 2.54 अरब, और जून में 3.66 अरब अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री की। सकल आधार पर केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 27.99 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और 25.473 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री की।

गिरावट: सोना 9,050 रुपये टूटा, चांदी 10,500

नई दिल्ली। कमजोर घरेलू मांग और सुस्त वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 9,050 रुपये टूटकर 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 10,500 रुपये की गिरावट के साथ 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 9,050 रुपये या लगभग छह प्रतिशत टूटकर सभी करों सहित 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी भी 10,500 रुपये या 4.36 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ सभी करों सहित 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

निवेशकों की आसानी के लिए आईपीओ खुलासे के नियमों को सेबी ने बनाया सरल

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दस्तावेजों को सरल और मानकीकृत बनाने के लिए 'संक्षिप्त विवरण पुस्तिका का मसौदा' पेश किया है। इसका उद्देश्य निर्गम संबंधी जानकारियों को निवेशकों के लिए समझने में आसान बनाना है।

अब सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों को अपने विस्तृत प्रस्ताव दस्तावेजों के साथ इस संक्षिप्त विवरण पुस्तिका को भी जमा करना अनिवार्य होगा। नियामक ने कहा कि इस दस्तावेज में कंपनी के कारोबारी मॉडल, वित्तीय विवरण, प्रवर्तकों, जोखिम कारकों और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अत्यंत सरल प्रारूप में प्रस्तुत की जाएगी। सेबी द्वारा 16 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस संक्षिप्त मसौदे को निर्गम जारी करने वाली कंपनी, नियामक, उन शेयर बाजारों जहां प्रतिभूतियां सूचीबद्ध होनी हैं, और निर्गम से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

एफडीआई में 2% से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी

मुंबई, एजेंसी

सरकार की ओर से 'प्रेस नोट 3' में किए गए संशोधनों से भारत में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर फिर से दो प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। प्रेस नोट 3 लागू होने से पहले यह इसी स्तर पर था।

क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि नियमों में बदलाव से कुल एफडीआई में चीनी निवेश का हिस्सा दो प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2014 से 2019 के बीच हांगकांग सहित चीन से होने वाला कुल एफडीआई प्रवाह भारत के कुल निवेश का लगभग दो प्रतिशत था। हालांकि, प्रेस नोट 3 के नए नियम लागू होने के बाद यह घटकर मात्र 0.27 प्रतिशत रह गया था। रिपोर्ट के अनुसार, नियमों में ढील दिए जाने से लंबित प्रस्तावों का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। इससे अल्पावधि में चीन और हांगकांग से निवेश में तेजी आ सकती है।

सरकार के इस कदम से भारत में एफडीआई प्रवाह तेज होने, घरेलू क्षमताओं के मजबूत होने और आयात पर निर्भरता कम होने की संभावना है। सरकार ने अप्रैल, 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए ये नियम लागू किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों और पॉलीसिलिकॉन जैसे क्षेत्रों के लिए मंजूरी की समयसीमा 60 दिन तय किए जाने से भारतीय और चीनी फर्म के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रेस नोट 3 के तहत 75,691 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से केवल 13,625 करोड़ रुपये को ही मंजूरी मिली थी।

- क्रिसिल का केंद्र की ओर से प्रेस नोट 3 में बदलाव के बाद दावा

कोयला कारोबार में मुनाफाखोरी पर रोक लगाएं राज्य: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे पश्चिम एशिया संकट के कारण छोटे कोयला खुदरा विक्रेताओं को मुनाफाखोरी करने से रोकें, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा व्यवधानों से घरेलू ईंधन बाजार पर असर पड़ने का खतरा है।

कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा, हमारे सचिव (कोयला) ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बात की है। मैंने कल मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। कोयले की कोई कमी नहीं है और घरेलू कोयले की कीमतों में वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। मंत्री ने कहा कि अगर कोयले की कीमतें बढ़ती हैं तो कार्रवाई करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हमने राज्यों से कोयले की कीमतों पर नजर रखने और खुदरा विक्रेताओं को मौजूदा संकट से लाभ नहीं उठाने देने को कहा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोयले की कीमतें नहीं बढ़नी चाहिए।

सीएनजी में 20% सीबीजी मिश्रण करने का सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार को सुझाव दिया है कि वह सीएनजी में सीबीजी के 20% मिश्रण को अपनाए। यह गैसचालित वाहनों को कॉर्बन निरपेक्षता के करीब ला सकता है। आईबीए ने कहा, ईवी की स्वीकार्यता बढ़ रही है लेकिन समग्र वाहन बेड़े में ईवी की पहुंच सीमित है।

निर्यात पर घरेलू कर, शुल्क छूट की पुरानी दरें बहाल

पश्चिम एशिया संकट

नई दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों के बीच निर्यातकों की मदद के लिए निर्यात माल को शुल्कों और करों से छूट देने की योजना आरओडीटीईपी के अंतर्गत पुरानी दरों को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का निर्णय किया है। इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

इस फैसले से शुल्क और करों में छूट की गत 22 फरवरी तक लागू दरें और मूल्य सीमा पुनः प्रभावी हो गयी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के कारण समुद्री लॉजिस्टिक्स में चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं, जिनमें मार्ग और पारगमन पैटर्न में परिवर्तन शामिल हैं। इनका प्रभाव इस क्षेत्र में या इसके माध्यम से जाने वाले निर्यात माल के लिए लॉजिस्टिक्स लागत और जहाज से माल भेजने के कार्यक्रम पर पड़ा है।

मानक बॉन्ड प्रतिफल 14 महीने के उच्च स्तर पर

कच्चे तेल की महंगाई

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय मानक बॉन्ड प्रतिफल सोमवार को 14 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोमवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल 6.8173 प्रतिशत रहा जबकि शुक्रवार को यह 6.737 प्रतिशत पर बंद हुआ था।

बाजार भागीदारों से संकलित आंकड़ों के अनुसार यह 14 जनवरी 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। एरीटे कैपिटल (चॉइस समूह) में उपाध्यक्ष माताप्रसाद पांडे ने कहा, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर बैरल से ऊपर जाने के बाद बॉन्ड प्रतिफल बढ़ रहा है। जनवरी-फरवरी में सरकारी बॉन्ड के शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशक मार्च में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं।

रुपये की गिरावट

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बढ़ती चुनौती

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट लगातार जारी है। ताजा घटनाक्रम में रुपये ने 94 का स्तर छुआ है जो उसका ऐतिहासिक निचला स्तर है और इसने आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कड़ी चुनौती का संकेत दे दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की 2-3% तक की वार्षिक गिरावट को सामान्य माना जा सकता है लेकिन यदि यह गिरावट 95 के पार तक पहुंची तो यह महंगाई को बढ़ाने के साथ जीडीपी की विकास दर को 0.2% से 0.4% तक कम कर सकती है। इसका दीर्घकालिक परिणाम सामने आएगा।

बड़ी चुनौतियां

- अमेरिका ने ब्याज दरें ऊंची रखीं तो निवेशक भारत जैसे बाजारों से पैसा निकालेंगे जिससे रुपया और गिरेगा।
- व्यापार घाटा भी चुनौती, निर्यात से ज्यादा आयात विशेषकर रक्षा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक का बढ़ने से डॉलर मांग में रहेगा।

ये उम्मीद भी : बढ़ेगा निर्यात, कई सेक्टरों को लाभ

- रुपया कमजोर होने से भारतीय उत्पाद विदेशी बाजारों में सस्ते हो जाते हैं। इससे आईटी सर्विसेज, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे सेक्टर को फायदा होता है।
- विदेशों में रहने वाले भारतीय जब घर पैसा भेजते हैं तो उन्हें डॉलर के बदले ज्यादा रुपये मिलते हैं और भारत दुनिया में सबसे ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला देश है।

गिरावट के प्रमुख कारण

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पैसा निकालना है। साल की शुरुआत से अब तक एक लाख करोड़ रुपये निकाले गए हैं

आशंका: महंगा आयात, देश में महंगाई

- भारत जरूरत का 80% कच्चा तेल आयात करता है जो रुपया गिरने से महंगा होगा। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से महंगाई बढ़ेगी।
- आयात के लिए ज्यादा डॉलर चुकाने पड़ेंगे और इससे देश का व्यापार घाटा बढ़ेगा जो अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए अच्छा नहीं है।
- विदेशी शिक्षा और यात्रा महंगी होगी, जो छात्र बाहर पढ़ने जा रहे हैं या जो लोग विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं, उनका खर्च बढ़ेगा।
- जिन भारतीय कंपनियों ने डॉलर में विदेशी कर्ज लिया है, उन्हें ब्याज और मूलधन चुकाने के लिए पहले से ज्यादा रुपये खर्च करने होंगे।

विशेषज्ञों का अनुमान

- ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रुपया अल्पकालिक दबाव में रह सकता है लेकिन भारत के मजबूत आर्थिक आधार इसे क्रैश नहीं होने देगा।
- कहा जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में रुपया 94.50 से 95 के स्तर को छू सकता है, खासकर अगर वैश्विक तनाव या कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं।
- कई विश्लेषकों का दीर्घकालिक तौर पर अनुमान है कि 2026 के अंत तक रुपया डॉलर के मुकाबले 92 से 93 के दायरे में स्थिर होने की कोशिश करेगा।

रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में 79,256 करोड़ रुपये डाले

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में एकदिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' (वीआरआर) नीलामी के जरिये सोमवार को 79,256 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की 'कट-ऑफ' और भारित औसत दर पर डाली गई। यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है।

शराब ठेकों के लिए निविदा न निकालने से 890 करोड़ का नुकसान

- दिल्ली विधानसभा की पीएसी की रिपोर्ट लाइसेंस में छूट से भी 144 करोड़ डूबे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) की सोमवार को सदन में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब के ठेकों की दोबारा निविदा निकालने में विफल रहने के कारण सरकार को 890 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

इसके अलावा, आबकारी नीति 2021-22 के तहत लाइसेंस शुल्क में छूट देने के कारण 144 करोड़ रुपये का और नुकसान हुआ। आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान तैयार और लागू की गई आबकारी नीति से संबंधित रिपोर्ट पेश करते हुए, पीएसी के चेयरमैन और भाजपा विधायक अजय महावर ने कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से महालेखा परीक्षक (कैग) के निष्कर्षों और आबकारी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर आधारित है, ताकि किसी भी जांच और कानूनी मामलों पर इसका कोई प्रभाव न पड़े।

दिल्ली में शराब के नियमन और आपूर्ति पर कैग की रिपोर्ट 25 फरवरी, 2022 को दिल्ली विधानसभा के समक्ष रखी गई थी। सदन ने कैग रिपोर्ट को आगे की समीक्षा के लिए पीएसी को भेज दिया।

चिंता — रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के ताजा बुलेटिन में दिया गया सुझाव, आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाने की सलाह

पश्चिम एशिया संकट से निपटने को सक्रिय कदम उठाए भारत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि भारत को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर करीब से नजर रखनी होगी, साथ ही उसके प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने होंगे, क्योंकि देश कच्चे तेल पर काफी निर्भर है। केंद्रीय बैंक ने देश में पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद होने का जिक्र करते हुए कहा है कि एक आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाने से देश को वैश्विक दबाव के समय वित्तीय सुरक्षा और राहत मिलेगी।

केंद्रीय बैंक के मार्च में बुलेटिन में प्रकाशित लेख के अनुसार, पश्चिम एशिया में युद्ध और अमेरिका की नई व्यापार जांच ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। इस अस्थिरता ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, अमेरिकी आयात शुल्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अनिश्चितता बढ़ा दी है। कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था समय के साथ मजबूत हुई है और इसमें बाहरी झटकों को सहन करने की क्षमता बढ़ी है, जो इसके मजबूत विकास, स्वस्थ वृहद आर्थिक स्थिति और बाहरी सुरक्षा कोष से समर्थित है। इसके साथ लेख में चेतावनी दी गई कि लंबा युद्ध और उच्च अनिश्चितता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक हो सकती है। कहा गया कि ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारत ने कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाकर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाई है। कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं ताकि वैश्विक ईंधन आपूर्ति में बाधा का तत्काल असर कम किया जा सके।

आंकड़े दे रहे आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत

बुलेटिन में कहा गया है, अर्थव्यवस्था की स्थिति का संकेतक देने वाले आंकड़े फरवरी में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने का संकेत दे रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई फरवरी में खाद्य और पेय पदार्थों की कीमतों के कारण बढ़ी। प्रणाली में नकदी की स्थिति संतोषजनक रही और वाणिज्यिक क्षेत्र को मिलने वाले कुल वित्तीय संसाधनों में वृद्धि हुई, जिसमें बैंक और गैरबैंक दोनों स्रोतों से वित्तपोषण बढ़ा।

वर्ल्ड ब्रीफ

मिसाइल का मलबे से एक भारतीय घायल

दुबई। अबूधाबी के अल शवामेख इलाके में हवा में मार गिराई गई मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने आती हुई मिसाइल पर हमला किया, जिसके बाद आपात टीमों ने कदम उठाया। इसके बाद मिसाइल का मलबा रिहाइशी इलाके पर गिर गया। अबूधाबी के मीडिया कार्यालय ने एक्स पर कहा कि हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा एक बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराए जाने के बाद उसका मलबा अल शवामेख क्षेत्र में गिर गया। इस घटना में एक भारतीय नागरिक को मामूली चोट आई।

पांच पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर्स अवार्ड

नई दिल्ली। थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपनी भोपाल यात्रा के दौरान पांच प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों को 'वेटरन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेताओं, ब्रिगेडियर अवधेंद्र प्रताप सिंह (सेवानिवृत्त), कर्नल एमके तिवारी (सेवानिवृत्त), मानद सूबेदार मेजर डीके सेन (सेवानिवृत्त), नायब सूबेदार जीएस मेहता (सेवानिवृत्त) और नायक एलएस राठौड़ (सेवानिवृत्त) को विभिन्न क्षेत्रों में उनके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हवाई में 2,000 लोग बिजली से वंचित

होनोलूलू। हवाई द्वीप पर भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ के कारण रविवार अपराह्न तक 2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित रहे। यह बाढ़ 20 से अधिक वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एक सप्ताह पहले आए शीतकालीन तूफान की बारिश से पहले से ही अत्यधिक गीली मिट्टी पर भारी वर्षा हुई जिससे उफनता पानी घरों और कई कारों को बहा ले गया।

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर बाद 1:14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बाझंग के रायल क्षेत्र के पास स्थित था। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों में भी झटका लगा।

फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाने की ईरान ने दी धमकी

- तटवर्ती इलाकों अथवा द्वीपों पर हमलों को लेकर चेताया

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके तटवर्ती इलाकों या द्वीपों पर हमला होता है तो वह फारस की खाड़ी में महत्वपूर्ण संचार मार्गों पर बारूदी सुरंगें बिछा देगा। ईरान की राष्ट्रीय रक्षा परिषद ने कहा कि उसके क्षेत्र को निशाना बनाने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप फारस की खाड़ी में सभी संचार लाइनों में बारूदी सुरंगें बिछा दी जाएंगी।

उसने यह भी कहा कि जहाज केवल तेहरान के समन्वय से ही होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर सकेंगे। बयान में कहा गया कि दुश्मन द्वारा ईरानी तटों या द्वीपों पर हमला करने के किसी प्रयास के बाद स्वाभाविक रूप से और सामान्य सैन्य अभ्यास के अनुसार फारस की खाड़ी और तटों के सभी पहुंच मार्गों एवं संचार लाइनों को विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदों से भर दिया जाएगा, जिसमें तैरती बारूदें भी शामिल हैं जिन्हें तटों से छोड़ा जा सकता है। ईरान ने कहा, ऐसे में, पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय तक होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इस बार, होर्मुज के साथ पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र व्यावहारिक रूप से अवरुद्ध हो जाएगा और इसकी जिम्मेदारी धमकी देने वाले पक्ष की होगी। इस बीच, अमेरिका कथित तौर पर ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा करने योजनाओं पर विचार कर रहा है।

खाड़ी के समुद्र में बारूदी सुरंग

दुनिया आज जिस डिजिटल युग में जी रही है, उसकी असली रीढ़ ज़मीन पर नहीं, बल्कि समुद्र की अतल गहराइयों में बिछी है। वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 95% से अधिक हिस्सा इन्हीं सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल्स के जरिए एक से दूसरे महाद्वीप तक जाता है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर से गुजरने वाली इन केबलों को निशाना बनाने की धमकी दी है। उसने केबिल काटने की चेतावनी दी है। विशेष रूप से गूगल की ब्लू-रमन परियोजना इस समय चर्चा के केंद्र में है। इधर ईरान ने भी अपने तटीय इलाकों और द्वीपों पर हमलों को लेकर फारस की खाड़ी में केबल के ऊपर बारूदी सुरंगें लगाने की चेतावनी दी है। यदि ऐसा हुआ तो दुनिया को डिजिटल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ेगा। वित्तीय आदान-प्रदान पर भी इसका असर पड़ेगा।

डिजिटल ब्लैकआउट का खतरा

उपयोग और महत्व

- समुद्र के रास्ते आ रहीं यह केबल केवल 'यूट्यूब' देखने के लिए नहीं है, बल्कि इसके उपयोग बहुत व्यापक है।
- अत्यधिक डेटा क्षमता : यह केबल 218 टेराबिट्स प्रति सेकंड से अधिक की क्षमता रखती है। यह इतनी गति है कि एक सेकंड में हज़ारों हाई-डेफिनिशन फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।
- क्लाउड कंप्यूटिंग : गूगल क्लाउड, माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर और अमेज़न एडब्ल्यूएस जैसी सेवाएं इसी केबल पर निर्भर हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियों का डेटा इसी रास्ते से सफर करता है। ● वित्तीय लेनदेन : अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और शेयर बाज़ारों के बीच रीयल-टाइम डेटा ट्रांसफर के लिए ये केबलें अनिवार्य हैं।

केबल कटने का दुनिया पर असर

● डिजिटल ब्लैकआउट : एशिया और यूरोप के बीच इंटरनेट की गति 25% से 40% तक गिर सकती है। ● आर्थिक नुकसान : एक अनुमान के अनुसार, महत्वपूर्ण केबल कटने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रति घंटे लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है। ● ई-कॉमर्स और बैंकिंग ठप : ऑनलाइन भुगतानसेवा धीमी हो सकती हैं, जिससे व्यापारिक लेनदेन रुक सकते हैं।

दुनिया के पास क्या हैं समाधान

● रूट डायवर्सिफिकेशन : गूगल की 'ब्लू-रमन' केबल परियोजना की तरह नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं जो विवादित क्षेत्रों (जैसे लाल सागर) से दूर हों। ● गहरी केबल बिछाना : केबलों को समुद्र की सतह से बहुत नीचे (8000 मीटर तक) दबाया जा रहा है ताकि जहाजों के लंगर या छोटे विस्फोट उन तक न पहुँच सकें। ● सैटेलाइट इंटरनेट : स्टारलिंक जैसे नेटवर्क को बैकअप के रूप में देखा जा रहा है।

चोक प्वाइंट

● लाल सागर एक ऐसा चोकपॉइंट है जहां दुनिया की प्रमुख केबलें गुजरती हैं। यहाँ किसी भी प्रकार का व्यवधान न केवल इंटरनेट की गति को धीमा करेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, शेयर बाज़ार और बैंकिंग सेवा को पंगु बना सकता है।

भारत के पास क्या हैं विकल्प

- मल्टीपल गेटवे : भारत केवल लाल सागर पर निर्भर नहीं है। भारत के पास सिंगापुर के रास्ते (पूर्व की ओर) जाने वाली केबलें भी हैं, जैसे मिस्ट और लैक्स।
- जियो की पहल : जियो अपनी आईईएक्स (इंडिया-यूरोप एक्सप्रेस) केबल बिछा रहा है, जो यूरोप को सीधे भारत से जोड़ती है और इसमें सुरक्षा के उन्नत उपाय किए गए हैं।
- स्वदेशी लैंडिंग स्टेशन : सरकार मुंबई, चेन्नई के अलावा नए लैंडिंग स्टेशन बना रही है ताकि डेटा ट्रैफिक को बांटा जा सके।

गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां

- देश में यूएपीए के अत्यधिक इस्तेमाल पर जताई चिंता

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने कहा है कि असहमति को अपराध घोषित करने, आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत अंधाधुंध गिरफ्तारियों और गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है।

रविवार को बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति भुइयां ने उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने इसकी तुलना देश भर में जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारियों के पदों पर 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की नियुक्ति से की। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा लेकिन क्या संवैधानिक अदालतों में भी यही प्रणाली लागू हुई है? सवाल यही है। यहीं पर कॉलेजियम प्रणाली की जांच पड़ताल का महत्व सामने आता है। ऐसा क्यों है कि जब मूल्यांकन व्यक्तिपरक हो जाता है, तो महिलाएं उस स्तर तक नहीं पहुंच पातीं? उन्होंने कहा कि 1950 से अब तक उच्चतम न्यायालय के 287 न्यायाधीशों में से कुल मिलाकर केवल 11 महिला न्यायाधीश रही हैं। ऐसा क्यों? फातिमा बीवी से लेकर अब न्यायमूर्ति नागरत्ना तक, यह आंकड़ा लगभग दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम के व्यक्तिपरक मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार, बहुत कम लोगों का ही उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में चयन होता है।

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने 2019 से 2023 तक के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि सही मायने में विकसित राष्ट्र को राजनीतिक नारों के बजाय संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूएपीए के तहत कम दोषसिद्धि दर कानून के दुरुपयोग को नहीं तो अत्यधिक उपयोग को दर्शाती है।" यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों के 2019 से 2023 तक के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन दोषसिद्धि दर लगभग पांच प्रतिशत है।

अदालतों में लैंगिग प्रतिनिधित्व में हो समानता

न्यायमूर्ति ने कहा कि अदालतों में महिला जजों की संख्या बेहद अपर्याप्त है, 25 उच्च न्यायालयों में से केवल तीन। उन्होंने कहा कि मेरे शोध से पता चलता है कि जब भी भर्ती प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ होती है, तो न्यायिक क्षेत्र में अधिक महिलाएं प्रवेश करती हैं। जब भारत एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत 2047) बनेगा, तब न्यायपालिका में लैंगिक प्रतिनिधित्व में अधिक समानता होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ऐसा स्थान होना चाहिए, जो वास्तव में देश की विविधता को दर्शाए। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विकसित देशों में बहस और असहमति के लिए अधिक गुंजाइश होनी चाहिए। बहस को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

अधिकांश गिरफ्तारियां तो की गईं पर दोष साबित नहीं किया जा सका

न्यायाधीश ने कहा कि इससे लगातार कम दोषसिद्धि दर दिखती है। इससे क्या संकेत मिलता है? दुरुपयोग नहीं, तो अत्यधिक इस्तेमाल का, और आपराधिक न्याय प्रणाली पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? इससे अदालतों पर कितना बोझ पड़ता है? इससे पता चलता है कि अधिकांश लोगों को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन उन्हें दोषी साबित नहीं किया जा सका। इससे संकेत मिलता है कि कई गिरफ्तारियां समय से पहले और पर्याप्त सबूतों के अभाव में की गईं। उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों में उनकी संख्या केवल 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि 25 उच्च न्यायालयों में से केवल दो में महिला मुख्य न्यायाधीश हैं- गुजरात और मेघालय। एक महीने में एक और महिला मुख्य न्यायाधीश बन जाएंगी।

शीर्ष कोर्ट के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसकी इमारत के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जाएगा। पीठ ने उच्चतम न्यायालय के महासचिव से कहा कि वे उचित नोट सक्षम प्राधिकारी के सामने पेश करें। पीठ बी. वेणुगोपाल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के नए परिसर का निर्माण हो रहा है, जहां इस तरह की वास्तु पर ध्यान दिया जाएगा।

प्री परीक्षा के बाद यूपीएससी जारी करेगा अस्थायी कुंजी

- सिविल सेवा परीक्षा को लेकर सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सरकार ने सोमवार को बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) आदि के लिए अधिकारियों के चयन हेतु प्रतिवर्ष तीन चरणों - प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार - में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न में लिखित उत्तर में उच्च सदन को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुपालन में, यूपीएससी ने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं। सिंह ने कहा कि यह प्रक्रिया, जो 2026 की सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा से लागू होगी, यूपीएससी द्वारा आयोजित सभी संरचित परीक्षाओं पर लागू होगी। मंत्री ने कहा, "प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही जारी किए जाएंगे।" उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विषयों में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए, यूपीएससी अंतर-विषय मॉडरेशन लागू करता है ताकि किसी भी उम्मीदवार को, चाहे उसने कोई भी वैकल्पिक विषय चुना हो।

मुंबई में फेरीवालों, सहायकों की पहचान का होगा सत्यापन

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका और पुलिस को सभी फेरीवालों तथा उनके सहायकों की पहचान का गहन सत्यापन करने का निर्देश दिया और कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी उसे वापस भेजने समेत कानून के अनुसार कार्रवाई करें। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाटा की पीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इन याचिकाओं में महानगर में फुटपाथ और सड़कों पर अवैध व अनधिकृत फेरीवालों के कब्जे की वजह से पैदल चलने वालों और वाहनों को हो रही परेशानी को लेकर चिंता जताई गई थी। अदालत ने बीएमसी को निर्देश दिया कि वह सड़कों और फुटपाथों पर स्थित सभी दुकानदारों की व्यापक जांच करे, यह भी सुनिश्चित करे कि ये दुकानें पैदल यात्रियों या वाहनों की आवाजाही में बाधा न बनें। कहा, महानगरपालिका और पुलिस फेरी लगाने वाले, उनके सहायक के रूप में काम करने वालों की पहचान, उनकी भी जिन पर गैर भारतीय होने का आरोप है, का पूरी तरह से सत्यापन करें।।

हिरासत में मौत मामले में नौ पुलिसकर्मी दोषी करार

- तमिलनाडु के मदुरै जिले में साल 2020 में हुई थी घटना

मदुरै, एजेंसी

तमिलनाडु के मदुरै जिले की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को प्रदेश के थूथुकुडी जिले के साथनकुलम में 2020 में एक व्यक्ति और उसके बेटे को हिरासत में यातना देने के मामले में सभी नौ आरोपी पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया।

पुलिस हिरासत में यातना के बाद पिता-पुत्र की मौत हो गयी थी। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित कर दिया है और पुलिसकर्मियों को दोषी पाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों को 30 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। मोबाइल फोन की दुकान के मालिक पी जयराज (59) और उनके बेटे जे बेनिक्स (31) को कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के नियमों के कथित उल्लंघन के संबंध में 19 जून 2020 को साथनकुलम पुलिस थाने ले जाया गया था। कोविलपट्टी उप-जेल में हिरासत के दौरान कथित क्रूर यातना दिये जाने के बाद पिता और पुत्र की 23 जून को मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस निरीक्षक एस श्रीधर, उपनिरीक्षक के बालकृष्णन, पी रघुगणेश, मुख्य आरक्षी एस मुरुगन और ए समीदुराई समेत 10 पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप था। इसकी शुरुआती जांच सीबी-सीआईडी ने की थी, जिसे बाद में सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया। इस घटना के कारण उस वक्त राज्य में भारी जनाक्रोश फैल गया था। इस मामले में 105 गवाह थे।

एनसीबी हिरासत में बीएसएफ के कांस्टेबल की मौत

चंडीगढ़/अमृतसर। बीएसएफ के एक कांस्टेबल की स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके साथ बेहरमी से मारपीट की गई। बीएसएफ कांस्टेबल जसविंदर सिंह को एक मामले में पूछताछ के सिलसिले में तीन मार्च को जम्मू से पकड़ा गया था, जिनकी शुक्रवार रात अमृतसर में इलाज के दौरान मौत हो गई। अमृतसर के मकबूलपुरा थाना प्रभारी जसजीत सिंह ने बताया कि एनसीबी एक मामले की जांच कर रहा था और कांस्टेबल की हालत अचानक बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। शनिवार को अमृतसर सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया। मां गुरमीत कौर ने रविवार को बताया कि उनका बेटा छुट्टी पर घर आया था और तीन मार्च को एनसीबी की जम्मू इकाई उसे अपने साथ ले गई।

न्यूयॉर्क में रनवे पर विमान हादसा पायलट व सह पायलट की मौत

- न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर ट्रक से भिड़ी उड़ान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर रविवार रात लैंडिंग के दौरान एयर कनाडा का एक विमान रनवे पर दमकल विभाग के ट्रक से टकरा गया, जिसके चलते दो पायलटों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि भिड़ंत की वजह से विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद 39 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आसपास के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कुछ को गंभीर चोट आई है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। हवाई अड्डे का संचालन करने वाले न्यूयॉर्क एवं न्यूजर्सी पोर्ट अथॉरिटी की कार्यकारी निदेशक कैथरीन गार्सिया ने बताया कि ट्रक में सवार पोर्ट अथॉरिटी के दो कर्मचारी भी घायल हो गए। गार्सिया ने सोमवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों में विमान के पायलट और सह-पायलट शामिल हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के नेतृत्व में घटना की जांच की जा रही है। गार्सिया ने कहा कि दमकल ट्रक यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान से जुड़ी एक अलग घटना के चलते घटनास्थल पर जा रहा था। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान में दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। इससे पहले कहा गया कि एयर कनाडा की ओर से संचालन कर रही जैज़ एविएशन की उड़ान में 72 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। विमान मॉंट्रियल-पियरे एलियट ट्रूडो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। तस्वीरों और वीडियो में विमान का अगला हिस्सा काफी क्षतिग्रस्त दिखता है और कॉकपिट से तार तथा अन्य चीजें लटकी दिखती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज का दिन नए काम की शुरुआत के लिए अच्छा है। ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपके प्रयासों की सराहना होगी।

तुला – आज निर्णय लेते समय सोच-समझकर कदम उठाएं। नए संबंध बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभ देंगे। घर का माहौल सुखद रहेगा।

वृष – आज आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें, आराम करें। धैर्य और समझदारी से काम लें, जल्दबाजी से बचें।

वृश्चिक – आज कार्य में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। छिपी हुई चिंताएं सामने आ सकती हैं। ध्यान और योग से मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – आज मित्रों से सहयोग मिलेगा और मन हल्का रहेगा। नए अवसर सामने आ सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

धनु – आज यात्रा के योग बन रहे हैं, लाभदायक साबित हो सकती है। नई सीख और अनुभव मिलेंगे। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

कर्क – आज भावनाओं में बहने से बचें, व्यावहारिक निर्णय लें। कार्य में थोड़ी मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मकर – आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कड़ी मेहनत का फल मिलने वाला है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह – आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता से लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं।

कुंभ – आज दोस्तों से मदद मिलेगी। मन में सकारात्मक विचार आएंगे। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

कन्या – आज का दिन संतुलित रहेगा। योजनाएं सफल होंगी, मेहनत रंग लाएगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन – आज रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

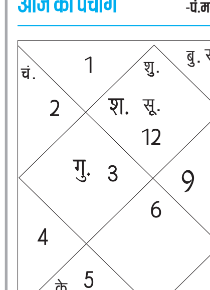

आज की ग्रह स्थिति : 24 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 16 .07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 19 .05 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

सुडोकू - 97 का हल

3	1	9	7	5	2	6	8	4
5	4	2	8	6	9	7	1	3
7	6	8	3	4	1	5	9	2
1	5	3	6	9	8	2	4	7
6	9	7	1	2	4	8	3	5
8	2	4	5	7	3	1	6	9
4	7	5	9	1	6	3	2	8
9	3	1	2	8	7	4	5	6
2	8	6	4	3	5	9	7	1

सुडोकू -98

3		9			2			1
7			5		9			
8		5		6				
		1			8		5	4
5	9			4		8		7
				5		2		
			8		6			3
4						9		

देश में और बाहर पढ़ने को उपलब्ध है ऋण की सुविधा

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि बैंक छात्रों को मांग के आधार पर शिक्षा ऋण उपलब्ध करा रहे हैं और इसमें कहीं किसी तरह की कोताही नहीं बरती जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में सोमवार को कहा कि आज बैंक सभी जगह उपलब्ध हैं। विद्यालक्ष्मी और मॉडल विद्यालय में भी भारत सरकार ऋण उपलब्ध कराती है। विद्यालक्ष्मी योजना के तहत तीन प्रतिशत से कम ब्याज दर तय की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार कई शिक्षा संबंधी योजनाएं चला रही है।

संसद में बोली सरकार

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में पूछे गए सवाल पर दिया स्पष्टीकरण

किसी राज्य पर हिंदी सहित कोई भी भाषा थोपी नहीं जा रही

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी भाषा नहीं थोप रही। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

तमिलनाडु के सदस्य ने उनके राज्य का समग्र शिक्षा अभियान के तहत बकाया धन जारी नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत तीन भाषा के फार्मूले को लेकर चिंता जताई। चौधरी ने कहा कि एनईपी में स्पष्ट रूप से छात्रों को बहुभाषाएं सिखाने से उनके शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख है। सभी राज्यों को स्कूलों में तीन भाषाओं को सिखाने का ढांचा बनाना चाहिए। कम से कम 15 साल तक के बच्चों को विशेष रूप से दो भाषाओं में दक्षता होनी चाहिए जो मातृभाषा हों। तीसरी भाषा पूरी तरह मांग पर आधारित

है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान 2.0 के तहत राज्यों को शिक्षकों की नियुक्ति आदि में मदद करती है। तमिलनाडु में तीन भाषाओं के फार्मूले को लागू करने पर द्रमुक सांसद की चिंता पर चौधरी ने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनईपी 2020 में कहीं भी हिंदी समेत किसी भाषा को थोपने की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2011 के भाषा एटलस के अनुसार तमिलनाडु में 96 भारतीय भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। चौधरी ने कहा कि एनईपी में तीन भाषाओं में दो मातृभाषाओं को सिखाने की बात है। उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं को लागू करने की बात भी दो भाषाओं के फार्मूले, जिसे द्रमुक भी तमिलनाडु में स्वीकार करती है।

तमिलनाडु भी लागू करे पीएमश्री योजना

शिक्षा राज्य मंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु ने मार्च 2024 में पीएमश्री योजना पर समझौता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन अभी तक करार नहीं किया है। इस पर द्रमुक के कुछ सदस्यों को आपत्ति जताते सुना गया। चौधरी ने कहा कि अगर आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सहमत हैं तो पीएमश्री योजना भी लागू करनी चाहिए। इसे देश में 14 हजार से अधिक स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है।

मुझे लगता है कि मैंने पहले दो गेम में अच्छा खेला, तीसरे गेम में मैं थोड़ी भटक गई थी। गेम के बीच में मेरे कोच मेरे पास आए, तो मैंने उनसे बात की, और उन्होंने मुझसे अच्छी शुरुआत करने पर ध्यान देने को कहा, और मुझे खुशी है कि मैं इसे जीत पाई।

अनाहत सिंह, स्क्वॉश खिलाड़ी

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
बरेली, मंगलवार, 24 मार्च 2026

हाईलाइट

मैच के दिनों में कोई भी अभ्यास सत्र करने की नहीं होगी इजाजत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अभ्यास सत्र के लिए जारी किये गये नए दिशा-निर्देशों के तहत मैच के दिनों में कोई भी प्रैक्टिस सेशन करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक अलग इंतजाम भी किया है, जहां मुख्य पिच के दोनों ओर, हर टीम को दो-दो प्रैक्टिस विकेट दिए जाएंगे। जैसा कि पहले बताया गया था, किसी भी टीम को विरोधी टीम के लिए तय किए गए प्रैक्टिस विकेट का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई के एक नोट के अनुसार टीम मैनेजरों को हाल ही में ये अतिरिक्त गाइडलाइंस भेजी गई हैं :- टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मुख्य पिच के पास के विकेटों में से 1 विकेट ''रेंज हिटिंग'' (जोरदार शॉट लगाने की प्रैक्टिस) के लिए मिलेगा। मुंबई के वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर प्रैक्टिस कर रही हैं, तो हर टीम को 2-2 विकेट मिलेंगे।

अहमदाबाद में आईपीएल 2026 सीजन से पहले अभ्यास सत्र के दौरान टाइटन्स के ग्लेन फिलिप्स। एजेंसी

अरुंधति रेड्डी फरवरी की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई। भारत की मध्यम तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को आस्ट्रेलिया में टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए फरवरी महीने में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया। वहीं पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टी20 विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया है। रेड्डी ने तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भारत की 2.1 से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने श्रृंखला में 7.25 की इकॉनॉमी दर से आठ विकेट लिए। रेड्डी ने कहा आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना गर्व की बात है।

अनाहत और अभय ने जीते स्क्वॉश के खिताब

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन स्क्वॉश टूर्नामेंट का अपना महिला खिताब बरकरार रखा, जबकि अभय सिंह ने पुरुष वर्ग के चैंपियन बने। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में स्क्वैश रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत सिंह ने मिस्र की दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी हाना मोअताज़ को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। वहीं, अभय सिंह ने अपने ही देश के वीर चोत्रानी को 3-0 (11-9, 11-8, 11-4) से हराकर पुरुषों का फाइनल जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना करते हुए कहा मुझे यह पसंद नहीं है, क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है। रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा।

रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है। इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' से जुड़े 'पीटीआई' के सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद एक ऑलराउंडर हूं। पहले हम इस भूमिका (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) के लिए ऑलराउंडर चुनते थे। अब टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है। वे कहते हैं कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है? उन्होंने कहा खुद एक ऑलराउंडर होने के नाते मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन साथ ही नियम तो नियम होते हैं। हमें उनका पालन करना होता है। व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है।

अक्षर ने पिछले आईपीएल सत्र में केवल 204 गेंदें फेंकी थीं, जबकि उससे पिछले सत्र में उन्होंने 264 गेंदें फेंकी थीं। उन्होंने कहा कि यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण नहीं था, बल्कि उंगली की चोट के कारण था, जो उन्हें आईपीएल से पहले परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा मैंने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की। यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' की वजह से नहीं था। मैं गेंद को स्पिन कराने के लिए जिस उंगली का इस्तेमाल करता हूं, वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद चोटिल हो गई थी।

- 2023 में लागू हुआ था नियम और 2027 तक रहेगा

2024 में रोहित ने कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है

यह घाव इतना बढ़ गया था कि मैं गेंद की सीम पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। अक्षर ने कहा इसीलिए मैं सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही गेंदबाजी कर रहा था और अपनी उंगली का ध्यान रख रहा था। सात मैचों के बाद हालत बेहतर हुई और मैंने नियमित रूप से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया। अक्षर के सामने दिल्ली को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाने की चुनौती है। अक्षर ने महज 18 महीनों में सबसे छोटे प्रारूप में दो बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता है। इस महीने की शुरुआत में टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली टीम की तुलना 2000 के दशक की अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम से की जा रही है। उस समय हालांकि ऑस्ट्रेलिया की टीम को वनडे प्रारूप में सफलता मिली थी। कुछ लोगों ने मौजूदा भारतीय टीम को अब तक की सबसे महान टी20 टीम बताया है। अक्षर ने कहा वह अलग-अलग युगों की टीमों की तुलना करने में विश्वास नहीं रखते। भारतीय टीम के लिए यह सब 2022 के बाद शुरू हुआ। हमने इस तरह की क्रिकेट खेलना शुरू किया और कड़े फैसले लिए।

आईपीएल की वजह से टूटी पाकिस्तान सुपर लीग की कमर

विदेशी खिलाड़ी वेतन वृद्धि की मांग के साथ जमकर कर रहे अनुबंध का उल्लंघन

कराची, एजेंसी

- दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता बनी बड़ी चुनौती
- आयोजन एकसाथ होने से भारत बना खिलाड़ियों की पहली पसंद

विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स (आयोजन संबंधी) और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है। विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं।

दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है। यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है। इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा।

पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह मई के अंतिम या जून के शुरुआती सप्ताह तक चल सकता है। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है।

सूत्र ने बताया पीसीबी इस समय पीएसएल को निर्धारित समय पर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उसने अभी तक नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तय नहीं की है। नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाने के बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, लेकिन चिंता बनी हुई है कि ऐसे उपाय भविष्य में शीर्ष विदेशी प्रतिभाओं को पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंध करने से और भी हतोत्साहित कर सकते हैं। उन्होंने कहा ऐसे में एक तर्क यह भी है कि प्रतिबंधों से पीएसएल के आगामी सत्रों के लिए बड़े विदेशी खिलाड़ियों से करार करना और भी मुश्किल हो जाएगा।

सूत्र ने स्वीकार किया कि दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कई खिलाड़ी चोट से जूझ रहे आईपीएल में काफी अधिक वेतन पैकेज दिए जा रहे हैं, जबकि पीएसएल फ्रेंचाइजी उन वेतन पैकेजों का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। पीसीबी ने पिछले साल अनुबंध उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया था। यह कदम हालांकि प्रभावी साबित नहीं हुआ, क्योंकि बॉश ने पीएसएल खिलाड़ी ड्राफ्ट में शामिल होने से पहले ही अगली नीलामी में आईपीएल अनुबंध हासिल कर लिया। पीसीबी द्वारा इस मुद्दे को आईसीसी के अन्य सदस्यों के समक्ष भी उठाने की उम्मीद है, ताकि एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके, जो यह सुनिश्चित करे कि खिलाड़ी किसी लीग में शामिल होने के बाद अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करें। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्नुस लाबुशेन, न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और डेवोन कॉन्वे कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ियों के साथ पीएसएल में भाग लेने के लिए लाहौर पहुंच गए।

हस्ताक्षर के बाद नाम वापस लेने वाले खिलाड़ी

इस वर्ष के पीएसएल से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और जॉनसन चार्ल्स, श्रीलंका के दासुन शनाका, जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी, ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन और जेक फ्रेजर-मैकगर्क, द. अफ्रीका के ओटनेल बार्टमैन, अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज और इंग्लैंड के टायमल मिल्स शामिल हैं।

बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास करते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली। एजेंसी

कोहली ने आईपीएल के 18 साल के सफर को किया याद

बेंगलुरु, एजेंसी

- बोले-आखिरी गेंदों का इंतजार उस रात का था सबसे मुश्किल हिस्सा

भारतीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लंबे इंतजार के बाद मिले पहले खिताब की जीत के उस भावुक पल को बयां करते हुए कहा कि आखिरी गेंदों का इंतजार उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

कोहली ने उन पलों का याद करते हुए कहा, पिछले 18 सालों का पूरा सफर मेरी आंखों के सामने घूम रहा है। उन्होंने कहा कुल मिलाकर, यह हम सभी के लिए एक शानदार रात थी। सच कहूं तो, यह मेरे लिए काफी अवास्तविक था, जब आखिर में सब कुछ हो रहा था तो यह अविश्वसनीय लग रहा था। आंखों के सामने बहुत सी चीजें घूम गईं। पिछले 18 सालों का पूरा सफर। सारे उतार-चढ़ाव, सारे अच्छे पल, बुरे पल। उन्होंने कहा कि आखिरी कुछ गेंदों का इंतजार करना शायद उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था। इस अनुभवी बल्लेबाज ने इस बात पर बल दिया कि यह जीत उन लोगों के लिए खास मायने रखती थी जो आरसीबी टीम का हिस्सा शुरू से ही रहे हैं। उन्होंने रमेश माने जैसे सपोर्ट स्टाफ सदस्यों के साथ फ्रैंचाइजी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया। आरसीबी में हम सभी के लिए यह एक बहुत ही खास रात थी। मैं पहले दिन से ही यहां हूं और रमेश माने भी। हम शायद आरसीबी ग्रुप के सबसे पुराने सदस्य हैं। जब हम फाइनल में पहुंचे, तो मुझे एक शांत आत्मविश्वास महसूस हुआ। लेकिन आप यह भी समझते हैं कि यह कोई आसान काम नहीं होने वाला है। यह एक फ़ाइनल है और दूसरी टीम भी है जिसने वहाँ तक पहुंचने के लिए सच में बहुत अच्छा खेला है। लीग में पहले मिली हारों के जख्मों ने टीम की सोच को गढ़ने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें दबाव में भी अपना ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिली।

स्टार्क को ऑस्ट्रेलिया से अब तक नहीं मिली एनओसी

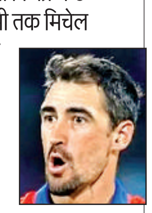

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

जीत की खुशी

वर्ल्ड इनडोर एथलेटिक्स में महिलाओं की 60 मीटर हर्डल्स में मेडल जीतने के बाद पोडियम पर पोज देतीं बहामास की डेविन चार्लटन (बीच में), नीदरलैंड्स की नादिन विसर (बाएं), और पोलैंड की पिया स्क्रिजोव्स्का। • एजेंसी

शनाका राजस्थान रॉयल्स में होंगे शामिल

नई दिल्ली। श्रीलंका के टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान दासुन शनाका को सोमवार को आईपीएल के लिए इंग्लैंड के चोटिल ऑलराउंडर सैम कुरेन के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई। शनाका दो करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। शनाका ने श्रीलंका के लिए छह टेस्ट, 71 वनडे और 131 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 3350 से अधिक रन और 86 विकेट हैं। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में तीन मैच खेले हैं। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच और टीम निदेशक कुमार संगकारा ने खुशी जताई।

नए चेहरों के साथ सत्र की शुरुआत करेगी भारतीय तीरंदाजी टीम

बैंकॉक, एजेंसी

भारत तीरंदाजी के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र का आगाज यहां मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले चरण से करेगा जिसके लिये टीम में नामी गिरामी सितारों की बजाय प्रतिभावान युवाओं को जगह दी गई है। भारतीय टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, तरूणदीप राय , ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा नहीं हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन जापान में सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों तक चलने वाले इस व्यस्त सत्र के पहले टूर्नामेंट में अपने युवा खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है। शीर्ष तीरंदाज मैक्सिको और शंघाई में अप्रैल से होने वाले विश्व कप के पहले दो चरण के लिए वापसी करेंगे। पिछले साल भारत ने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीते थे ।

दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज की गैर मौजूदगी में भारत का पलड़ा फिर भारी लग रहा है। उसे चीन और बांग्लादेश से चुनौती मिल सकती है। रिकर्व पुरूष वर्ग में आस्ट्रेलिया के रियान टियाक प्रबल दावेदार हैं जो विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर हैं । महिला वर्ग में रूस में जन्मी तटस्थ खिलाड़ी नूरिनिस्सो माखमुदोवा (45वीं रैंकिंग) सर्वोच्च रैंकिंग वाली तीरंदाज हैं।

भारतीय पुरूष कंपाउंड टीम में दुनिया के चौथे नंबर के तीरंदाज ऋषभ यादव, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रथमेश जावकर और रजत चौहान हैं।पिछले साल कुशल दलाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था जबकि मानव जाधव और गणेश तिरिमुरू के साथ टीम स्वर्ण अपने नाम किया था। महिला वर्ग में ज्योति की गैर मौजूदगी में नजरें 20 वर्ष की चिकिथा तानीपर्थी पर होंगी जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं।

एशिया कप

टीम

रिकर्व पुरुष : देवांग गुप्ता, आरव पूनिया, जुयेल सरकार और सुखचैन सिंह। **रिकर्व महिला :** कीर्तिक, अंशिका कुमारी, रूमा बिस्वास और रिद्धि। **कंपाउंड पुरुष :** रजत चौहान, प्रथमेश जावकर, उदय कम्बोज और ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला :** स्वाति दुधवाल, राज कौर, तेजल साल्वे और चिकिथा तानीपर्थी।

उपलब्धि

भुवनेश्वर करेगा मेजबानी, कलिंगा इनडोर स्टेडियम में होगी आयोजित, दो साल बाद होगी विश्व चैम्पियनशिप

भारतीय इनडोर एथलेटिक्स के नए युग की आज से शुरुआत

भुवनेश्वर, एजेंसी

भारत संकरे ट्रैक और एक समान हालात वाले इनडोर एथलेटिक्स में अपने सफर की औपचारिक शुरुआत मंगलवार से यहां शुरू हो रही पहली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के जरिये करेगा जबकि दो साल बाद इसी स्थान पर उसे विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करनी है। पिछले सप्ताह भारत को विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है जो इसी स्थान पर तीन से पांच मार्च, 2028 में होगी।

भारत में पहली बार ट्रैक और फील्ड की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो दिन तक चलेगी। भारत में शीर्ष स्तर की इंडोर

सुविधाओं के अभाव में इंडोर एथलेटिक्स उतना लोकप्रिय नहीं रहा है। कुछ भारतीय हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते आए हैं। इनडोर स्पर्धाओं में खिलाड़ी संकरे ट्रैक पर उतरते हैं। आउटडोर 400 मीटर ट्रैक चौड़े और सपाट टर्न वाले होते हैं। इंडोर स्पर्धायें हवा या मौसम से प्रभावित नहीं होती क्योंकि भीतर एक सी परिस्थितियां होती है।

भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा और 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले इसमें भाग नहीं लेंगे क्योंकि उनकी स्पर्धायें रोस्टर का हिस्सा नहीं हैं। कलिंगा स्टेडियम परिसर के भीतर विश्व स्तरीय सुविधायें तैयार होने के बाद भारत ने विश्व एथलेटिक्स को 2028 चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए मनाया है । भारत को 2028 में होने वाली एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिलने की भी उम्मीद है जिस पर फैसला मई में लिया जाएगा। अधिकांश भारतीय एथलीटों, आयोजकों और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अधिकारियों के लिये यह नया अनुभव होगा। इनडोर स्पर्धा 200 मीटर के ट्रैक पर होगी। सबसे छोटी फर्राटा दौड़ 60 मीटर की है। ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद , त्रिकूद और शॉटपुट को इसमें शामिल किया गया है लेकिन भालाफेंक, चक्काफेंक या तारगोला फेंक जैसी थ्रो स्पर्धायें नहीं होंगी।

300 एथलीट कर रहे प्रतिभाग

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सबसे बड़े दल हैं। दो दिन में पुरुष और महिला वर्ग में 11 स्पर्धायें होंगी जिनमें 60 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 60 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद, त्रिकूद और शॉटपुट शामिल हैं । हाल ही में पोलैंड में विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शामिल की गई चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले इसका हिस्सा नहीं है । चार गुणा 400 मीटर महिला और पुरुष रिले, पुरुष हेप्टाथलन और महिला पेंटाथलन को भी जगह नहीं दी गई है।